

(त्रिरुवांश अद्वी मैग्जीन)

अपरिल-जून 2018

AIIRCE

5TH

(For Private Circulation Only)



COL. TEJ K TICKOO ELECTED AIKS PRESIDENT



अपरिल-जून 2018

CCRCL 50

(त्रुरेतुवार अद्बी मैग्जीन)

एडिटर

ओमकार कौल

सलाहकार मंडल

शम्भु नाथ भट्ट हलीम

रतन लाल शान्त

रूपकृष्ण भट

सुनीता रैना

व्यवस्था

महाराज के पजन (प्रबन्ध)

आल इंडिया कश्मीरी समाज

डी-90, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली 110023

वाख - 50

(त्रुरेत्वार अदबी मैग्ज़ीन)

अपरिल-जून 2018

पब्लिशर

आल इंडिया कश्मीरी समाज, डी-90, सरोजनी नगर, नई दिल्ली 110023
फोन 24677114, email: aiksnd@live.com

एडिटर

डॉ० ओमकार कौल, सी -13, ग्रीनविव अपार्टमेंट्स, 33 सैक्टर 9, रोहिणी,
दिल्ली 110085 फोन : 9811885545, 27556197
email: onkoul@gmail.com

पत्रवाहक जम्मू: रिकू कौल, फोन 9419136369

हकूक महफूज़

यथ मैग्ज़ीनस मंज़ लेख वगाँरु, इसतिमाल करनु ब्रोंह गछि लिखाँर्य, तरजमुकार तु ए आई के
एसुक इजाज्ञथ ज्ञोरुर ह्यानु युन।

कुनि ति (छाप सप्द्यमुतिस)लेखनस मंज़.जाहिर करनु आमुच्चि रायि सुत्य एआई कै एस या एडिटर
सुंद इतिफाक आसुन छु नु ज्ञोरुरी।

कवर पेंटिंग: मृदुल भट्ट

चल : (देश) अख अंक: 50 रु, सालानु: 200 रु, त्रै वैरी: 500 रु, आजीवन : 2000 रु
(विदेश) अख अंक: 4 डालर, सालानु : 15 डालर, आजीवन: 150 डालर

इशतिहार: अँदर्यम कवर : 8,000 रु, पूर सफु: 4,000 रु, औड सफु: 2,000 रु

च्वाग सफु: 1,000 रु

चंदु सोज्जनक तु इशतिहार खाँतरु पताह

ए आई के एस

डी-90, सरोजनी नगर, नई दिल्ली-110023

दिलि न्यॅबरिम्यन चेकन गछन 40 रु अलावु आसनि

डी टी पी: आशा भट

UG 3, Plot 20, Nidhi Pride, Ext 1, Shalimar Garden, Sahibabad – 201005
8826187876, ashabhat975@gmail.com

यथ अंकस मंज....

पनुन्य कथ

05

लेख

ओंकार नाथ कौल शखसियत तु कारनामु	रूप कृष्ण भट	06
स्वामी कृष्णजुव राजदान ग्वनमाथ तु योगी	औमकारनाथ शबनम	11
मूती लाल क्यमू-कॉशिरि रंगमंचुक शहनशाह	रूप कृष्ण भट	14
दर्शन (लोकुट नॉट्य रूपक)	मोती लाल क्यमू	16
मॉज़ लागुन्य	प्रेम नाथ शाद	24
ईद	रूप कृष्ण भट	26

गाशिर्य भीनार

मूती लाल साकी	रूप कृष्ण भट	28
---------------	--------------	----

अफसानु

ऑनख	रतन लाल शान्त	34
त्रेयि त्रुहक्रोर दिवता	मखन लाल पंडिता	37
देद	रिकू कौल	39
ठोर	ओंकार कौल	43
मनी पलांट	रूप कृष्ण भट	44
यिम छि नु तिम	देबा नज़ीर	47

शॉयरी

ब तु चु	मजरुह रशीद	49
प्रज्ञनथ	रतन लाल जवहर	49
गजुल	प्रेम नाथ शाद	50

गजुल	प्रेम नाथ शाद	51
गजुल	राजंदर आगोश	51
जु गजुल	सुनीता रैना पंडित	52
गजुल	अशोक गवहर	53
गजुल	मोती लाल मसरुफ	54
गजुल	अशोक कुमार धर 'गोहर'	55
आलव	रतन लाल जोहर	55
अगर चु यीहख	शाद रमज़ान	56
नज़म	ब्रज नाथ बेताब	59
गजुल	जगर नाथ सागर	60
गजुल	वली असीर कशतावाडी	60
मज़ाहिया नज़ुम	औमकारनाथ शबनम	61
गज़ल	औमकारनाथ शबनम	62

शुर्य अदब

वांदरन हुंद शहजादु	हलीम	64
त्रे गाडु	हलीम	65

स्वखन डुस

वाह्य, ओमकारजिया, च कोत गोख !!!	रतनलाल शांत	66
---------------------------------	-------------	----

तबसर

डा. रूप कृष्ण भट सुंज ताजु तसनीफ़:	डा. रतन तलाशी	71
अख नैव तुछन त्राय		

लीला

सोन मौलुल सरमायि	वैष्णु राजदान	74
------------------	---------------	----

लेखन वॉल्य

80



ਪਨੁੱਧ ਕਥ

ਯੋਮਿ ਸ਼ੁਮਾਰੁਚ ਪਨੁੱਧ ਕਥ ਪੱਖਿਥ ਗਛਨ ਪਰਨਵੱਲਿ ਹੋਰਾਨ ਤਿ ਤੁ ਪਰੇਸ਼ਾਨ ਤਿ ਤਿਕਿਆਜ਼ਿ ਯਿ ਕਥ ਛੇ ਨੁ ਕੱਸ਼ਾਰਿ ਜਬੀਂਨ੍ਹ ਹੁੰਦਿਸ ਕੁਨਿ ਪੱਹਲੂਹਸ ਯਾ ਮਸਲਸ ਘਠ ਬੱਲਕਿ ਚੈਮਿ ਮੈਗਜ਼ੀਨਕਿਸ ਐਡਿਟਰ ਪਰੋਫਸਰ ਓਮਕਾਰ ਕੌਲ ਸੋਂਬਸ ਮੁਤਲਕ ਧਿਮ ਪੱਤਮਧਵ ਵੱਹਵ ਵੰਧਵ ਪਥੁ ਲਗਾਤਾਰ ਪੱਠਿ ਵਾਖ ਪਰਨਵਾਲਿਨ ਤਾਸ ਵਾਤਨਾਵਾਨ ਰੁਦਦਿ। ਧਿ ਛੇ ਨੁ ਸੱਫਲ ਕਥਾ ਕੇਂਹ ਖਾਸਕਰ ਧੇਲਿ ਲੇਖਨ ਵਾਲਿਨ ਤੁ ਪਰਨਵਾਲਿਨ ਦਵਸ਼ਵਨ੍ਹ ਹੁੰਦ ਛੂਡਧਰ ਆਸਿ ਤੁ ਪ੍ਰਥ ਕੱਚਿ ਪਿਨ ਅਮਿ ਖੱਤਰੁ ਧਿ ਵੱਧ ਜਿ ਤਿ ਖਵਰ ਰਣੁੱਧ। ਕੌਲ ਸੋਂਬਨਿ ੩ਮੰਈ, ੧੯੧੮, ਸਵਰਗੁਵਾਸ ਗਛਨੁ ਸੂਤਿਗਵ ਗਰ ਨੁ ਸਿਹਿਤ ਤਿਹੁੰਦਿਸ ਪਰਿਵਾਰਾਸ ਨਵਖਸਾਨ ਬੱਲਿਕਿ ਸੋਂਰਸੁਧ ਕੱਸ਼ਾਰਿਸ ਕੋਮਸ। ਕੌਲ ਸੋਂਬ ਆੱਸਿ ਆਲਮਿ ਸਤੁਹੁਕਿ ਅਦੀਬ ਤੁ ਮਾਂਹਹਿ ਲਿਸਾਂਨਿਆਤ ਤੁ ਤਿਹੁੰਜ ਵੇਛਧ ਧਿਧਿ ਹਮੇਸ਼ਾ ਮੱਹਸੂਸ ਕਰਨੁ। ਵਾਖ ਵਾਤਨੋਵ ਤਿਮਵ ਕਾਤਿ ਕੋਰ ਤੁ ਵਾਖੁ ਵੱਖ ਖਸੁ ਸੇਵਾ ਤਿਮਾਵ ਪਨੁਨਿ ਮਾਜਿ ਜ਼ੋਵਿ ਵੱਗਰ ਸਵ ਛੇ ਥੋਕੁੱਧ ਲਾਧਖ। ਮੈ ਸ਼੍ਵੂਲ ਤਿਮਨ ਸੂਤਿ ਕੱਚੀਬੀ ਤੌਰ ਕਾਂਮ ਕਰਨੁਕ ਮੋਕੁ ਤੁ ਮੈ ਛੇ ਖਬਰ ਜਿ ਤਿਮ ਕੋਤਾਹ ਵਖ ਆੱਸਿ ਧਥ ਮੈਗਜ਼ੀਨਸ ਚੁਕਿ ਤੁ ਦਗਿ ਸਾਨ ਦਿਵਾਨ। ਧੇਮਿ ਸਾਤੁ ਤਿਮ ਪੱਤਮਿਸ ਸ਼ੁਮਾਰਸ ਘਠ ਕਾਂਮ ਕਰਾਨ ਆੱਸਿ ਤਿਮਨ ਬਿਗਡਧੋਵ ਜਧਾਦਧ ਸੋਹਤ ਤੁ ਗੱਧਿ ਫਿਕਰਮਦ ਜੀ ਵਾਖਸ ਕਧਾ ਬਨਿ ਤੁ ਦੋਪੁਖ ਵਿਨ੍ਹ ਤ੍ਰਾਵਵ ਅੱਤੀ ਮਗਰ ਮੈ ਵੋਨੁਖ ਜਿ ਨੱ ਜਾਨ ਰੇਜਿ ਜਿ ਅੱਸਿ ਕਡਵ ਪੱਚਹ ਸ਼ੁਮਾਰੁ ਤੁ ਪਤ ਸੋਂਚਵ ਭੋਂਠਕੁਨ। ਤਿਮਵ ਮੋਨ ਤੁ ਧੇਮਿ ਸ਼ੁਮਾਰੁਚ ਕਾਂਮ ਥੱਵੁਖ ਮੈ ਮਾਟਿ। ਮੈ ਛੇ ਖਵਸ਼ੀ ਜਿ ਮੈ ਹਧੋਕ ਪਨੁਨ ਵਾਦ ਪਾਲਿਥ ਤੁ ਧਿ ਪਂਚਾਹਿਮ ਸ਼ੁਮਾਰ ਵੋਤ ਤਵਹਿ ਤਾਸ। ਵਾਖ ਪਰਿਵਾਰ ਤਰਫੁ ਛਿ ਅੱਸਿ ਤਿਮਨ ਦਿਲੀ ਅਦਾਂਜਲੀ ਅਰਪਨ ਕਰਾਨ ਤੁ ਤਿਹੁੰਦਿਸ ਅਧਾਲਸ ਸੂਤਿ ਛਿ ਗਮਸ ਮੰਜ ਬਰਾਬਰ ਸ਼ਰੀਖ।

ਪੱਤਮਿਸ ਰੇਤਸ ਦੋਰਾਨ ਗੱਧਿ ਕਾਂਸ਼ਾਰਿ ਅਦਬੁਕਿ ਬੋਧਿ ਜੁ ਮਹਾਨ ਅਦੀਬ ਤੁ ਕਲਮਕਾਰ ਤਿ ਸਵਰਗੁਵਾਸ। ਧਿਮ ਛਿ ਸ਼੍ਰੀ ਮੋਤਿ ਲਾਲ ਕੇਮੂ ਤੁ ਸ਼੍ਰੀ ਪ੍ਰਥਵੀ ਨਾਥ ਕੌਲ ਸੋਂਧਿਲ। ਧਿਮ ਦਵਸ਼ਵਧ ਆੱਸਿ ਪਨੁੱਧਨ ਪਨੁੱਧਨ ਮੱਦਾਨਨ ਮੰਜ ਨਾਮਵਰ ਤੁ ਮੋਸ਼ਫ ਤੁ ਕੱਸ਼ਾਰਿਸ ਅਦਬਸ, ਜਬੀਂਨ੍ਹ ਤੁ ਕਲਚਰਸ ਧਿਹੁੰਦ ਦਧੁਤ ਛੁ ਥੋਕੁਨ ਲਾਧਖ। ਅੱਸਿ ਛਿ ਵਾਖ ਪਰਿਵਾਰ, ਤਰਫ, ਧਿਮਨ ਤਿ ਅਦਾਂਜਲੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਾਨ ਤੁ ਤਿਹੁੰਦਿਸ ਅਧਾਲਨ ਸੂਤਿ ਤਿ ਹਮਦਰਦੀ ਵਜ਼ਾਹਿਰ ਕਰਾਨ। ਦਧ ਬ੍ਰੂਜਿਨ ਧਿਮਨ ਤ੍ਰੇਸਵਨਧ ਮਹਾਨ ਬਾਵਨ ਆੱਸਿਨ ਸਵਰਗਸ ਮੰਜ ਜਾਧ। ਤਥਾ - ਅਸਤੂ।

ਰੂਪ ਕ੃ਣ ਭਟ



ऑंकार नाथ कौल : शख्सियत तु कारनाम

- रूप कृष्ण भट

प्रोफेसर ऑंकार नाथ कौल जायि सिरीनगर प्यठु लग बग पंचाह मील दूर क्वलगाम ज़िलु किस बुगोम गामस मंज़ 7 जनवरी 1941 इसवी मंज़। बुगोम छु क्वलगामि प्यठु पांछ किलोमीटर दूर। आतिच आबॉदी छे लग बग पांछ हथ गरु तु ज्यादुतर लुख छि जॉमीनदौरी करान। दैर्यावि माव य्वसु वैशव दैर्यावु मंज़ु नरान छे, छे अमि गामु मँज्य वसान। कौल सॉबन्य गरिक्य आँस्य मावि बैंठिस प्यठ बसान। कौल सॉबन्य पिताजी पंडित प्रेम नाथ कौल अर्पन आँस्य अकि खानदाँन्य तु बजा गरुक्य जानीशीन। यिम आँस्य थदि पायिक्य शॉयिर। यिहुंज शारु सॉबरन आदन याद प्योम छे छपेमुच। यिमव कोर भगवत गीतायि लीलायि रूपस मंज़ कॉशिरिसि मंज़ तरजमु युस औरदू क्यो देवनागरी दूशवन्य लिपियस मंज़ छप्योव। यिहुंदि खानदानुक नाव तु पछान आँस दूर दूर अलाकन ताम मशहूर तु वैज्ञ। परिवार ओस स्यठा बोड नॅतीजन गुज्जर्योव यिहुंद ल्वकचार अँकिस आम स्वदिगरु किस शुर्य सुंदय पॉठय येति नॅ रछन वाल्यन हुंज़ वैंमी आँस तु नॅ गिंदन बाजन हुंज वैछय। यिम रुदय ल्वकचारस गामु माहोलु सुत्य मुताँसिर।

गरस मंज़ ओस नु सिर्फ अदबी माहोलुय योत बैलकि अख दारिमक्य माहोल ति। येति कॉशिरय रेवॉयती गरन हुंदय सनस्कार मूजूद आँस्य। यिमव वैर अदबुच खैदमत अँथ्य असरस तल। यिहुंद वनुन छु, “बटु गरन मंज़ ओस सुबहन शामन आरथी करनुक तु लीलायि ग्यवनुक रेवाज। मशहूर लीलायि आसु शामन शुर्य बैँड्य यिकवटु ग्येवान। सॉनिस गरस मंज़ आसु मशहूर शॉयरन मसलन परमानंद, कृष्णजुव राजदान, प्रकाश राम, वैष्णुजु राजदान नि तु म्यॉनिस वॉलिद सॉबनि लीलायि ति ग्यवनु यिवान।”

कौल सॉबस आँस्य गरस मंज़ ज़िदय व्यमु जी या ऑंकार नाथ तु ल्वकुट्य बॉयराज वनान। चूंकि गरस मंज़ ओस परनुक लेखनुक जान माहोल, यिहुंद चाटुहाल गछुन ओस लॉज्यमी। यिमव पैर इबतिदौयी तॉलीम पनुनिसुय गामस मंज़। अमि पतु कोरुख मैटरिक क्वलगामि, एफ.ए अनन्तनानुग तु बी.ए सिरीनैंगर एस.पी कालजि। पतु कोरुख कश्मीर यूनिवरसिटी मंज़ हैंदियस मंज़ एम.ए 1964 मंज़। यिमव कोर के, एम इनसटिचूट आगरा कमपरेटिव लिट्रेरेचरस मंज़ पी.एच डी तु 1969 मंज़ गैयि यिम अमरीका। अति कोर

यिमव लिंगविस्टिक्स (लिसानयात) मंज़ एम.ए तु पतु आयि वापस हैंदुस्तान।

कौल सॉबन वॅर मरकज्जी सरकारस तेहत, एजिकेशन मिनस्ट्री हुंदिस शुमाँली जबानन हुंदिस अलाकॉयी मरकज्जस्स (एन,आर,एल,सी) मंज़ बहिस्यति प्रंसिपल 1971 प्यठु 1987 ताम नोकरी। अमि पतु रुद्य यिम लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी आफ एडिमिनस्ट्रेशन मसूरी मंज़ ज़बानन हुंदिस डिपाटमेंट्स मंज़ बहेस्यति प्रोफेसर क्यो हेड सतन वॅर्यन। 1994 मंज़ गॅयि यिम सेंट्रल इनसटिचूट ऑफ इनडियन लैंगवेजस मयसूरस मंज़ बहेस्यति डिपटी डयरेक्टर तु अति रुद्य नोकरी हुंदिस ऑखरी मरहलस ताम। यिम गॅयि 2001 मंज़ बहिस्यति डयरेक्टर रिटायर।

अँलमी तु अदबी कारनाम

लग बग पंचाहन वॅर्यन प्यठ मुश्तमिल कौल सुंदि अँलमी तु अदबी कारनामन हुंज़ ग्रंद छे स्यठा ज़ीठ। अथ दोरान छि यिमन पंचाह (50) खोतु ज्यादु किताबु तु डवड हथ (150) खोतु ज्यादु तेहकीकी परचु लीख्यमुत्य। यिम छि द्वन कुसमन हुंद्य अदबी तु लिसॉनी। यिम छि वनान, “म्यॉनिस लेखनस परनस मंज़ छु ग्वडु कालु प्यठय गरुक्य तु समाँजी माहोलन असर त्रोवमुत। शोक तु ज़ोक पॉदु करनस मंज़ छु गामु माहोलुक अख म्वलुल हिसु। म्यॉन्य वॉलिद सॉब ऑस्य शॉयिर। गरस मंज़ ऑस्य औरदू ज़बॉन्य हुंद्य अखबार तु रिसालु वातान। प्रानि किताबु आसु देस्याब। मै बडयोव लेखनुक शोख।... (आलव 2002)

तेहकीकी काम्यन मंज़ छे ग्वडनिच संजीदु कॉम, “कॉशिर्य तु हेंदी रामायनन हुंद तकाबली जॉयजु”। अथ मंज़ छु यिमव कॉशर्यन तु हेंदी ज़बानन हुंद्यन ऑहम राम कथा शॉयरन तु तिहुंजन तखलीकन तकोबली मुतालु वॅरिथ यिहुंद हिशर तु ब्यैन हॉविथ दयुतमुत। यिमव छे नरेंदर दुलय सुत्य रेलिथ पंजांब्य ज़बॉन्य मंज़ “कश्मीरी साहित्य दी तारीख” लीछमुच्च यवसु पंजाबी युनिवरसिटी छपॉव तु कोरसस मंज़ शॉमिल वॅर। यिमव छि राम कथायि, कृष्ण कथायि, सूफी शॉयरी, लल देद, नुंद रयोश, हबु खोतून, मँहजूर, दीनानाथ नॉदिम, परमानंद, कृष्णजुव राजदान वगॉर मोजूहन प्यठ तेहकीकी मज़मून लीख्यमित्य। यिमव यिमन किताबन प्यठ तबसरु वॅर्य तिमन मंज़ छे महमद ज़मान आजुरदा सुंज़ “एसे,” चमन लाल सपरु सुंज़ “दीना नाथ नॉदिम”, बदरी नाथ पारिमू सुंज़ “एसेत आफ दि सेलफ”, एम जे अकबर सुंज़ “बियोंड दि वैली”, शॉमिल। तखलीकी सँथरिस प्यठ वॅर यिमव कॉशरिस तु हेंदी ज़बानव प्यठु शॉयरि तु अफसानु सिनफव सुत्य शोरुआत। लेखनस मुतलक छि यिम वनान, “बु क्याज़ि छुस लेखान? यि छे अख बॅड मजबूरी येमि मंज़ नें मे अज़ ताम फुरसत मीज। ज़िंदगी छे वखतस ताबेह,

ਵਖੁਤ ਛੁ ਜਿੰਦਗੀ ਪਕੁਨਾਵਾਨ। ਵਖੁਤ ਗੁਜਰੁਨ ਛੁ ਜਿੰਦਗੀ ਗੁਜਰੁਨ ਤੁ ਜ਼ਧਾਦੁ ਤਰ ਛੇ ਸ्प੍ਰੋਕਨਿਕੀ ਅੰਦਾਜੁ ਜਿੰਦਗੀ ਪਕਾਨ ਯਥ ਮੰਜ਼ ਨੁ ਪਨੁਨ ਕੰਟ੍ਰੋਲ ਛੁ। ਨੋਕਰੀ ਹੁੰਜ ਜਿਮਵੱਰੀ ਪੂਰੀ ਕਰਾਨ, ਪਰਨ ਤੁ ਲੇਖੁਨ ਰੁਦ ਮੈ ਧਿ ਸ्प੍ਰੋਕਨਿਕੀ ਜਿੰਦਗੀ ਬਸਰ ਕਰਨੁਕ ਅਖ ਹਿਸ। ਬੁ ਰੁਦੁਸ ਲੇਖਾਨ। ਵਾਰਧਾਵ ਤੱਹਕੀਕੀ ਮਜ਼ਮੂਨ ਛਪੇਇ, ਕਿਤਾਬੁ ਛਪੇਇ ਤੁ ਨੱਵੁ ਨੱਵੁ ਮੋਜੂ ਆਇ ਭੋਂਹ ਕੁਨ। ਕੱਸ਼ਰਿਸ ਮੰਜ਼ ਤਦਰੀਸੀ ਸ਼ਵਾਦ ਤਧਾਰ ਅਲਾਵੁ ਲਿਸਾਂਨਿਤੀ ਏਤਬਾਰੁ ਰੁਜ਼ ਮੈ ਖੋਹਿਸ਼ ਜਬੋਨ੍ਯ ਪਿਠ ਕੌਮ ਕਰਨੁਚ। ਸ਼ੋਨ੍ਯ ਖੋਹਿਸ਼ ਆੱਸ ਕੱਸ਼ਰਿਸ ਪਿਠ ਕੌਮ ਕਰਨੁਚ। ਧਿ ਬਨੇਇ ਅਖ ਮਜਬੂਰੀ। (ਆਲਵ 2002)

ਧਿਮਵ ਛੁ ਕੱਸ਼ਰਧਨ ਅਫਸਾਨਨ ਹੁੰਦਿ ਤਰਜਮੁਚ ਅਖ ਸੰਵਰਨ “ਕਥਮੀਰੀ ਕਹਾਨਿਯਾਂ” ਹੈਂਦੀ ਜਬੋਨ੍ਯ ਮੰਜ਼ 1992 ਮੰਜ਼ ਛਾਪਮੁਚ। ਧਿਮਵ ਲੀਛ ਪਾਨੁ ਤਿ ਗਵਡਨਿਚ ਅਫਸਾਨੁ ਸੰਵਰਨ “ਮੁਲਾਕਾਤ” (2001) ਹੈਂਦੀ ਪੱਠਧ ਯਥ ਮੰਜ਼ 55ਮਿਨੀ ਅਫਸਾਨੁ ਛਿ। ਧਿ ਕਿਤਾਬ ਆਇ ਪਤੁ ਕੱਸ਼ਰਿਸ ਤੁ ਓਰਦੁਹਸ ਮੰਜ਼ ਤਿ ਤਰਜਮੁ ਕਰਨੁ। ਧਿਹੁੰਜ ਦਾਰਧਿਮ ਕੱਸ਼ਿਰ ਅਫਸਾਨੁ ਸੰਵਰਨ ਛੇ “ਆੱਖਰੀ ਫੌਸਲੁ”। ਪਨੁਨ੍ਯਨ ਅਫਸਾਨਨ ਮੁਤਲਕ ਛਿ ਵਨਾਨ, “ਪਨੁਨ੍ਯਨ ਅਫਸਾਨਨ ਮੁਤਲਕ ਕੋਹ ਵਨੁਨ ਛੁ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਬੈਥਿ ਤਿ ਤਿਮਨ ਅਫਸਾਨਨ ਧਿਮ ਜਨ ਕੇਂਚਨ ਵਾਕਨ, ਚਿਹਧਨ, ਕਿਰਦਾਰਨ ਸੁਤਵ ਵਾਬਸਤ ਆਸਨ-ਧਿਮਨ ਮੰਜ਼ ਛਿ ਤਿਮ ਅਫਸਾਨੁ ਤਿ ਧਿਮ ਰਧਵੱਧਤੀ ਰਦਜੁ ਬੰਦੀ ਮੰਜ਼ ਛਿ ਨੁ ਧਿਵਾਨ।

ਲਿਸਾਂਨਿਤੀ ਕੌਮ :

ਕੱਸ਼ਰਿਸ ਲਿਸਾਨਿਯਾਤਸ ਮੁਤਲਕ ਆਇ ਸ਼ਾਬਦ ਪੱਠਧ ਤੱਹਕੀਕੀ ਕੌਮ ਕੁਨਵੁਹਮਿ ਸੱਦੀ ਹੁੰਦਿ ਆੱਖਰੁ ਪਿਠ ਕਰਨੁ। ਵਾਰਧਾਵ ਧੂਰਪੀ ਅੱਦੀਬਵ ਤੁਲ ਅਥ ਕਾਮਿ ਗਵਡੁ ਦਸ ਤੁ ਕੱਹਰਖ ਵਾਰਧਾਵ ਕੌਮ। ਮਗਰ ਗਵਡੁ ਅਨਵਾਰਿ ਹੁੰਜ ਗਵਡਨਿਚ ਤੁ ਥੋਕੁਨ੍ਯ ਲਾਧਕ ਕੌਮ ਆੱਸ ਪੰਡਿਤ ਈਸ਼ਵਰ ਕੋਲਨ੍ਯ ਸੰਸਕ੍ਰਤ ਪੱਠਧ ਗ੍ਰੋਮਰ “ਕਥਮੀਰੀ ਸ਼ਾਬਦ ਅਮਰੋਤ” ਧਿ ਗ੍ਰੋਮਰ ਬਨ੍ਧੋਵ ਗ੍ਰਧਰਸਨ ਸੁੱਜਿ ਕਾਮਿ ਹੁੰਦ ਅਖ ਅੱਹਮ ਵਸੀਲੁ। ਤਨੁ ਪਿਠ ਅਜ਼ ਤਾਮ ਆਇ ਕੱਸ਼ਾਰਿ ਜਬੋਨ੍ਯ ਹੁੰਦਿਸ ਪ੍ਰਥ ਕੁਨਿ ਪੱਲ੍ਲੂਹਸ ਪਿਠ ਤੱਹਕੀਕੀ ਕੌਮ ਕਰਨੁ। ਧਥ ਮੰਜ਼ ਕੱਸ਼ਰਧਨ ਤੁ ਗੌਰ ਕੱਸ਼ਰਧਨ ਦ੍ਰਵਾਵਨਨ ਹੁੰਦ ਹਿਸੁ ਛੁ। ਵੁਹਮਿ ਸੱਦੀ ਹੁੰਦਿਸ ਦੋਧਮਿਸ ਹਿਸਸ ਮੰਜ਼ ਵੱਥਿ ਖਵਾਸ ਕਿਸਮਤੀ ਕਿਨ੍ਚ ਵਾਰਾਹ ਕੱਸ਼ਰਧ ਲਿਸਾਂਨੀ ਮਾਹਿਰ ਧਿਮਵ ਪਨੁਨਿ ਮਾਜਿ ਜੋਵਿ ਪਿਠ ਹਾਵੁਨ੍ਯ ਤੁ ਬਾਵੁਨ੍ਯ ਲਾਧਖ ਕੌਮ ਕੱਰ। ਧਿਮਨ ਸਾਰਿਨ੍ਯ ਅੱਦੀਬਨ, ਤੱਹਕੀਕਾਰਨ ਤੁ ਲਿਸਾਂਨੀ ਮਾਹਰਨ ਮੰਜ਼ ਛਿ ਸਾਰਿ ਫਿਰਿਸਿਸ ਪ੍ਰੋਫੇਸਰ ਔਕਾਰ ਨਾਥ ਕੌਲ। ਧਿਮਵ ਛੇ ਕੱਸ਼ਾਰਿ ਜਬੋਨ੍ਯ ਹੁੰਦਿਸ ਪ੍ਰਥ ਕੁਨਿ ਪੱਲ੍ਲੂਹਸ ਪਿਠ ਕੌਮ ਵੱਹਰਮੁਚ ਤਿ ਸੋਹੁਧ ਧੇਤਿਨਸ ਫਿਰੁਨ ਛੁ ਨੁ ਮੁਮਕਿਨ ਮਗਰ ਕੇਂਚਨ ਖਾਸ ਖਾਸ ਕਾਧਨ ਹੁੰਦ ਜਿਕ੍ਰ ਕਰੁਨ ਛੁ ਲੋਝਿਮੀ।

ਪ੍ਰੋਫ ਕੌਲ ਸੁੱਜ਼ ਗਵਡਨਿਚ ਕਿਤਾਬ ਛੇ ਲਿੰਗਵਿਸਕ ਸਟਡੀਜ ਇਨ ਕਥਮੀਰੀ 1977 ਅਮਿਕਿਅ ਅੱਹਮ ਹਿਸੁ ਛਿ ਨਵੁਨ ਫ੍ਰੇਜ਼, ਵਰਡ ਫ੍ਰੇਜ਼, ਏਡਜਕਟਿਵ ਫ੍ਰੇਜ਼ ਵਗੱਰੁ। ਅਮਿ ਪਤੁ ਵੱਹ

यिमव अमरीकी मॉहिरि लिसॉन्यात पीटर हुक्स सुत्य मीलिथ एसपेक्टस ऑफ कशमीरी लिंगविस्टस 1984 किताब ऐडिट। अथ मंज़ छि वारयाहन ऑल्यमन हुंदय परचु शॉमिल। यिमव वैरय कॉशरि जबॉन्य हुंदय दरसी म्वाद तयार यिम छि एन इनटोनेसिव कोरस इन कशमीरी 1985, एन इनटर मिडियेट कोरस इन कशमीरी 1994, एडिक्शनरी आफ कशमीरी प्रोवरबस, स्पोकन कशमीरी 1987 वगाँरु।

प्राफ कोलन वैर वारयाहन गौर कॉशरयन स्कालरन सुत्य ति कॉम यिम छि पीटर हुक्स अलावु, बोरिस जखारीन, काशी वैला। रुथ लैला शमित, लुदमिला खोखोलोव। काशी वैली सुत्य रॅलिथ ल्यूख यिमव कशमीरी ऐ कागनिवि लिंगविस्टिक ग्रामर तु “माड्रन कशमीरी ग्रामर। उथ लैलायि सुत्य रॅलिथ ल्यूख यिमव, कोहिसतानी टु कशमीरी, सोशियो लिंगविस्टिक सरवे आफ कशमीरी, दारदिस्तान रिविजिटिड। यिमव वैर, कशमीरी लैंगवेज, लिंगविस्टिकस, कलचर नावु अनोटेटिड बिबल्योग्रफी ति तयार।

यिहंजुन बाकी काम्यन मंज़ छे इफेक्टिव कोमिनिकेशन सिकलज, टापिकस इन हैंदी लिंगविस्टिकस, स्टडीज़ इन कशमीरी लिंगविस्टिकस, माडर्न हैंदी ग्रामर, एनिवज़ पेपर रीडर इन कशमीरी, लंगवेजस आफ जमू एंड कशमीर ति शॉमिल। मे कैर यिमन सुत्य “लंगवेजज़ ऑफ पंजाब” तु “लंगवेजज़ ऑफ हरियाणा” ति ऐडिट। प्रोफसर कोलन कौर स्वुथ एशियन लंगवेज रिविव (SALR)रिसालु लग बग त्रुहन वैर्यन ऐडिट। यिमव कौर कॉशुर अदबी मैगज़ीन “वाख” दृहन वैर्यन ऐडिट यसु थेकुन्य लायख कॉम छे।

ऐजाज्जत् एवार्डः

प्रोफेसर कोलस छि वारयाह एजाज़ तु एवाड मील्यमुत्य यिमन मंज़ भारत सरकारुक सी, एच, डी 1975, इनटरनेशनल सुसयटी फार आर्ट कल्चरल 1996, भारत सरकारुक गौर हैंदी भाषी वल्यन हुंद अवार्ड2003, कृष्ण राजदान सरस्वती अवार्ड - 2004। यिहुदि नावु छप्योव बावथ कलचरल सुसाईटी प्रोफसर कौल न०- 1997तु भारतीय भाषा संस्थान मयसूरन “पेपरस इन एपलयिड लिंगविस्टिकस नावु अख सपेशल वोल्यूम फार औंकार कौल- 2001।

प्रोफसर कौलन लीछ पनुन्य स्वानेह शकलि मंज़ “विसफरिंग वार्डस-ए मैमायर 2017 यसु लूकव स्यठा पसंद वैर। अथ मंज़ छि यिहंदि जिंदगी हुंदय ऑहम वाकु क्यो तफसील दरुज तु मुखतैलिफ ऑदीबन सॉथ्यन तु ऑहम इनसानन हुंज यिमन मुतलक राय दरुज। प्रोफसर रतन लाल शांत छि यिमन मुतलक वनान, “ कौल सॉबनिस गौर लिसॉन्याती अदबस म्वलऑक्वन करनु ब्रोह छु असि एहसास गछान जि अँस्य छि ऑक्सिस आलमी स्थथरुकिस मॉहरिस ब्रॉथकनि खडा, यसुंद दयुत मुलकस मंज़य योत नु बैलकि नेबरु ति थ्यकनावनु आमुत छु।

ॐलमी तु अदबी प्रोग्रामन मंज़ शरकत करनुकि गरज्ञ छि तिम वारयाहन मुलकन फीर्यमुत्य यिमन मंज़ अमरीका, रूस, बरतानिया, एसट्रेलिया, फांस, जापान, कनाडा, बेलजियम, थयलैंड वगॉरु मुलख शॉमिल छि।

3 मई2018गॅयि प्रोफसर औकार कौल दिलि मंज़ तेवील बोमारि पतु स्वर्गुवास तु कॉशिर ज़बान तु लिसॉन्यात गव अँकिस मायानाज़ अदीबस तु रुतिस इनसानस निशि महरूम। औकार कौल सुंद दयुत तु नाव रोज़ि हर हमेशि जिंदु तु अमर।

वाख

कॉशीरी नेबर हेकि कॉशरि खॉतरु देवनागरी अख ॲहम लिपि बॉनिथ। देवनागरी लिपि मंज़ छु कॉशुर परुन तु लेखुन सँहल। कॉशीरि नेबर कॉशुर परनु तु लेखनु खॉतरु छे दिलचस्पी बडावुन्य तु बरकरार थावुन्य ज़रूरी। अमि खॉतरु हेकि वाख अख ॲहम वसीलु बॅनिथ।

देवनागरी तु कॉशुर

कॉशीरी नेबर हेकि कॉशरि खॉतरु देवनागरी अख ॲहम लिपि बॉनिथ। देवनागरी लिपि मंज़ छु कॉशुर परुन तु लेखुन सँहल। कॉशीरि नेबर कॉशुर परनु तु लेखनु खॉतरु छे दिलचस्पी बडावुन्य तु बरकरार थावुन्य ज़रूरी। अमि खॉतरु हेकि वाख अख ॲहम वसीलु बॅनिथ। यि गोछ सारिनुय गरन मंज़ वातुन। वाख पॅरिव तु परनॉयूख बाकी ति। देवनागरी लिपि मंज़ कॉशुर लेखनु खॉतरु कॅरिव यिमन निशानन हुँद इस्तिमाल:

ु	तुर, करु, परु, गछु	ෂ	तूर
ঁ	ঁর, নঁর, অঁর, হঁজ		গঁর, নাঁর, দাঁর, আঁঠ
ঁ	বেহ, চে, মে, পেঠ	ো	দোর, তোর, নোর, হোল, দোল, চোল

स्वामी कृष्ण जू राज्जदान-अख योगी तु गोनमाथ

ओमकार नाथ शबनम

योदवय सानि नवि पुयि (generation)पनुनिस धर्मस तहजीबस तु सकाफतस (Culture)मुतल्क ज्ञानकारी हाँसिल करनस कुन यि दॅपिजि ति पचि छे ति कॅरिथ ति छि सानि प्राणि पुयि हुन्द्यन अकसर लूकन छे पनुनि तमनदुनिच, अदबुच तु कलचरुच तीचुर्ई दग स्त्रेह तु श्रपथ यीच तिमन माजि कॅशीर हुन्ज छेय। अमापोज्ज यथ मशीनी तु कमप्यूटरकिस दोरस मन्ज गयि तिम साँरी वसीलु नायाब यिम असि ओर कुन मॉल ऑस्य फिरान।

बु छुस पानु वैशाली रोजान, मगर म्याँन्य ज्यादुतर बन्द तु बांधव छिह जेमि बसान लेहजा छुस बु मॅन्ज्य मॅन्ज्य तोर गछान तु रोजान। अकि दोह गोस बु पनुनिस नेचिवि सुन्द घर युस हज्जूरी बाग रोजान छु अमापोज्ज दरवाज्ज अँचिथुर्ई गव मेय यि शिव भजन कनन

“ब्यल तय मादल वेनु गोलाब पम्पोश दस्ताँय,
पूजायि लागय परम शिवस शिवनाथस ताँय।

भजन ओस रेडियो शारदा प्यठु नशर सपदान। यि लँज मेय अन्दर अँचिहत पता जि कांहति भटु गरु युस सुय जेमिस मन्ज रोजान छु शारदा रेडियो प्रथ दोह बोजान।

खाँर यि कथ आसि सारिनी चेतस जि अमि मस्त तँ मदहोश करनवालि भजनुक्य तखलीक कार ऑस्य कृष्ण जू राज्जदान।

राज्जदान सॉब ऑस्य अनंतनाग जिलकि वनपुह मामिक रोजान वॉल्य, मॉलिस औसुस नाव गणेश रैण। राज्जदान सॉबकर ज्ञायि तु कर गयि स्वर्गास छु नु सैकु पॉर्ठय पतह। बकोलि मोती लाल साकी तु सोमनाथ भट वीर यिम बहलि पायिक अदीब तु नकाद ऑस्य छु यिहुन्द जा सनु भाद्र ज्ञून पछ चोरम याने विनायक चोरम तु सन ओस 1850। 13दिसम्बर 1926गयि यिम स्वर्गवास।

यस पानु दय सुन्ज कृपा आसि तस क्या छु हाजत, दपान मॉज्य रॉगन्यायि ढोल अमिस भाग्यवानस तमि सातु पनुनि शफकतुक अथु येलि सु वुनि बालक अवस्थायि मन्जुर्ई ओस। पनुनि अथु आपरोवनस तमि क्षीर येलि माता तस निश स्वपनस मन्ज आयि

यिहोय मेछर तु मद्रेर रुद कृष्ण जू सुन्दिस बावच बलस मन्ज हमेशा प्रेडान। दपान त्युथ साजगार रहोनी माहोल सपद्योस नसीब ज़ि बालु पानु प्यठय लोगुस साधन तु सन्तन हुन्द संग। राजदान सॉब येलि फिक्रि प्यव सु लोग गुरु भत्तिकुन तु गोव तेथ्य मन्ज लीन। योग साधना दौरान गनेयस वेदान्त तु शिव दशर्नस प्यठ यछ तु पछ यथि वॅन्य गनेयस बटु धर्मस कुन कल। यि ओस सु वख येलि वॅशीरि मन्ज महाराजा प्रताप्त सिंह तखतस प्यठ ओस। यि राजु ओस पानु ति अख थोद धर्मात्मा।

दपान प्रताप सिंहहस ओस नु कान्ह औलाद येमि किन सु दीवी धारन प्यठ ढेँब बोछि गछान ओस, किथताम पॉठय गव महाराजस वोथवुनिस भगवानस मुतलक कनन, दवान तु दौरान वोत राजदान सॉबस निश। भगवान सुन्ज दयगथ वुछतव राज्जस ज्ञाव सन्तान यिथु पॉठय बढेयि राजु प्रताप सिंहस ॲमिस योगियस प्यठ पछ तु पनुनिस दर बारस मन्ज कोरुन सन्तन फकीरन लोलु खोल भत्ति भावस तु धर्मस लोग वोथभव। प्रकाश राम कुरु गाँम्य, परमानन्द ही गोनमात ति आँस्य अमी दोरिक पॉदावार। बुल बुल नागाँम्य, क्रालु वास्च, महमूद गाँमी, नयामु सॉब ही सोफी शायरि ति वेँथ्य अँथ्य दोसरस मन्ज।

कृष्ण जू राजदान सुन्द कलामु परिथ छु ज़ाहिर सपदान ज़ि तिम आँस्य लल्द्यद, नुन्द ऋषि रोपु भवानी तु परमानन्द नि कलामु सुत्य स्यठाह मुताँसिर गॅमित-सूफी शॉयिरन हुन्द ति ओसुख स्यठाह असर युस ज्ञन राजदान सॉबुन कलाम परनु तलु छु फिकरि तरान। अगर वुछव स्यदि स्योद असर ओस स्वामी परमानन्दनुय।

राजदान ओस जवानी मन्जर्ई परमानन्दस निश मटन गछान योदवय परमानन्द वांसि किन राजदान सॉबस ज्युठ ओस मगर ति आसिथ ति ओस सु राजदान सॉबस स्यठाह आदरसत्कार करान। अँथ्य वक्तस मन्ज गौ परमानन्दुन 'शिव लगन' ति आम मकबूल। भत्ति शायरी मन्जियमव गोनमातव मंजु यिमव कृष्ण जू राजदानस सुत्य सुत्य लीला शॅयरी वोथभव द्युत तु पनुन कलाम लूकन हन्जि ज़ेवि मन्ज आम कोर तिमन मन्ज आँस्य र्मिजु काक, वैजु जुव राजदान, प्रकाश राम कुरगाँमी ही शॉयिर ति।

परम शिव छि अख अबदी हकीकत, कॉशरिस शिवमतस मन्ज छे यि हकीकत दोन इस्तिलाहन प्यठ मुशतमिल तु तिम छे :

"च्येथ तु विर्मश" येमिच वखनय शिव सूत्रस मन्ज छे आमुच करनु। पेश छि राजदान सॉबुन यिम जु शार-

डल मु होशु चेत की पम्पोश छाव

सरु कोर संसार नदरुई द्राव।

सर तु डल छि पॉनिस दरशावान, सरु गोव करुन या वनव व्यछनावुन मतलब चु मु

गछ हकीकत निशुदूर यि हकीकत छुय 'च्येथ' ।

बुनयाँदी तौर छय यिमन सारिनी इस्तिलाहन हुन्द मतलब अद्बी हकीकत (supreme reality) हुन्ज्य ज्ञान यिहय छि "च्येथ तु ज्ञान छि इस्तिलाहव याने 'सरु कर' तु 'डल मु' दस्य हाँसिल सपदान । पोन्य छेय तरवलीकुकि आगरुच अलामत तिक्याजि वैष्णव ओस पनुनिस सर्फस प्यठ बिहिथ पॉन्य सुई तरान - येलि ज्ञन अँथ्य सरस मन्ज पम्पोश पँगटिथ द्राव यि छु असि यिहोय इशारु दिवान ।

"च्येत की पम्पोश छाव" ।

ब्याख कथ छय जि हरगाह सोरुय ज़गत पॉनिस प्यठुय दारमदार थावान छु ति कॅरिथ छु यिहोय ज़गत पानिकी पॉठय नापायदार । नदुर क्या छु यि छु पोन्य ।

कैचन हुन्द वनुन छु राज्जदान सॉब आँस्य सिरिफ योगी तु साद यि छु नु यूत्य तिम आस्य गृहस्थ धर्म ति पालन करान ।

कर्म धर्म करनस सुत्य सुत्य ओस शार ति वनान । शॉयिरी मन्ज युस फलसफु तु ज्ञान तिमव बयान छु कोरुमुत तु ल्कून ताम वातनोवमुत तमि किन छि सु सारिनी हुन्द्यन दिलन मन्ज अज्ज ति बॅसिथ । अँमि सुन्दय कैन्ह शार छि:-

योगचि ढबि छय लछि बँज्य हेरय

कृष्णास फेरे निश मोकलवान ।

ह्युर खारुन छुस गोडन्युक पोरुय

परम शक्ति गव लछ नोवई ह्यथ

सत्त चित आनन्द अमृत चावतम

सत गुरु हावतम गटि मन्ज गाश

यनु छुक छाँडिथ तथ मकानस

गोमुत छुक अज्ञानस मन्ज

ओन छुस जाँन्य हुन्ज वथ ह्यछ नावतम

सतगुरु हावतम गटि मन्ज गाश

अँस्य काँशिर छि अमि रंगु स्यठाह

भायवान जि असि मन्ज छु राज्जदान परमानन्द

लल्द्यद, रोप भवानी ही थदि पायिक गोनमात वैथ्यमित ! हर गाह अँस्य

यिहुन्ज्जन कथन फलसफन तु ज्ञानस प्यठ अमल करव तु पनुन्य यि वरासत रँहछरावव असि अचि नु 'खोरस जांह ति कोँड ।



मूती लाल क्यमू-कॉशिरि रंगमंचुक शहनशाह

रुक कृष्ण भट

पदमुश्री मूती लाल क्यमू कॉशिरि रंगमंचुक शहनशाह गव 15 अपरेल 2018 द्वह जेमि स्वर्गवास। अँथ्य सुत्य वोत तसुंद 60 वरयनहुंद अदबी तु सकाफती सफर अंद तु कॉशुर ड्रॉमा गव अँकिस थैंदिस तु बहलि पायि कारकुनस निशि महरूम। क्यमू सुंद कॉशिरिस रंगमंचस दयुत बहिसयति अख अदाकार डायरेक्टर, प्रदूसर, ड्रॉमानिगार तु ड्रॉमा तँहरीक हुंद अलम बरदार छु बेमिसाल तु शुरय पानु प्यठु स्वर्गवास गछनस ताम रुद सतुंद ड्रॉमाकिस मॉदानस मंज़ अख ज्यूठ सफर स्यठा दिलच्सप। तँम्य कोर बहसियति अख बाल कलाकार पनुन ड्रॉमा सफर शोरु तु कॉशिरिस ड्रॉमा तँहरीकस सुत्य सुत्य सपुद अँकिस कामयाब हिदायतकार, ड्रॉमा नॅवीस तु अदाकार संदिस रूपस मंज़ बालेग। अथ ज़ीठिस सफरस दोरान लीच्य तँम्य च़तजीह खोतु ज्यादा मुकमल ड्रॉमा। तँम्य बनॉव ड्रॉमा पनुन्य करमु भूमी ति तु पेशि ति।

कॉशुर बाँडु पॉथुर फांफलावनस तु यि थैंदिस अयामस ताम वातनावनस मंज़ छु तसुंद बोड बारु दयुत। बाँड तु तिहुंद फन कोमी सतहस ताम वातनावनस मंज़ छु तिहुंद बोड बारु हिसु। तिमव दिच्च बाँडन ड्रॉमायी सलॉहयच्च बडावनु खॉतरु तरबियत तु तिम वैरिख तकनीकी ज़ॉव्यजारव सुत्य वॉकुफ तु ज़ॉन्याब।

क्यमू रुद जमू कश्मीर कलचरल अकादमी हुंद ओहुदार तु बहिसयति अडीशंनल सेकरिट्री गव रिटायर। अथ दोरान वैर तिमव वैशीरि मंज़ ड्रॉमा फनस सुत्य सुत्य बाकी अदबी तु सकाफती काम्येन व्सजार दिनस मंज़ काफी कॉम तु कॉशुर कलचर कोरुख मशहूर तु मोरुफ।

तिमव छि दरजनवाद ड्रॉमा किताबु लेछिमचु छाय, डख येलि चलन, शाह पॉथुर अकनंदुन, तोतु तु आँनु, नगर वुदॉस्य, त्रुनोव, वगॉर वारयाह मशहूर छि। क्यमूहन छे ड्रॉमाहव अलावु बेयि ति वारयाह किताबु लेछिमच। यिहुंज अख हिंदी नावल पशुगाथा छे बडु जान नावल यथ मंज़ इसतिहारव तु तशबि हिव्य रंगय समाँजी तु सयाँसी बिदतन तु मामलन परदु तुलनु आमुत छु। यिहुंज किरदारनिगाँरी छे स्यठा दिलच्सप तु आम पॅहम। यिमव छि तवारीखी किरदार ति पनुन्यन ड्रॉमाहन हुंदय् किरदार बनयोंयमित तु

राजतरंगनी हुंदि हवालु छिख वारयाह किरदार पनुन्यन ड्रॉमाहन इन्द्य पॉथुर बनाँव्यमित।

क्यमूहस छि वारयाह यनामु क्यो ऐजाज दिनु आमुत्य यिमन मंज साहित्या अकादमी अवार्ड, संगीत अकादमी अवार्ड ति शॉमिल छि। तिमन छु भारत सरकारन पदम श्री ति दयुतमुत। पनुनि माजि ज़ेवि अलावु ल्यूख मितव हैंदी, ओरदू तु अंगरीज्य ज़बानन मंज ति। तिमव छि हतु बँद्य लेख तु परचु लीख्यमुत्य। वँशीरि हुंद्यन तु वँशीरि नेवर वारयाहन रिसालन, मैगज़ीनन मंज छि तिहुंद्य लेख छपेमुत्य। तिमन मुतलक छि मशहूर अदीब प्रोफेसर रतन तलाशी वनान “यि छे बडु अँहम कथ ज़ि क्यमूहन थैव तिथि विज़ि ड्रॉमा लखनुच रेवायथ कॉयिम येलि अँस्य पनुन्यन मूलव निशि दूर पेमुत्य अँस्य।” अफसानु निगार क्यो नकाद प्रोफेसर रतन लाल शांत छि वनान “क्यमू ओस अख थदि पापि ग्वनमात मशरिकी तु मगरिबी ड्रॉमा तरकीबी हुंद मानुनु आमुत मॉहिर।” क्यमू छु पानस मुतलक वनान, “ज़िंदगी हुंद्यन पंचाहन वँरयन रङ्गुस रंगस सुत्य वाबस्तगी, च़तजीगन वरँयन वँरुम कॉशिरि कलचरुच खेंदमत अदबस, संगीति नाटकस, तु फननि लतीफस सुत्य थाँवुम वुमरि वाबस्तगी।

क्यमू सुंद नेचुव रवी क्यमू छु बालीवुडस मंजड डयरेक्टर तु कॉशिरिस रंगमंचुस सुत्य ति छु वाबैस्तु। क्यमू सुंज़ कूर छे संगीत तु फनुच व्वस्ताद तु तसुंद जुर कूनाल क्यमू छु बालीवुडस मंज एवटर।

क्यमू ओस अख जान, मायि बोहुत, ज़िंदु दिल तु उत इनसान। बु जानुहाँन सु पॅत्यम्यव लगबग च़तजीहैव वँरययव प्यठु। तसुंद सोहबत तु संग ओस लूबुन तु खवशनसीबी। येलि येलि ति ड्रामा फनुच ज़िकिर व्वथि मूती लाल क्यमू यियि आदरु तु सतकारु सान याद करनु। भगवान दियिन तस वेष्नु बवनस मंज जाय।

देवनागरी लिपि मंज छु कॉशुर परुन सँहल। कॉशुर परनु खॉतर छे दिलचस्पी बडावुन्य तु बरकसार थावुन्य ज़र्सरी। अमि खॉतरु हेकि वाख अख अँहम वसीलु बैनिथ। यि गोछ सारिनुय गरन मंज वातुन। कॉशिर ज़बान छे सॉन्य प्रज्ञनथ, असि छे यि कुनि ति सूरतस मंज कॉयिम थवुन्य।

वाखु खॉतरु सूजिव तु सोज़नाँविव चंदु। वाख-परिवारस दियिव वुसजार।



दर्शन(लोकुट नॉटय रूपक)

मोती लाल क्यमू

**परदु वोथान तु प्रयुवुन संगीत छु व्वतुलान ब्रौह स्टेजस प्यवान गाश, सूत्रधार
अचान कॉशुर बटु वरनस मंज। सु छुगुल्य गंडिथ लूकन मुखॉतिब सपदान।**

सूत्रधार : नमस्कार! योर आमुत्यन भक्त ज्ञन छुस बु वछि वालिंजि स्वागत करान। कॉशरि शॉयरी मंज छु भक्ति शॉयरी पनुन खास मुकाम हॉसिल। यिछि शॉयरी मंज व्वतुलेयि शिव लीलायन लरि लोर कृष्ण भक्ति तु राम भक्ति हुंजु नहजि तु त्रायि युथ ज्ञन कैचन शॉयरव वैर पनुनि वॉसि खॉलिस पनुनिस आराध्य दीव सुंज भक्ति तु लीलायि करिनस अर्ग-पोश-च्छुन ज्ञॉनिथ अर्पण। यिम लीलायि छे मोदर्यन तु म्येछन लयन मंज। अवय आयि तुम्बखनार्यन प्यठ बटुन्यव दॅस्य तु छकरि गर्यव दॅस्य यसलु पॉद्य ग्यवनु। कैचन संस्कृत त्वतायन हुंद कॉशुर रूप ति आव लीला नहजि तल।

पेश छु अख लोकुट संगीत रूपक युस पं.परमानन्द, कृष्ण जू राजदान तु आफताब जी सुंजन कैचन लीलायन प्यठु छु मबनी, रचनाकार छि प.मोती लाल क्यमू। बुछिव!!

(सूत्रधार छु नेरान। सोत सोत संगीत चलान। गाश प्यवान स्यटस। कुल्य गनिरस मंज थजरस ध्याणु मुद्रायि मंज बा व्यकार, छोत प्रोन बटु दस्तारु दिथ फ्यरन लॉगिथ, बोड ट्योक करिथ बटु बिहिथ, सु छु स्पार्ट तल तु ज्ञानान आवाज़ उबरान)

ज्ञानु आवाज़ : अँछ वैटिथ छ्वपि हयंदिस आलमस मंज छु शॉयिर ध्याण वैरिथ पनुन अंदरून मस्ती मंज लयि अॅनिथ कल्पनायि मंज ज्ञन तु गोकुलच तसवीर च्यतुरावान तु गंगुरावान

(गावन तु वछ्यन हुंज मॉर्यमंज आवाज़ रलि संगीतस सूत्य। अमी सातु अचन कुल्यन गावन, वैछ्यन हुंद्य कट-आउट हयथ कैह तु सजावन गोकुल

सेट । सूती वुबरान शायिर सुंज़ लयि बंद आवाज़)

शायिर (ग्यवान) :

गोकुल हदय म्योन तति चोन गूर्यवान ।

च्यथ विर्मश दिप्तिमान बगवानो ॥

(कैह गूपियि असुन करान अचान । बंसरी हुंज तेजान तु गूपियि जन तु
देवानु गछान)

शायिर : (ग्यवुन)

वृच्छ म्यॉनि चेय पतु लारान ।

बंसरी नादु वादु मतानो ॥

गूपी १ : बोजान छखु ! छाँर्यून कथ कुजि, कथ ज्रंडस तल छु चूरि ।

गूपी २ : कति छु सु मार्यमोद शुर ! वाह ! मछिल शुर !

गूपी ३ : वाह ! क्या बनसरी नाद छु ! दूरिव ! छाँर्यून प्रथ अंदु ! यर्पाय !
हुपॉर्य, न न च्वपार्य !!

(तिम असान असान कुल्यन तु गावन पतु ब्रॉह चकर दिवान ।)

शायिर (ग्यवुन) : नशिरिथ ह्यस तु होश मुशिरिथ पर तु पान च्यथ विर्मश
दिप्तिमान बगवानो ।

(गूपियि छे पादव सूत्य रोनि वायन तु नचान)

जनानु स्वर : (ग्यवुन)

आकाशि म्वख छुख आकाश बासान ।

तत् सत् प्रकाश आसानो ॥

(गूपियि जन तु त्वता परान । ईश्वरस नमान बेतरु)

जनि कोरस : दीवन हुंदि दीवु प्रानियन हुंदि प्रानु ।

च्यथ विर्मश दिप्तिमान बगवानो ॥

**(गूपियि असान असान अख ॲकिस रटान, लोंचन लमान तु असान -
जन तु बदि कोडुख पतु वनान)**

गूपी १ : चौल खोखजि खोखजि चौल !

छोन्य छोन्य रोनि लॉगिथ चोल !!

गूपी २ : छ्यफ दिथ गव मॉजि जसदायि निश !!

गूपी ३ : हय क्या गोम ! शायद खूच ! मॉसुम तु मछ्युल शुर छुना ! दोदु ह्यडुर !!

गूपी ४ : न्यंदर आस्यस खॅचमुच . माजि हुंजि कोछि मंज़ त्रावि शौंग !

गूपी २ तु ३ : आ आ पकिव गूर गूर करोस।

(तिम कट आउटव पॅत्य ब्रूठय पॅकिथ यिवान तु विंगव मंज़ अनान
अख अज़ कॉल्य मंजुल। चोन खूर्यन प्यठ लकरि मंजुल। मंज़लिस मंज छु ३-
४ वुहर बालु-कृष्ण। यीतिस कालस यि रंग-क्रया रोजि चलुवुन्य तीतिस
कालस वुबरि यि पस मंज़रस मंज !)

ज़नानु कोरस : दीवन हुंदि दीवु प्रानियन हुंदि प्रानु।

च्यथ विर्मश दीप्तिमान बणवानो ||

(गूपियि मंज़लिस गूर गूर करान तु ग्यवुन वोतलान)

मर्द स्वर : मदकॅट मारुवुनि योदुवेश दारवनि।

(जसॅदा मॉज्य नेरान स्व ति मंज़लिस गुर गुर करान)

जसदा : शोद शांत दोद चूरु।

ज़नानु स्वर : गूर गूर करयो !!

जसदा : त्वलसी छावय ही तन नावय।

ज़नानु स्वर : फलिलु मुश्कु कोफूर गूर गूर करयो।

जसदा : ही हरी हर पाफ हर कृष्णास कर।

ज़नानु स्वर : अनुग्रेह पूर पूर गूर गूर करयो।

(जसदा तु गूपियि नचुन करान)

ज़नानु स्वर : गूर गूर करयो! गूर गूर करुयो।

(लय तेज्जान तु जसदा मंज़स रटिथ गूपियन हुंद नचुन मोकलान। गाश
स्वतान तु शायिरस तु कट आवटन (सेटस) प्यठ स्पॉट लायिट गतु ग्यूर
करान। डाबर वायनुच आवाज़ उबरान। पतु रोनि गोसॉन्य सुंजन रोन्यन हुंद
सदा। रौद्र भावुच मौसीकी उबरान। गाश प्यवान खोचमुचन गूपियन प्यठ।

ॐथ्य मंज्ञ शंकर जी सुंज्ञ आवाज्ञ उबरान)।

शंकर : (ज्ञेठ रॉविथ) अ-ल-क्ष !

गूपी १ : हतय वाय ! यि किछु आवाज़ !

गूपी २ : जसदा मातोय ! कृष्ण थवु नी चूरि ।

गूपी ३ : यिनय खोचि ! वोठ कडि ! व्योखुत आलव है गव !!

जनानु स्वर : तले नज्जर दीव ! कुस छु यि अघोर स्वर्फ गोसोन्य !!

(शंकर विंग अँदर अचान तु प्रथ तरफ नज्जर त्रावान तु पनुन त्रिशूल
फिरुवान)

शंकर : अ-ल-क्ष ! अलक्ष !

गूपी १ : रोज़ी रोज़ी पथ बु हय बुछन ! (बुछान)

जनानु स्वर : बोज़ कुस तु क्युथ छु !

(ग्यवनुच मौसीकी बोतलान)

शंकर : अलक्ष ! छिवना बोज्जान ! अलक्ष !!

जनानु स्वर : परिपूरन छु नूर बोरमुतये ।

सूर मोतुय आँगन चाव ।।

जनानु कोरस : सुर मोतुये आँगन चाव २

जनानु स्वर : शाँत निर्मल ब्रोंथ कासुवुनये ।

बासुवुनये सासरव जन ॥

(सॉरिसुय स्टेजस ज्ञन तु बुजमल गाश प्यवान)

गूपी १ : शिव शम्भू अलक्ष बूलमुतये

कोरस : सूर मोतुये आँगन चाव २

जनानु स्वर : नंगु बसमा अंगु मौलमुतये

हटि भुजंग जटि छस गंग

गूपी २ : डेकु चेदरम टिकु जोलमुतये

कोरस : सूर मोतुये आँगन चाव २

(ग्यवुन सोतान, गूपिय खोचान तु विंग अँदर अचान मंजुल ह्यथ ।

(शंकर डाबर वायान तु थदि हटि वनान)

शंकर : अलक्ष अलक्ष !

मर्द स्वर : डाबर वायान वीद परान

शिव चाव नन्दु गोर्युन आँगन ।

(शंकर चकर दिथ बोन स्टेजस यिवान । गाश तस प्यठ प्यवान ।)

नॉल्य रंडु माला अलख बोलवुन

कोरस (मर्द त जनि स्वर) :

आयो सदाशिव गोकुल कुन २

(गूपी ३ यिवान, शिवस वुछान, पतु ग्यवान)

गूपी ३ : हतय जसदौयी नेरी न्यबर ? जूग्यहय छु आमुत छ्यु नख बर ! दिस
मोहरु, थाला नेरि ग्रुकुन ।

कोरस : आयो सदा शिव गोकुल कुन २

(गोडु कर्य लॉगिथ, अथन मंज थाल ह्यथ जसदा नेरान विंगि मंज)

मर्द स्वर : योरु द्रायि जसदा प्रासा ह्यथ

मोहर तु दयारव थाल ह्यथ ।

जसदा : रटू रटू जोग्यो दिमयो ख्योन !!

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

शंकर :(लफुञ्ज लफुञ्ज वनान)

म्यनु मॉज्य गछनम दनु तय द्यार

म्यानि गरि रतनन हुंद्य छि अम्बार

मै गछ्यम कृष्ण बगवान हावुन ?

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

(जसदा खोचान ! थाल पथर थवान । पतु कर्ख दिवान)

जसदा : क्याह ! उँह ! उँह !! न बा न बा ।

(थाल तुलान तु वापस फेरान)

मर्द स्वर : यि बूझिथ जसदायि चुज कर्ख नीरिथ ।

(गूप्ति तस वलनु यिवान)

प्रासुक थाल ह्यथ चायि फीरिथ

ज्ञासदा : नेरु नेरु जोग्यो छुय नु रटुन !

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

(जसदा थाल विंग अंदर त्राविथ यिवान)

जसदा : अति बीज्ञन छुख चु बाशान

च्य वुछिथ यम केंकर छि खोचन

(खोचन कर्ख दिथ) नबा, नबा, हय क्या गोम !! किथु बनि दोदु शुर

खोचुनावुन ।

कोरस : आयो सदाशिव क्रूदस कुन २

(यि बूजिथ शँकर क्रूदस मंज, त्रिशूल नवुनावान स्टेजस चकर दिवान)

शँकर : अ ल - क्ष ! अलक्ष ! अलक्ष ! अलक्ष !!

मर्द स्वर : बूजिथ पॉनस ताम कति रुद

शाँत मनु ओसिथ कति क्रूद

(विंग प्यठु वापस यिथ जसदायि मिखॉलिब । गूप्ति जसदायि सुत्य सुत्य)

मर्द स्वर : वापस फीरिथ कोरनस कनन

आयो सदाशिव गोकुल कुन २

(शँकर लफङ्ग २ वनान) बोजी ? बोज्जी जसदाय नेर तय न्यबर । **(त्रिशूल ह्योर**

तुलान) जूय रपु आसय शिव शँकर !! **(ग्यवान)**

कैलास प्यठु आस करव दर्शन ।

कैलास प्यठु आस करव दर्शन ॥

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

जसदा : रातुक बालुक ज्ञामुत म्योन

वॉदमस वॉरिव्युक तु मालिन्युक क्रोन

सुय दोदु शुर बन्या चेय हावुन ?

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

(शंकर जी पॉनस थरु करान, त्रिशूल सोन अथन मंज़ रटान)

शंकर : मय रोज़ अझौँ न्य वारु थव कन

थोद तुलि बक्तयन गालि राखिसन

चोन बालुक छु पानु नारायण !!

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

शंकर : सतिमि फिरि दोरुनय रामु अवतार

सॉरिसय ज़गतस कोरुन व्यवहार

राज दितुन विभीशानस तु गोल रावुन

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

शंकर : ऑठमि फिरि दोरुनय कृष्ण अवतार

कमसासुरसय करि समहार

दीवकी तु वसुदीव म्वकलावुन ।

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

(जसदा तु गूप्ति छे पानु वान्य मसलहत करान)

मर्द स्वर : यि बूजिथ जसदा पेयि पायस ।

(दवान तु खोनि मंज़ कृष्ण ह्यथ यिवान)

कृष्ण बालुक ह्यथ ओरु द्रायस

(शंकर कृष्णस थलि थलि वुछान ! शु तोरु वुछान)

कोरस : शिव जीयन तु कृष्णान कोरय दर्शन !

(लय तेजान तु गूपि यि तिमन मंज़स रेटिथस नचुन करान)

कोरस : आयो सदाशिव गोकुल कुन २

ज्ञानानु स्वर : मोखु मोखु रङ्गिथ

कोरस : कोरुख दर्शन !

ज्ञानानु स्वर : सनम्वख रङ्गिथ ।

कोरस : कोरुख दर्शन !

सॉरी स्वर : आयो सदा शिव गोकुल कुन, गोकुल कुन ! गोकुल कुन !!

(वारु वारु मर्द : स्वर :)

शिव जीयन तु कृष्णन कोरय दर्शुन !

आयो सदाशिव गोकुल कुन !!

गूपी १ : हतय बाल कृष्णनि दर्म कोर असि ति भोलेनाथ सुंद दर्शुन !

जसदा : अमिस शिव शंकरस कॅरिथ त्वता । वलिव सॉर ।

गूपी २ : वलिवी, पकिवी, पॅरिवी त्वता पॅरिवी सॉरी ।

गूपी ३ : तुलिव मे सुत्य सुत्य !

जनानु स्वर : परमु ब्रह्मो ! परमु शंकरो !

मर्द स्वर : जगदीश्वरो । बोविनय जय !!

जनानु स्वर : हुर हुर हुर गंगा दरो ।

मर्द स्वर : ज़गदीश्वरो बोविनय ज़य !!

मर्द स्वर : परमात्मु नीलु कंठु जटादरो ।

हनि हनि वंदयो पनुनुय पान ॥

जनानु स्वर : हर कास तु सॉरी असि अरसरो

कोरस : जगदीश्वरो बोविनय जय !!

(जसदा तु गूपियि छे कृष्ण जी तु शंकर जीयन पोश लागान)

जसदा : व्यश्नु रुप कृष्ण जी, भस्मा धरो ।

गूपियि : चॉनि व्यपकार चोन दारहोय दयान

कोरस : सतच वथ हाव हे सत् ग्वरो

जसदीश्वरो बोविनय जय

भोविनय जय, बोविनय जय । २

(सारी नचान)



माँज लागुन्य

प्रेम नाथ 'शाद *

माँज छे दुन्यहास मंज स्यठाह ब्रोंठु प्यठय रेशस रंगनु बापथ तु दवा रँग्य इस्तिमाल करनु यिवान आमुच। दुन्ययाहक्यन केंचन हिसन मंज ऑस माँज रुचर तु जाविदॉनी अता करनु वाजेन्य शय माननु यिवान। वैंदीम यूनानस मंज ऑस माँज हुसनुचि दीवी (venus)लागनु यिवान। तु यि आँस लोल, मुहैँब्बत, हुसुन तु पॉकीजगी हुंज अलामत माननु यिवान। यिहूदी तहजीबस मंज छु माँजि यज्ञतुचि नजरि वुछनु यिवान। यूरपकेन केंचन हिस्सन मंज छु माँज लागुन्य जान शोगून माननु यिवान। अरब तु बाकी इसलॉमी मुलकन मंज छि माँज ब्योन ब्योन मकुसदव खॉत्तु कामि यिवान अन्नु। अकि यूरपी हवालु मुताँबिक ऑस माँज जन्तास मंज लबनु यिवान। हज्जरैति आदमन ओस अख माँजि पोश पानस सुत्य जमीनि प्यठ औनमुत। हिन्दोसतानस मंज छु अम्युक वरताव लेदरि तु चंदनस सुत्य सांज चिंगर बापथ पाँछ सास वरी ब्रोंठु प्यठु सपदान।

हिन्दुस्तान्य तहजीबस मंज छु माँजि अख खास मकाम हॉसिल। यिमव कोमव मुखतैलिफ दोरन मंज हिन्दुसतान पनुन गरु तु वतन बनोव तिमव ति रँग्य माँजि रंगस मंजुय पनुन्य आदात तु अतवार। यिहोय वजह छु जि अज्ज ति छे सॉर्यसुय बरि सगीरस मंज माँज सिंगारुक सु अनसर यथ समौंजी पहचान तु व्यकार हॉसिल छु। माँज छे खेरो बरकतुच अलामथ ति मान्नु यिवान। माँज छे सॉर्यसुय हिन्दोस्तानस मंज खाँदर करन वाल्यन लॅडकन तु कोर्यन हुंध्यन अथन तु खोरन लागनु यिवान घ्यासु अमूमन रोतलि लागनु यिवान छे तु अथ राँच छि माँजि राथ वनान।

हैंध्य तु मुसलमान छि सॉरी माँजि हुंद इस्तिमाल करान। वैंशीरि मंज छि अँहलि तशया लूख नव रोज तु ईदि गैंदीर कि द्वृहु माँज लागान। माँजि राथ छे हैंध्यन तु मुसलमानन मंज खाँदरुच अख अहम रसुम माननु यिवान।

कैह कॉशिर्य मुसलमान छि माँज जान शोगून मॉनिथ अजमीरु प्यठु अनान या कुनि सातु अरबु प्यठु ति अनान या अनुनावान। वैंशीरि मंज छे माँजि राथ ग्यवनुच गिंदुनच तु कुनि हदस ताम जज्बाँती ओसूदगी हुंज राथ आसान। कॉश्रयव बटन मंज छु महरेनि तु महराज्जस माँज लागानुव अख खास फॉयद। मास छे महरेनि या महराज्जस खोर

ਛਲਾਨ ਤੁ ਪਤੁ ਛੇ ਪਵਫ ਮਾੱਜ ਲਾਗਾਨ ਤੱਮਿਸ ਛੁ ਕੋਰਿ ਹੁੰਦਿਸ ਮਾਲਿਸ ਮਾਜਿ ਹੁੰਦਿ ਤਰਫੁ ਤੋਮਲੁ
ਥਾਲ ਧਥ ਪਧਰ ਨੂਨ ਲਿਫਾਫੁ, ਝੂਨ੍ਧ, ਵੱਰ ਤੁ ਕੈਂਹ ਨਕਦੀ ਰਕਮ ਥਵਨੁ ਧਿਵਾਨ ਛੁ ਬਤੋਰਿ ਸ਼ੋਗੂਨ
ਦਿਨੁ ਧਿਵਾਨ। ਪਵਫ ਛੇ ਸਾਰੁਧਨੁਧ ਮੇਹਮਾਨਨ ਮੱਜ ਮਾੱਜ ਬੱਗਰਾਨ ਤੁ ਤਿਮ ਛਿ ਅੱਮਿਸ ਸ਼ੋਗੂਨ ਰੱਧ
ਕੈਂਹ ਨਕਦੀ ਦਿਵਾਨ। ਜਨਾਨੁ ਤੁ ਨਚਿਸਿ ਕੋਰਿ ਛੇ ਸ਼ੋਕੁ ਸਾਨ ਅਥਨ ਤੁ ਖੋਰਨ ਮਾੱਜ ਲਾਗਾਨ।

ਦਪਾਨ ਛਿਨਾ ਬਦਲਾਵ ਛੁ ਕੋਨ੍ਹੂਨਿ ਕਵਦਰਤ। ਜਸਾਨੁ ਬਦਲਨਸ ਸੁਤਧ ਸੁਤਧ ਛਿ
ਖਾਂਦਰਨ ਖੁੰਦਰਨ ਮੁਤਲਕ ਰਸਮੁ ਰਿਵਾਜਨ ਮੱਜ ਤਿ ਕਾਂਫੀ ਹਦਸ ਤਾਮ ਤਬਦੀਲੀ ਨਾਗੁਜ਼ੀਰ। ਅਜ਼
ਕਾਲਸ ਮੱਜ ਛਨੁ ਮਾਹਰੋਨੇ ਗਰਸ ਮੱਜ ਬੱਲਕਿ ਬਧੂਟੀ ਪਾਲਰਸ ਨਿਸ਼ਿ ਗੱਛਿਤ ਅਥਨ ਖੋਰਨ
ਮਾੱਜਿ ਸੁਤਧ ਨਕਸ਼ ਨਿਗੱਰੀ ਤੁ ਗੁਲਕਾੱਰੀ ਖੁਬਸੂਰਤ ਪੱਤ੍ਰਧ ਮਰਨਾਵਨੁ ਧਿਵਾਨ। ਬਾਝਰਸ ਮੱਜ ਛੇ
ਮਾੱਜ ਬੱਦ ਲਿਫਾਫਵ ਅਲਾਵੁ ਲੇਪ (paste) ਕਿਸ ਸੂਰਤਸ ਮੱਜ ਦਸਤਧਾਬ। ਰਸਮੁ ਰਿਵਾਜਨ ਮੱਜ
ਨੁਮਾਧਾਨ ਤਬਦੀਲੀ ਬਾਵਜੂਦ ਛੁ ਮਾੱਜਿ ਹੁੰਦ ਰਿਵਾਜ ਜੋਰੁ ਸ਼ੋਰੁ ਸਾਨ ਆਮ ਤੁ ਧਿ ਰੋਜ਼ਿ ਹਮੇਂਧਿ
ਕਾਂਧਿਮ ਤੁ ਦੱਧਿਮ।

ਅਕਸਰ ਸ਼ਾਂਧਰਵ ਤੁ ਅੱਦੀਬਵ ਛੁ ਪਨਨਧਨ ਤਹਹੀਰਨ ਮੱਜ ਮਾੱਜਿ ਹੁੰਦ ਜਿਕਿਰ
ਖੁਬਸੂਰਤ ਲਫ਼ਜ਼ਨ ਮੱਜ ਕੋਰਸੁਤ।

ਮਾੱਜੇ ਮਾੱਜੇ ਮਾੱਜਿ ਫੋਲੇ ਟੂਰੀ

ਮਾੱਜ ਆਧਿ ਸਵਰਗੁ ਪੂਰੀਧੇ

ਧਾ

ਟੂਟ ਕੇ ਜਾਲ ਸੇ ਹਾਥੂ ਮੌਂ ਬਿਖਰ ਜਾਤੀ ਹੈ
ਧਹ ਤੋ ਮਹੱਦੀ ਹੈ ਮਹੱਦੀ ਤੋ ਰਾਂਗ ਲਾਤੀ ਹੈ।

ਅੱਪੀਲ

ਅੱਸਧ ਛਿ ਅੱਦੀਬਨ ਗੁਜ਼ਾਰਿਸ਼ ਕਰਾਨ ਜਿ ਤਿਮ ਸ੍ਰੂਜਿਨ ਪਨੁਨਧ ਤਾਜ਼ੁ ਛੋਟਚ
ਲੇਖ, ਅਫਸਾਨੁ, ਸ਼ਾਂਧਰੀ, ਤਬਸਰੁ, ਅਦਬੀ ਖਬਰ ਬੇਤਰਿ ਵਾਖਸ ਮੱਜ ਛਾਪਨੁ
ਖੱਤਰੁ।

ਵਾਖ ਪੱਖਿਵ ਤੁ ਪੁਨਾਂਬ੍ਯੂਖ ਬਾਕੀ। ਪਰਨ ਵੱਲਵ ਸ੍ਰੂਜਿਨ ਪਨੁਨਧ ਰਾਧ ਤੁ ਸੁਯਾਵ।

ਵਾਖੁ ਗੋਛ ਗਰੁ ਗਰੁ ਵਾਤਨੁ! ਵਾਖੁ ਖੱਤਰੁ ਸ੍ਰੂਜਿਵ ਤੁ ਸੋਜਨਾਂਵਿਵ ਚੰਦੁ।
ਵਾਖ-ਪਰਿਵਾਰਸ ਦਿਧਿਵ ਵੁਸਜਾਰ। ਧਿ ਛੁ ਤੁਹੁੰਦ ਪਨੁਨ ਮੈਗਜ਼ੀਨ।



ਈਦ

ਰੂਪ ਕ੃ਣਾ ਭਟ

ਈਦ ਛੁ ਮੁਸਲਮਾਨਨ ਹੁਂਦ ਅਖ ਅੱਹਮ ਤੁ ਅਜੀਮ ਮਜ਼ਹਬੀ ਬੋਡ ਦੋਹ। ਈਦ ਛੇ ਲਗ-ਬਗ ਸੌਰਧਸ੍ਯ ਦੁਨਿਆਹਸ ਮੰਜ਼ ਬਡੁ ਜੋਸ਼ਿ ਖਰੋਸ਼ਿ ਸਾਨ ਮਨਾਵਨੁ ਧਿਵਾਨ। ਈਦ ਮਨਾਵਨੁਕ ਮਕਸਦ ਛੁ ਕੁਨੁਧ ਮਗਰ ਮਨਾਵਨੁਕਧ ਤੌਰ ਤਰੀਕੁ ਛਿ ਅਲਗ-ਅਲਗ ਜਾਧਨ ਹਨਾ ਮੁਖਤਲਿਫ। ਕੱਥੀਰਿ ਮੰਜ਼ ਯੋਤਿ ਜਨ ਵਾਰਧਾਹ ਤਿਵਹਾਰ ਤੁ ਬੱਡਧ ਦੋਹ ਮਨਾਵਨੁ ਛਿ ਧਿਵਾਨੁ ਛੇ ਈਜ਼ ਅਖ ਖਾਸ ਅਹਮਿਤ ਹੋਂਸਿਲ।

ਈਜ਼ ਛੇ ਜੁ ਆਸਾਨ। ਈਦ-ਉਲ-ਫਿਤਰ ਤੁ ਈਦ-ਉਲ-ਜੁਹਾ। ਕੱਸ਼ਿਰਧ ਛਿ ਈਦ-ਉਲ-ਫਿਤਰ ਲਵਕੁਟ ਈਦ ਵਨਾਨ ਤੁ ਈਦ-ਉਲ-ਜੁਹਾ ਬੱਡ ਈਦ ਵਨਾਨ। ਈਦ-ਉਲ-ਫਿਤਰ ਧਾਨੇ ਲਵਕਟ ਈਦ ਛੇ ਮਾਹਿ ਰਮਯਾਨ ਧਾਨੇ ਰੋਜ਼ਦੌਰੀ ਖਤਮ ਘਛਨੁ ਪਤੁ ਮਨਾਵਨੁ ਧਿਵਾਨ ਤੁ ਈਦ-ਉਲ-ਜੁਹਾ ਧਾਨੇ ਬੱਡ ਈਦ ਛੇ ਅਮਿ ਪਤੁ ਦ੍ਰਵਿ ਰੇਤਧ ਤੁ ਵਹਿ ਦੋਹਾ ਮਨਾਵਨੁ ਧਿਵਾਨ। ਲਵਕਚਿ ਈਦ ਪਤੁ ਛਿ ਮੁਸਲਮਾਨ ਹਵਜ ਕਰਨੁ ਖਾਤੁਰ ਰਵਾਨੁ ਸਪਦਾਨ ਤੁ ਬਜਿ ਈਦ ਤਾਮ ਛੁ ਹਵਜ ਸੁਕਮਲ ਕਰਨੁ ਧਿਵਾਨ।

ਧੋਤਾਮ ਜਨ ਈਦ ਮਨਾਵਨੁਕ ਤੌਲੁਕ ਛੁ ਦ੍ਰਵਿ ਰੇਤਧ ਈਜ਼ ਛੇ ਬਡੁ ਦੁਮ-ਦਾਸੁ ਸਾਨ ਮਨਾਵਨੁ ਧਿਵਾਨ। ਈਦ ਛੇ ਲੂਕਨ ਹੁਂਦਿ ਖੋਤਰ ਅਖ ਖੋਸੀ ਹੁੰਦ ਪੱਗਾਮ ਵਾਥ ਧਿਵਾਨ। ਕੇਂਹ ਦ੍ਰਵ ਬ੍ਰੋਹ ਪਿਠਧ ਛਿ ਲੂਖ ਖਵਾਸ ਆਸਾਨ ਤੁ ਈਜ਼ ਹੱਜ਼ ਤਾਂਧੀ ਸ਼ੋਰੂ ਕਰਾਨ। ਲੂਖ ਛਿ ਨੱਵਧ-ਨੱਵਧ ਪਵਸਾਖ ਮੱਲਧ ਵਾਵਾਨ। ਪਨੁਨਧ ਗਰੁ ਕਧੀ ਔਦ ਪੋਖ ਸਾਫ ਕਰਾਨ। ਧਾਰਨ, ਦੋਸਤਨ, ਹਮਸਾਧਨ ਕਧੀ ਰਿਸਤੁਦਾਰਨ ਕਿਥਧ ਤਾਂਫ ਤੁ ਮਿਠਾਧ ਮੱਲਧ ਵਾਵਾਨ। ਚੱਪੱਤਧ ਛਿ ਨੱਵਧ-ਨੱਵਧ ਬਾਜ਼ਰ ਸਜਾਨ, ਬਾਜ਼ਰਸ ਛੇ ਰੋਨਕ ਕਧੀ ਸਜਾਵਟ ਕਰਨੁ ਧਿਵਾਨ। ਸ਼ੁਰਧ ਕਧੀ ਬੱਡਧ ਸੌਰੀ ਛਿ ਈਜ਼ ਹੁੰਦਿ ਈਸਤਧਕਬਾਲ ਖੋਤਰ ਬੇਕਰੋਰੀ ਸਾਨ ਇੱਤਿਜਾਰ ਕਰਾਨ। ਜਨਾਨੁ ਛੇ ਵਾਰਧਾਹ ਦ੍ਰਵ ਬ੍ਰੋਹ ਪਿਠਧ ਈਦ ਬੱਥ ਗਧਵਾਨ ਤੁ ਰੋਫ ਕਰਾਨ ਆਸਾਨ।

“ਈਦ ਆਧਿ ਰਸੁ- ਰਸੁ, ਈਦਹਾਗ ਵਸੁਵੱਧ”

ਧਿ ਬੱਥ ਛੁ ਚੱਪੱਤਧ ਗ੍ਰਜਾਨ ਆਸਾਨ। ਈਜ਼ ਦ੍ਰਵ ਛਿ ਲੂਖ ਦੁਹਕਿ ਸੁਕਾਬਲੁ ਸੁਲਿ ਵਥਾਨ। ਅਥੁ - ਬੁਥ ਛੱਲਿਥ ਤੁ ਚਾਧ - ਵਾਧ ਚੋਥ ਛਿ ਮਦ ਨਿਮਾਜ਼ ਪਰਨੁ ਖੋਤਰੁ ਈਦਗਾਹ ਗਢਾਨ। ਵਾਰਧਾਹ ਜਾਧਨ ਪਿਠਧ ਤੁ ਅਕਧਸੁਧ ਜਾਧਿ ਸੱਮਿਥ ਈਦਗਾਹਸ ਧਾ ਕੁਨਿ ਬਜਿ ਮੱਥੀਦਿ ਮੰਜ਼ ਧਿਕਵਟੁ ਨਿਮਾਜ਼ ਪਰਾਨ। ਜਨਾਨੁ ਛੇ ਗਰਨ ਮੰਜ਼ ਖਵਨੁ ਚਨੁਕਧ ਚੀਜ਼ ਤਧਾਰ ਕਰਾਨ। ਸ਼ੁਰਧ ਛਿ ਬਾਜ਼ਰ ਸਜਾਵਾਨ ਤੁ ਮੁਖਤਲਿਫ ਖੇਲਨ ਹੁਂਦ ਇੱਤਿਜਾਮ ਕਰਾਨ। ਨਿਮਾਜ਼

परनु पतु छि लूख अख अकिस मुबारख बाद दिवान तु नालु मति रटान। दोयम्यन फिरकन हुंद्य लूख ति छि मुसलमान बायन मुबारख बाद दिवान तु तोफु पेश करान। मुसलमान छि पनन्यन बटु बायन साल तु सबु करान। च्वपॉरय छु शोशी हुंद माहोल आसान।

शुरेन हुंदि खॉतरु छे ईद अख खास खोशी हुंद द्रुह आसान। शिम छिनु कुनि व्यचान। तिमन छुनु कुनि कुसमुक रोट बासान। शुरेन छु बडेन निशि ईदयानु याने ईज खर्च मेलान। तिम छि अमि दोहु बे वायि पॉठय खॉरुच करान। ज्ञानानन हुंदि खॉतरु ति छे न ईद केंह कम दिलचस्प आसान। तिमु छे दोहु दिशिचव गरु काम्यव निशि ज्यादय पहन आवरि आसान। तिमु छे शीरिथ तु पृथिव नेरान। पानु वॉन्च्य हिकचि करान, रोफ करान तु गिन्दान।

ईज दोहु छि अमीर लूख गरीबन सँदकु याने अकि वॉस्मुक मदद दिवान, ताकि तिम ति मनावन जान पॉठय ईद। ईद लफज छु वन्य् आम बोल चालि मंज़ चामुत। येमि द्रुह काँसि जान ख्यन-चैन मेलि या जान पलव प्वशाक लॉगिथ आसि, सु छु वनान ‘अज्ज छे मै ईद’। येलि काँसि यड़ बॉरिथ ख्यन-चैन मेलि, लूख छि वनान ‘तस छे अज्ज ईद’। अति छु ननान जिं ईज छु खेनस चेनस तु आम खोशी सृत्य वाठ। अख मशहूर फारसी महावरु छु जि, “ईद रोज़ नेस्त कि हलवा मे ख्वोरम”। याने ईद छे नु दोहय आसान जिं हॉलवु ख्यमव।

ललु वाख

मनु-मनु गॉयस बो तस कुनुय,

बूजुम सतुच घंटा वज्ञान।

तथ जायि धारणायि धारण रेटुम,

आकाश तु प्रकाश कोरुम सरु॥



मूती लाल साकी

रूपकृष्ण भट

कॉशिरि जबाँन्य हुंद माया नाज अदीब, शॉयिर नकाद मोहकिक, तरजुकार तु अख मैँछयुल इनसान मूती लाल राजदान "साकी" ज्ञाव सिरीनगरु प्यठु लगबग वुह किलोमीटर दूर अँकिस ल्वकटिस गामस माहनूरिस मंज जुलाई 1936 मंज। यि गाम छु चोडरिस नॅज्यटीख, बडगाँम्य ज़िलस मंज तु चारि शरीफ वति प्यठ वाका। साकी छु पनुनिस ल्वकचारस मुतलक पनुनि स्वानीह "शिहिज वथ" किताबि मंज वनान, "म्यानि माजि प्यव सोरुय स्वन, गॅहनु तु पश्मीनु पलव कुनुन योत ताम मे मेट्रिक पास कोर। मोल ओसुस ल्वकटिसुय स्वर्गवास गोमुत तु असुंद सोरुय बार ओस माजि प्यठुय। गरीबी हुंद हाल ओस यूत ज़ि नॅव्यमि दैहमि जमाँच मंज ऑस्य अलु पलु अरदाह मील पयदल कडुन्य पैवान।" मज्जीद छु लेखान ज़ि जवाँनी सोरनस ताम वुछ मे बेपनाह गरीबी तु नोकरी मेलनस ताम ओसुस नु पय ज़ि लोम्य त्रेश क्या गॅयि।" ल्वकचारु प्यठु जवाँनी ताम छु तॅम्य जिंदगी हुंद प्रथ कांह चुयुह कशमकशस मंज गुज्जोरमुत।

साकयस ओस पनुनिस आबॉयी गामस सुत्य बेपनाह मोहबत। तस ऑस गॉमी जिंदगी कॉफी प्रेयिवन्य तु ख्वश यिवन्य बासान। तस ओस गॉमी बाशांदु आसनस प्यठ फखुर। अतिक्य विरिवार, दांखाह, बोनि शहजार, क्वलु तु मरगु, सबज्जार तु कोहसार अख अँक्यसुंदि खोतु प्रेयिवन्य तु मॉर्यमॅदय। तस ओस पनुन्यन हख हमसायन सुत्य कॉफी वथुन बिहुन तु लगाव। मुसलमान तु बटु ऑसिस द्वन चेशमन हुंद गाश बासान। तवय ऑसिस सॉरी बटु क्यो मुसलमान अलनु वलनु यिवान। साकयन छु पनुनि सवानिह मंज वारयाहन हख हमसायन हुंद नाव फखुर सान वैछुनोवमुत। तस ओस कॉशुर आसनस प्यठ ति वारयाह फखुर। वॅशीरि बापथ तसुंद लोल छु साकयिनि शॉयरी मंज अयान तु व्योद। "नीर्य नगमु" किताब छे अमिच गवाह तु मिसाल। साकयस ओस डयेकु फवलवुन तु वुठन पैठ ओसुस हमेशि असुन फवलान। ठह ठह करान ओस आसान तु बडि बडि ओस कथु करान।

साकी रुद वैश्शीरि हुंजि तरकी अलमी, अदबी, समाँजी तु सकाफती तँहरीकी मंज़ अँहम किरदार अदा करान। सु ओस कश्मीर कलचरल आरगनयज़ेश चन सरगरमियन मंज़ स्यठा सरगरुम। साकयस छु माजि अलावु पनुनि बेनि यस सु बेनिगाँश वनान ओस तु ख्स ल्वकरय गुजरेमुच छे सुत्य ति काँफी लगाव रुदमुत।

साक्यन करि अयाल पालनु बापथ ल्वकयि म्वकयि नोकरी गरा ग्राम सेवक तु गरा बैयि कैह, ऑखर वोत रेडियो कश्मीरस मंज़ येति सु बहँसयति सीनयर एडिटर मंज़ रिटायर गव।

21मई1999 मंज़ गव मूती लाल साकी दिलि मंज़ पनुनिस नेचिविस विजय साकयिनिस गरस मंज़ यथ फनाँयी दुनियाहस लथ दिथ। साकी छु पनुन्य सवानिह मरनु सुती शोरू करान। सु छु वनान, “मैरिथ गछु बु बोनि तल जालुन तु म्योन सूर गछि बोनि मूलन ख्योन दयुन जिंदगी मंज़ दयुत मे द्वयव चीज़व सहारु अख माजि तु बैयि बोनि। अवय छुस माजि तु बोनि हिशी कदर करान।”

अफसूस साकयिन यि खाँहिश गैयि नु पूरु। मगर भगवानस ओस बदलुय मनज्जूर, 1990 मंज़ घ्येव साकयस ति बाकुय बटन सुत्य चलुन तु थख कोडुन उदमपोरु। मई रेतस मंज़ गरमु चंजन मंज़ ओस तस प्राण त्रावुन्य तकदीरस

लीखिथ येति बून्य तु बोनि शेहजार सिर्फ बटन काँशरायन हुंदयन खाबन तु ख्यालन मंजुय ओत ओस।

साकी बहसियति कलमकार :

अदीब शॉयिर, नसर निगार, नकाद, मोहकिक, तरज्जुमकार, ओपेरा लेखन वोल, अंदाजु लगाँविव यिम साँरी सिफत तु खताब यस इनसानस सुत्य लॉगिथ आसन सु कोताह बोड सोंचन समजन वोल तु घ्वनवान नफर गछि आसुन। आ पज्जर छु यिय जि मूती लाल साकी ओस स्यठा पायि बोड इनसान तु अदीब। अँम्य छु अदबुक्यन सारिनुय सिनफन प्यठ पनुन कलम आजसोवमुत। साकी ओस वैश्शीरि हुंदि हुसनुक कदरदान तु अतिक्यन रेशन तु सूफयन, संतन क्यो घ्वनवानन हुंद पज्जॉर्य पनुनि तखलीकी सफरुच दासतान बावान बावान छु साकी जज्जबॉत्य गछान। सु छु लेखान “बु आसुहौ चूरमि जमाँच हयुव परान येलि मे गुंगरावुन हयोत। अमि पतु येलि मे दैहिम जमाथ पास वैर बु रुदुस बैकरार तु ओसुस देहय दोहस मालु करान। मे शॉयिर बनावनस मंज़ छु म्यानि माजि तु बैनि हुंद खास अथु। दोयमि ओसुस परान जि तमि अनुनोवनस कलामि मँहजूर

न.6। स्व ऑस परान तु चायि चाप" (शिहिज वथ)।

साकी सॉबनि त्रो ल्वकचि ल्वकचि किताबु छपेयि अरिजसॉबस तु वासदेवस सुत्य यिमन नॉद्यमन तु रॉहियन ग्वडु कथ ऑस लीछमुच। तसुंज बाज्ञांबतु ग्वडनिच शारु सॉबरन ऑस "मोदुरय खाब" तु तमि पतु "मनसर" तु "नीरय नगमु"। दपान चाटुहालस मंज ओस ज़ूहामि स्कूलस मंज तस नामवर शॉयिर तु नकाद अबदुल अहद आजाद ति माशटर रुदमुत। आजादुन असर छु साकी सुंदिस सॉंचस प्यठ गोन। सुति छु आजादनी पॉट्य इनसानस सिर्फ इनसान मानान नैं कि बटु या मुसलमान।

साक्यस ओस कोशुर आसनस प्यठ फखुर तु खासकर पनुनिस पोत कालस प्यठ। वनान छु "वॅशीर करया ज्ञाँह दुबार अभिनोगुप्त, कलहन, शेख याकूब सरफी तु मला मोहसिन फानियस हिव्य नावदार शखुस पॉदु। सयाँसी मॉदानस मंज ओस तसुंद वनुन ज़ि ललता दित्य, अवनती वॅरमन, शहाबुदीन तु बुदुशाहस पतु छु शेख मोहमस औबदुलाह वॉहिद शखुस येम्य कॉशरिस तवारीखस अख नोव मोड दयुत।

साकी सॉबन छे चतजीह ज्याद किताबु तॅहरीर करिमचु। अँहजि "मनसर" नाव शॉयरी किताबि आव साहित्य अकादमी अवार्ड दिनु तु अँलमी तु अदबी खॅदमातन बापथ आस पदम श्री एवाड दिनु। बकोलि प्रोफ. रतन लाल शांत "साक्यस ओस कॉशरि ज़बॉन्च्य तु अदबस सुत्य देवानुवार मोहबत। साकी सुंद यादाश ओस मिसॉली। साकी सुंजि ख्वद एतमॉदी मंज ओस तसुंद यादु वोतरयुक अँहम रोल आसान"। मै छु पानस ति अमि कथि हुंद ज्ञाँती तजरुब। तस युस ति कांह सवालु अदबस मुतलक प्रछुहाव सु ओस फोरन जवाब दिवान तु मिसालव तु दॅलीलव सुत्य तमिच जवॉज्यथ बयान करान। बु ओसुस तस "चलता फिरता एनसयक्लो पीडयि" वनान। येलि अँस्य नमतुकिस दॅहलिस मंज पनुनिस बुडयबब वेष्णु राज्ञदान निस कलामस यकजाह वॅरिथ किताबि शकुल दिन्यु ऑस्य यछान मै कोर तस निश ज़िकिर तिमव वनि तस मुतलक वारयह कथु पतु येलि तिम अकि दवह अकिस सेमिनारस मंज मै निश पटियाला आणि मै त्रोव सुमसवदु यिमन ब्रॉंठकुन तिम गॅयि स्प्यठा ख्वश तु दोपुख बु लेखु अथ प्यठ कैह। मै त्रोव यि मसवदु यिमन निश ग्यसट हावसस प्यठ। सुबहन येलि बु यिमन निश गोस यिमव पिलुनोव सु मसबदु मै। अथ ऑस यिमव नफीस ग्वडु कथ लीछमुच। अति बास्योव पज्जी ऑस यिमन राजदान सॉबुन्य वारयह जानकॉरी।

साकी सुंजव अँहम तखलीकव मंजु छि “कुल्याति शेखुल आलम, कॉशुर एनसयकलो पीडिया, कलामि परमानं, जिलद 1 तु2, कॉशिरय लुकु बॉथ द्विलद, आगर नेब, मन सर, नीर्य नगमु, शिहिज वथ कॉशिर सूफी शॉयरी जिलद 1-2 कुल्याति समद मीर, वगाँर शॉमिल।

साक्यन छि वारयाह ओपेरा ति लीख्यमित यिमन मंज परी मैहल स्यठा मशहूर छु। अकादमी हुंजि नोकरी दोरान वॅर यिमव कॉशिरि अदबुतु ज़बॉन्य बापथ वारयाह कॉम तु वारयाहन बड्यन प्रोजक्टन सुत्य रुद्य मनसूब। यिमव कोर वारयाह तरजमु ति। यिहुंदिस तरजमु अदबस मंज छि राबिंदर नाथ टैगोर सुंद “डाकगरु” जान कीटस सुंजन चिद्यन हुंद तरजमु तु कलहन सुंजि “राज तरंगनी” हुंद तरजमु शॉमिल।

साक्यन वॅर कॉशरिस फोकलोरस प्यठ वारयाह कॉम। बकोलि गुलाम नबी आतश मॉहिरि फोकलोर क्यो मशहूर तु मोरुफ अदीब, “मूती लाल साकी छु गवडन्युक चुक्यदर कॉशुर येम्य कॉशिरि फोकलोरचन मुख्तलिफ वनुत्य ज़ॉचन हुंद्य राद तु होंज चीन्य तु मीन्य। अथ सरमायस तह तु त्रेहु दिनु बापथ होल गोंड। फोक लोर ओस साकी सुंद वुरुन व्यथरुन। तँम्य कोर फिर्य फिर्य अथ सरमायस लरि ल्वह।

ज़िंदगी हुंद्यन ऑखरी बॅर्यन मंज ओस खानु बदोशी हुंद रावन त्योल तस रुमस रुमस तेलान। दपान ओस सेरु वावु खोतु छु डेरु वाव स्यठा क्रूठ। साकीसुंजि सवानि उमरी मंज छु यि टाकारु पॉर्य अयान ज़ि तस ओस कॅशीरि निशि दूरयर जिगरस सन्योमुत सु छु वनान:

सूर म्वठ सपदिथ ति वेथि मंज बॉव्यज्यम

बे वतन मरनुक्य दिनम यिनु तानु लूख

सु सूर वोताह वेथि ति हयकव नु वॅनिथ मगर अख कथ छे टाकारु ज़ि तॅमिस लोलु मॅत्सि तु प्रकृच हुंदिस पुजाँर्य साकी सुंद रुह आसि वॅशीरि मंज आरन तु मरगन, बागन तु कोहन मंज हिकचि करान।

साक्यिनि कलामुक्य कॅह नमूनः

१. बहारुक वख तु बोयि गोछ जाम आसुन
च्यदाहिमि ज़ूनि हुंद गोछ शाम आसुन
- शबाबुक्य नगमु गॅछ्य आसुन्य नटयन प्यठ
मै गोछ बोयि ब्रोंठकनि गुलफाम आसुन

२. गनीमथ शामि गम रोज्या नॅ रोज्या ।
तैमिस जुलफन सु खम रोज्या नॅ रोज्या ।
चैयिव वुन्यक्यन छु जाँहिद बांबरयोमुत
खबर छा सुबुह दम रोज्या नॅ रोज्या
३. चै आसी पय छि किथ्य आसान स्वखुक्य द्वह
गमय गम आम बुथि थोवहम वैरिथ त्वह
वथय जांह लेंज नु सोंतस सानि आंगुन्य
नॅ फैटुय बामन नॅ जाँह सोर्योव कृहुन प्वह
४. यिनु सॉ लॉग्यहूम पज्जरुच हाढ़ ।
यथ समयस आव अपजुय रास
५. छि असुवुन्य तु गिंदुवुन्य यि सॉन्य पोशि वॉर
म्वलुल म्वखतु डल अथ व्वगुन्य रोज्जि कॉर
समुत सोन करि दुशमनस लारु लार
हिमालुक्य गबर राँछदर बेशुमार
६. अच्यथ सपदुन छु प्रावुन परमु आनंद
अकालस लीन सपदुन शाह करुन बंद
न्यराकारस छु आकार्य करान छाय
छु मुश्किल नाशि रोस प्रागाश निसपंद
७. सयासत कार बन स्त्रवगि स्त्रोग छु बापार
. जर्सरत छे नॅ खरचावुन्य चंदुच हार
वुछख येति युथ ततयन त्युथ पॉथरा लाग
अँती गेन्य लद अँती कर तोतु गुफतार
८. बु छुस कॉफिर करान छुस बुत परस्ती
अँछन तल छुम सनम रोज्या नॅ रोज्या ।

९. सँजुदु कस कस करख तु थावख हयेस
प्रथ जमानस ख्वदाय बदलान वुछ ।
१०. म्यानि कवचि मंज नफरतस छनु जाय कांह
बदखाहन छनु रेथ्य गरस मंज पाय कांह
११. यवहय आदम अरस्तो आदि शंकर
यवहय आदम मोहमद हयुव पयमबर
यवहय आदम छु चीरान आदमस हयुर
यवहय हिटलर यवहय चंगेज़ सीज़र

ललु वाख

तेम्बुर पेयस कव नो चॉजिन,
मस-रस कवु अह नॉजिन गव,
शान्त्यन हँज़ क्रय तोलु म्बलु वॉजिन,
अँदुर्य गाह येलि न्यबर प्योस ॥

ललु वाख

बबरि लंगस मुशुक नो मोरे,
हूनि बस्ति कोफूर नेरि न जांह ।
मनु योद गारुहन फेरिय जेरे,
न तु शालुदुंगे नेरिय क्याह ॥



आँनख

रतन लाल शान्त

बस युथुय सिरीनगर शहरस चायि, सु ह्योतुन बेकरार गछुन, सु छु गरा दैछिन्य तय गरा खोवर्य दार्यव किन्य वुछान। खबर क्याहताम छांडान, परजनावनयच कूशिश करान, खबर क्याहताम लबनु खॉतरहि पनयनि ज लर्यव बाज्राव दुकानव तस वति पकविन्यव लूकव पैठय तेज़-तेज फिरनावान। अॅमिस दैछिन्य खोवर्य सवारि आसु बजॉहिर अॅम्य सुंद यि मचर वुछिथ केंछाह हॉरान तु केंछाह तंग आमच मगर तिमव आसिहे यिति च्यूनमुत जि नफर छु या तु वारियुह कॉल्य या ग्वडनिचि लटि वॅशीरि आमुत। तिमु आसहॉन दपान मु वॅर्यूस कैह, पननिस कॉसि आसि वॅन्य दिवान। तिमव आसिहे यिति वुछमुत जोमि प्यठु योत ताम ओस यि दोह्य द्वहस छवपु वैरिथ तु बैहरकथ बिहिथ। न वॅरन कॉसि सृत्य कथय न वोथ सीटि प्यठु ब्वनय जांह। कॉसी वौनुस न कैह।

अॅती दिच़ तॅम्य बडि हटि ड्रायवरस क्रख - रुकाव सॉ वस्ता, मै त्राव सॉ येती।

सु गव यखदम बसि प्यठु ब्वन वैसिथ तु गव अॅकिस पी-सी-ओ दुकानस खैसिथ। पांचन दैहन मिनटन वॅरन फोन करनच कूशिश, मगर नम्बर ओसुस नु रलान। किनु रलान ओसुस ति सुय ओस चाटान? अख कथति वॅरन नु।

तॅमिस गॅयि कनन आवाज़ मैटाडोरक (सिटी बसि हुंद) कंडक्टर ओस हख दिवान रयन्यवोर, रयन्यवोर...

ब्वन्य गव सु हुशार ह्यू। सु ह्योतुन दुकान प्यठु ब्वन वसुन। दुकानदारन होवुस फोनकिस मीटरस कुन इशारय। तॅम्य कजि रवपयि चतजी कौटरस प्यठु त्रॉविथ गव ब्वन वैसिथ तु स्योदुय गव रयन्यवॉर्य मैटाडोरस खैसिथ।

मैटाडोरस मंज ति ह्योक नु सु कचि बिहिथ। बैयि छु तिथय वैन्य सीटय प्यठु वैथ्य वैथ्य गछान तु दैछिन्य खोवर्य दार्यव किन्य वुछान। ओवरलोड खडा सवार्यव मॅज्य कलु वैडय वैडय ति सीटन प्यठु बिहिथ सवार्यन प्यठु नोम्य नोम्य। शायद ऑस मैटाडोरस मंज न कॉसि फुर्सथ न ओस कॉसि परवाय जि यि नीम बुज्जर्ग क्याह वति वति शुर्यन हुंद्य पॉठय वौथ्य वौथ्य गछान।

अॅती दिचन ऑद्यकी पॉठय ड्रैवरस बडि क्रख वस्ता, लोतय पहान। मै त्राव सॉ येती।

यिथु वॅन्न्य बडि क्रख बूजिथ दिच्च ड्रयवरन यखदम ब्रेक। सु वोथ थोद तु गव सवार्यव मैंज्य ब्वन वॅसिथ। सु खॉली बैग त्राव्योन गाडि हुंजि बीरि बीरि मंजय, युस गरि नेरनि विज्ञि द्वहय फेकिस अलोंद त्रावान ओस। पॅत्य किन्य लॉयिस वॅम्य ताम क्रख ति बैग द्युतनस दॉरिथ, युस तम्य द्वशिवन्य नर्यन प्यठ रोट।

सु चाव अँकिस कोचस तु छु पकान।

सु छु पकान, रुकान तु कुनि मकानस ब्रॉह कनि खडा गछान।

सु छु कुनि दुकानस खसान, दुकानदारस थलि थलि वुछान। दुकानदार येलि इशारस मंज प्रछान छुस क्याह गष्ठी, सु छु मोयूस ह्यू गॉछिथ वानु प्यठु ब्वन वसान कदम दिवान।

सु छु तिमन तंग कोचन ति अचान यिमन अमि विजि खालय कांह पकान आसान छु।

सु छु तिमन बाज्जरन मंज खडा गछान येति व्वसु द्रव्यु तु बीरु छे तु दकु सुत्य छु सु गरा दॅछिन्य ति गरा खोवर्य लायिनु यिवान।

अँती गयि तॅमिस कनन फोनच रिंग। सु गव अँकिस नज्जदीकी पी-सी-ओहस खॅसिथ। टेबलु प्यठु तुलुन अख रसीवर तु लोगुन कनस। वानुवॉल्य होवुस इशारु सुत्य चंदस कुन जि रिंग छय मोबाइलस गछान। हॉर्नी मंज फॉलेयि हिशि तॅमिस बुम। दॅस्ती कोडुन चंदस अँदर फोन तु लोगुन कनस हैलो। तम्य परजनॉव आवाज। यि औस अँमिस ज्ञानान बोलान।

... हे चु कति सॉ छुख। फोन क्याजि ओसुय बंद थोवमुत। डायल करान करान आयम औंगजि गसनु। मेय वोनमुत ओसमय अज्ज यिजि सूली पहान। गरि नीरिथ छुय नु चे पतु गरच यादय रोजान ... यिमन आव नु कुकू जी तुनि ति गरु वापस। कोलन हसॉ। पंदाह गंटु गॅथख तु वुनि छुख नु किंही ननान। ज्ञन तु वुढिथ गव बिचोर। मॅहैल छु सम्योमुत। पुलीस ति आव बैयि छुयि यादय, अपॉरी गॅछिजि अँनकु वॉलिस जरूर तु काकनि हुंद औंनख हैज्यस....

सु प्यव ज्वनस। आ काकनि ओस सुबहनस अँनकु वरॉय आंगनस मंज दब लोगमुत।...हमसायन ओस लॅडकु राथ शामु प्यठु गॉब।

अँती पैयि तॅमिस पानस प्यठ नज्जर। बैग फेकिस त्रॉविथ द्रायोव सु सुबहस गरि ... अज्ज ति द्वहदिशिक्य पॉठय ... अमा सु कोत वोतमुत...

सु छु अँद्य पॅख्य नज्जर त्रावान। सु छा तोतुय वोतमुत योत सु द्वहय गछान छु किनु कोत।... तस हेतिन कनन अंदर ज्ञानि हुंद्य यिम लफजु ग्रजन्य ... पंदाह गंटय ... क्याह तस गॅया पंदाह गंटय गरि द्रामतिस पंदाह गंटय गॅया तस ... यथ मॅहलस, यिमन

કોચન બાજરન તુ લૂકન તામ વાતનસ, યિમ નય તસ પરજ્ઞનાવાનય છિ ... ન ન પંદાહ ગંટુ
ગંધિ કોલ હંદિસ કુકૂ જિયસ ... મગર પાનુ કોત આવ સુ યોર... ક્યાહ કરનિ ક્યાજિ ...
કિનુ ... યિ મા છુ ... હાંહ ..

તુંમિસ હ્યોતુન ચકર યુન | સુ બ્યુઠ વાનુ પેંજિ અંકિસ પ્યઠુ |

તુંસ્ય દિચ પાનસ દુનન | વન્ય હ્યોતુન ગેર સાન ચ્વવાપોર્ય વુછુન | સુ કતિ છુ
વુન્યકિસ | મગર તુંમિસ પય છે | સુ અય યિમન સારિનય લુકન જાનિ... યિમન ક્યા સના
ગોમુત... તસ કુન ન વુછાનયકાંહ... જન નુ જાનનુસય...

તુંસ્ય છુન ચંદસ અથિ | અતિ આસ નુ ઑનખ અથી | સુ આસિ મૈટાડોરસ મંજ
ઘોમુત | દધ્યોન વારુ વુછખ તુ બદિ કડખ યિમ અકિ અકિ ... હ્યૌવ ...

તુંમિસ પેણિ હંગુ તુ મંગુ અંકિસ નોરસ કુન નજરુ, યુસ અંમિસ બ્રંથય કિન્ય નસ્તિ
સ્થોદુય દ્રાવ | તુંમિસ બાસેયસ દૃશિવુન્ય અંછન અંદ્ય અંદ્ય જન દિત જૂન પેમચ્ચ | આર
કવંડલ હિવ્ય ઑસિસ | જન તિ શીશવ રોસ્ત ઑનખ લોગમુત ઓસુન | વન્ય વુછ તુંસ્ય
બોયિસ નફરસ કુન | તસ તિ બાસેયસ યિથિ આર કવંડલ અંછન પેમત્ય | જન તિ ઑનખ |
બોયિસ તિ બોયિસ તિ... યિ ક્યાહ સારિનુય જન બદલય ઑનખ હિવ્ય લૉગ્યમુત્ય | યિમવ
કિન્ય મા છિનુ યિમ વુછાનુય કેંહ.. કિનુ તુંમિસ છુ ન પાનુસય ઑનકુ વર્ય લબનુ યિવાન
કેંહ...

તુંસ્ય દોપ યિ ગંધિ સ્થોન્ય હાલથ તુ કાકુનિ ક્યાહ વેનિજિ... ઔહ કાકન્ય... ઔહ
કુકૂજી....

તુંમિસ હેતિન વન્ય ઑંખ ફટુન્ય | વન્ય કપોર્ય નેરિ યોમિ બાજરુ ન્યબર | દોપુન
પ્રછના કાઁસિ, મગર કસ | તુંસ્ય ત્રોવ વશ... વાહ્ય, સંદ્યા વખ હ્યોતુન વાતુન... જનાનિ
હુંજ કથ ઑસુસ કનન અંદર ગ્રજાન... ગરિ નીરિથ છય નુ ગરચ યાદ્ય રોજાન |

તું મે વચિ અંછ ... ભગવાનુ મે વાતુનાવતુ કુનિ પોંઠ્ય ગરુ |

લલુ વાખ

કવુ છુખ દિવાન અનિને બછુ |
ત્રુખ હય છુખ તુ અન્દુય અછુ |
શિવ છુય અંત્ય તય કુન મો ગછુ,
સહજ કથિ મ્યાનિ કરતો પછુ ||



त्रैयि त्रुह क्रोर दिवता

मखनलाल पंडिता

जोम यिथ पयव शाम लालस गोङ्डन्युक वासतु खाँराती लाल दुकांदारस सुत्य। खाँराती लालन ओस किरयानस सुत्य सुत्य व्वन्य दोद ति थोवमुत यथ सॉरी आँस्य तॉरीफ करान। अमि सब ओस सुबुहकिस पॅहरस तुसंदिस वांनस पयठ रश रोजान। यिथकन्य असि आदथ छु सॉरी आँस्य लोटु बोंह कुन वॅगरिथ 'गोडु मे गोडु मे' करान आसान। मगर तॅम्य करनाँव्य तिम लॉन तु पननि वारि ओसुख लिटरनि मगु सुत्य दोद फिरान। दोद खाँतर ओस शाम लालस दोहय तॅसंदीस वानस पयठ गछुन पयवान त लॉनि रूजथ दोद अनुन पयवान। वारु वारु तुलुन बाकयु सोदा सलफ ति तॅस्य निशि। खाँराती लाल ओस रुत नफर तु ग्राकन सुत्य ओस असवुनि हौंजि पेश यिवान। तसंदि खोश खोलकु ओस शाम लालस सु पननिसुय गामुकिस अमु वॉनिस हुवय बासान। यिथ वॅग्नि बढ्योव तिमन पानु वॉन्य सख यखलास।

अकि दोह येलि गरमु क्राय आँस तु वति पकनस आँस सुबहॉय आँरकु छटु गछान, शाम लाल दराव खाँराती लालस निशि दोद तु गर सामानु अननि। लॉन आँस ज़ीठ तु खाँराती लालस ओस वुनि अथु आवुर। लिहजा खोत सु वानस पयठ। बुथिस तु नरयन व्वथराँविन कमीजि दामनु सुत्य आँरक, पखस तल ब्बोठ पान शयहलावनि योतान्य बीरु हमययि। अथु मोकलिथ पिलु नोवनस लोटु तु सुती व्वोनस, 'गरम छु सख'। तस आँस खबर खाँराती लालस गछि तसुंद मोसूस तु व्वन्यस, 'आ गरम छु सख'। मगर तॅम्य वोनुस नु किहय। सु कैह वनु नावनु खाँतर व्वनुस तॅम्य बैयि, 'खबर कमन पापन पाहुंद डंड, भगवान गोव चँखि अँसय लॉगिन यिमन तापु चँजन यथ नु असि हॉल आँस।'

खाँराती लालस ति आयि मसा मसा ज़बान। तॅम्य वोनुस, 'पंडत जी! सोय सारनयु छु रछान सु गछ्या चँखि,'

' तयेलि मा छु असि कांह दिवताह चँखि गोमुत, 'तॅम्य व्वनुस असवुनि बुथि। 'तथ हयेकय नु बु कैह वॅनिथ,' खाँराती लालन वोनुस तोरु असान असान। 'दिवता छुख नाव मगर चकि छि असी हिव्य। कुस नु कार छु कोरमुत तिमव। गोतम रेश खयेवुन रॉच पहरन फयेख।'

‘सु गोळ ना येंदुर पदवी निशि बदर करन ?’ तॅम्य वोनुस ।

‘कयाह वनव कांह मा आसयस चऱ्यथ रछान, यिथ कॅन्य अज्ज छि यिथयन रछान !’

‘पोऱ्ज छु, तोबु ! तोबु ! दपान तैयित्रुह करोर दीवता छि ।

यिम कम्य आदमन गँजऱ्य अगर नाव हयेनि बयेहमिव बुंबुर गछि अँथ्य सत्य ।’

खॉरांती लालन वॅरुस बोयि असनु हना, दोपनस, वुछ कथ छुख सन्धोमुत । मै गछन खॉलिस त्रेय खोश रवजुन्य । अवल गो श्री गनेश जी, सु छु थरुक मॉलिख दोयिम माता सरसोती स्व छे अकलि हुंज़, त्रेयिम गयि माता लखमी स्व छे दनुच । त्रयि त्रहन करोरन दिवताहन क्या छु असि करुन ?’

शाम लालस बासयोव खॉराती लाल छु पोऱ्ज वनान । यिमय त्रेय गछन खोश रोजुन्य यिथ कॅन्य अमिस छि । वान छुस सामानु सुत्य टिपिथ, अकलु ति छस सही कॉम करान तु कामि निशि छस नु फुर्सथ ति कैह । दोद ओसुस लोटस फिरिथ, तथ दिच्न थफ तु दराव तापु चंजि मंज वापस । वति रूजुस नु खबरुय ज़ि ताफ छु ऑदयकि खोतु त्यज्योमुत ।

ललु वाख

अथु मबा त्रावुन खर बा,
लकु हुंज़ क्वंग वॉर खेयिय ।
तति कुस दारी थर बा,
यति नॅनिस करतल पेयिय ॥



देद

रिकू कोल

“हय हय गॅयि बिजली...यिथिस गरमस मंज़ छिनु यिम अडु चॅट्य दोन मिनटन ति बिजली थवान... अदु त्रठ पैयि तन तिमन यिमव अँस्य यथ सफरस लॉग्य। अँस्य हय पनुनि गरि हाखा बताह खयवान आँस्य कथ लॉगिक्य यथ सयेकि शाठस, येति बिचयव तु सरफव कुत्य मॉरिथ छुन्य... हय। भगावानु... यि पैयितन त्रठ तिमन यिमव अँस्य यथ शहरस लॉग्य ... कम कम सिन्य आँसुस पननि वारि मंज़ व्यपदावान तु टासा वॅरिथ खय्वान ... अदु त्रठ पैयितन तिमन यिमव अँस्य योर लॉग्य, येति द्रवगु मोलु सबज्जी हयथ तु छुनु तयुथ मज़ लगान युथ तति ओसुम लगान ... कति ब्ययम पनुनि वारि हुंद वोसतु हाख, बॅट्य हाख, मोनजि हाख, सोच्ल, पालक, मीथय, गोगजि बयतरि तु किथु पॉर्ट्य आँसुस बु अलु हचि, वांगन हचि, रॉठ वांगन हचि होखनावान... कम कम सीन्य आँस्य... अदु वनान जन आँस्य असि दालि बटु मगर तसुंजय दर्य छम कुनि रयतु आँस नु दालि प्यथु वॉरय वातान ... अदु त्रठ पैयि तन तिमन यिमव अँस्य वॅर्डिथ छुन्य...” यंबरजल आँस्य वाय वाय करान तु पांसयु सुत्य रॉव्य मुतिस दरामंस याद करान। बोज्जि हयस कुस ... कस आँस फुरसथ यि बोज्जनच ... तु बार बार यिमय कथु कस करि बोजुन पसंद ... कुस करि हे हयमथ तु वनि हय यंबरजलि ज़ि यिम कथु पङ्जन नु दोहरावुन्य ... यथ यि गछुन ओस तथ ति गोव ... बार बार दोहरावनु सुत्य कयह नयरि अमि मंजु ... पांसयु वातय ज़र्यर ... बलड प्रशर छु यिमव कथव सुत्य हुरान ... मगर सु कुस बॉच करि हय सुह गोँछ मयूठ तु वनि हय यि कथ फोनस प्यठ ददि।

खॉर अकि दव्ह आँस यंबरजल यिमनयु कथन दोहरावान तु अमि सातु गॅयि कोचि मंजु आवाज “कॉशुर गबु मा हयव ... कॉशुर कॉलीन मा हयव ... कॉशुर शाल मा हयव ... हय गबु हना ... शालु हना ... कॉलीन हना मा हयव”। यिम कॉशर्य लफज्ज बूजिथ वॅचु यंबरजल थोद तु कुनी टुकि द्रायि दर्वाजस निश तु कोरुन अॅमिस फेरि वॉलिस आलव। फेरि वोल आव तु खॉर पाठा वॅरिथ चोनुन यजतु सान अंदर। घडु दयुत नस त्रेशि गिलासा तु पत प्रछनस “च्रय क्यह छुय नाव ?”

“रमजान”

“चुकति छुख रोजान ?”

“देदी बुछुस गंगयालु किरायस प्यठु रोजान।”

“हय ! बलायि आयि तथ गंगयालस, हथा असली कतयुख छुख ?”

“देदी ... कॉऱ्य गोँडुक।”

“हय ... गोव चु छुख मे मालिनुक पोछ।” देद गॅयि कमन ताम गोतन तु पहर्य खॅँड्य पुछनस “चु क्याजि बुथि यिहोय शुस हयु बासान ... बतु छुथा खयोमुत... किनु फाकयु छुख फेरि द्रामुत।”

“देदी ... तोंदरि चवचि सुत्य चायि प्यालु जोराह चयथ छुस द्रामुत। शुस आसु अवु मव्खु बासान ज़ि अज वँरुम नु रातस अख जव्ल ति नयंदुर ... असि ऑस नु रॉत्य रातस बिजली। येति त्योव गरम तु सोंचान छुस यिम बचेमुत्य शाल गबु कनु हा तु नयरु वापस गरु।”

“हय ! बलाय अयि यिमन बिजली वालझ ... यिथिस गर्मस मंज़ छि अक्सर बिजली निवान तु यि छिनु सोंचान जि घ्वलिकस क्याह बनि ... अदु त्रठ पैयि तन तिमन यिमव औस्य हय हय हय बुक्यह छस यि वनान ...”

“कुमन गॅछ त्रठ प्यन देदी चु कमन हुंज कथ छुख करान ?”

“हता यिमनयु बिजली वालझ हुंज बैयि कमन. व्वथ सक्र शाव अथु तु बु शयरय बतु ... होकि छुय नलकु।”

“देदी, चु क्याजि करख म्यानि बापथ तकलीफ मै छु व्वन्य आदत गोमुत यक डंगी खयनस बांगि छुस न्यरान चायि प्यालु जोराह चयथ तु चांगि छुस अचान तु बतु मोँड खख्यान।”

तकलीफ गोयह गजुब्य चु हा छुख मे मालन्युक पोछ ... हता अज़ लोगुख यपॉर्य फेरि.... जानि दय बैयि यिखाह जांह कॉल्य यपॉर्य फेरि तु हयख मे बुजि माजि खबर ति जानि मयोन दय येति छनु न्यचविस माजि सुंब खबर हयनस फुर्सथ म्यलान तु चु लोगुख अज़ अलगाँबु यपॉर्य तु युथ मोकु करयमि व्वन्य जांह ज़ि बु शेरु पनुनि वरॉय बैयि कॉसि ति बतु थाल कोताह काल वोतुम यिमव अथव फकत पानस कयुथ बतु शेरान यिम देहन बाँचन शेरान ऑस्य। व्वथ लगय बलायि सोरशाव अथु तु माजि पोथरु खेम्ब अज़ यिक्वटु बतु।”

रमजान्स लोग नु वन्य कांह ति चारु तु बडु शरमंदुगी सान वोथ थोद तु अथु सक्वशॉविथ बयूठ बतु खयनि। सु ओस सौंचान ज़ि यि बुड मोज छा पॅञ्ज्य पॉर्द्य कुन्य ज़ॅन्य यिथिस बॅडस मकानस मंज़ रोज़ान, यथ मकानस मंज़ हय काँतयाह बॉच़ वेप्यन। तु अम्य यिमन दैहन बॉच़न बतु शयरनुच कथ वॅन्य ... अमा तिम कति छिस ?" सु ओस यिमनुय दल्लाबन मंज़ ज़ि तस वोत ब्रॉह कनि बतु थाल।

"दैदी यि छि चॉन्य मेहर बॉन्य ज़ि चये तुलुथ मयानि बापथ तकलीफ.... बु छुस बडु माज़रत खाह"

" यि हबा छि आसान दयि सैंज मरजी. यिम बतु मयंदआँस्य चॉनिस नसीबस तु वॉती चये बॉह कनि लैहज्ञा यि छनु मयॉन्य कांह ति मेहर बॉन्य बॅल्य कि तस दयि सुंज़ यॅम्य अँस्य बनॉव्य।"

बतु ख्यवान ख्यवान प्रुछस रमजानन " दैदी तोहय छिवा कुन्य ज़ॅन्य येति रोजान ?"

"आहन बा, कुन्य ज़ॅन्य छस रोजान शुर्य छि नफसु हॉरानी हुंदि बापथ बालन तु छालन लॅग्य मुत्य। फकत छि फोनस प्यठ खबर अतर प्रछान तु यार यिनचु छख कमयु पहन फुस्थ मेलान।"

" दैदी यि गॅछ नु लोकटि औंसु बॅड कथ बुनन्य ज़ि यि छि चॉन्य बद कसमती ज़ि तिम छिनु चॉनिस सायस तल रूजिथ तु छि फकत पॉस्स पत्र रूजिथ।"

" हय्यो ! दय रुजनख म्दतस तिहनज्ञ सथ रुजिन्य मूजूद सोरुय कैह छु हम मोयसर थोवमुत अदु बिचॉर्य येलि कैह कमावन छि तेली छुख पनुन तु पनुनयन शुर्यन हुंद गुजारु चलान। येति क्या करु हन येति कति छि नोकरी बनान। खॉर येति ति छि तति रुजिन सौखु सान तु बजा मयॉन्य छख यिह्य औही। मे छु तॅमिस सक्वगु वास सुंद पयंशन चलान तु छस दव्हा दव्हा कडान।"

" दैदी ति हय छु पोज़ मगर यथ वॉसि मंज़ गॅछी चये जुर्य तु शुर्य अँद्य पॅख्य नचुन्य. चये कुन्य ज़ॅन्य यथ व्वपर जायि त्रॉविथ छुम पननि कम अकली किन्य वयोठ बासान।"

खबर क्याज़ि हयोत वन्य दैदि पनुन बोस रमजानस निश लोचुरावुन, यॅमिस स्व अज़ बॉह जानि हय नु तु नु ओसुन ज़ांह वुछमुत। खॉलिस मालानिक गामुक आसनु किन्य बास्योव तस यि पनुन हमदर्द, य्यमिस बॉह कनि व्वन्य कांह ति कथ खॅटिथ थॅवन नु। अदु रमजानन ति बूज़ बतु मौढा ख्यवान ख्यवान तसुंज़ सारये कथु बडु गोरु सान तु मंज़ मंज़

ओसुस दिलालु मदारु ति दिवान। बतु ख्यथ लैंज दैद चोकु कामि तु रमजानस वोनुन गेर खंड आराम करनु बापथ। आराम करान सूच रमजानन “ कांह ति वय्यथ छनु खोदायन देदि थैंवमुच गरु छुस ओरुथ तु बोरुत सु कुस चीज युस नु अॅमिस मेयसर छु, मगर देदि बिचौरि खसय वेय्यथ छे सव्य छे.... अज़ कल कॅमिस छि फर्सथ यिथयन हिवियन लूकन हुंजु कथु बोजनस न येति तु नु तति येतुयक बु छुस। बु क्या वनु देदि ज़ि चये हिवयन लूकन छु तति ति यवहय हाल मगर यि वॅनिथ फुटरावुन बु तसुंद सु सोंच ज़ि वॅक्शीरि मंज़ ओस नु यि सपदान।

पैहर्य खैँड्य हयोत रमजानन देदि रख्खसथ तु तैंम्य वैरुस दछो दछो आँही। बैयि व्वन्नस गरि कयन तु बाकी मालिन्य गामु कयन वैन्य ज़ि तसुंज सलामा। स्व रुज्ज दरवाजु हंगस प्यथु तोताम खडा योताम नु सु नजरि डोलुस। पतु चाणि अंदर तु बिजली बैयि नु बुछिथ व्वनुन “ हय ! बलाय आयि यिमन बिजली वालयन यिथिस गरमु गटु कारस मंज़ ति छिनु बिजली थवान सोंचानयु छिनु अमा लूख मा मरन अदु मैर्यतन तिम यिमव अँस्य यथ गटु कारस लॉग्य ”

ललु वाख

आँरस नेरि नु मोदुर शीरय,
न्यर्वीरस नेरि न शूरा नाव।
मूर्खस परुन छुय हैस्तिस कशुन,
यस मालि दांदस ब्यहा चाव ॥

ललु वाख

मूढस ज्ञानुच कथ नो वॅनिजि,
खरस गोर दिनु राविय दोह।
युस युथ करिय सु त्युथ स्वरे,
क्रेरे वॅरिजि न पनुन पान ॥



ठोर

ओंकार कौल

यि ओस अख खास लेकचर। मोजू ओस कोमनिकेशनस मंज़ ठँर्य। लेकचर दिनु वॉल्य ऑस्य मश्हूर ऑलिम, वारयाहन कुसमन हँद्य ठँर्य आयि वेळनावनु। तिमन प्यठ कोबू प्रावनुचि तरकीबु बयान करनु। लेकचर गव खतुम। सारिव्य कोर ज्ञोर जोर चारि पोप। रसमी शुकरिया आव करनु। तस ओस पूरु तसलेह ज्ञि लेकचर आव सारिनुय पसंद। यि अमि किन्य ज्ञि येलि सु बोलान ओस च्वपॉर्य ऑस हॉरानकुन छ्वपु। सारिनुय हँजु नज्जर आसु दरु हिशु लजिमच। लेकचर पतु गॅयि सवाल जवाब शोरु। यिम ति सवाल प्रछनु आयि तिमन दयुत तँस्य सूचिथ संमजिथ छ्वटयन लफज्जन मंज जवाब।

सॉरी द्रायि हालु मंजु नेबर। कैह आयि तस ब्रॉह कुन तॉरीफ करनि। स्व अख आयि असान असान येमि अख जान सवाल प्रछमुत ओस। लेकचरक्य तॉरीफ करान वोन तमि। “बु छस यछान त्वहि सुत्य फोटूतुलुन।”

“क्याज्ञि नु!” यि बूजिथ वोन तमि फोटोग्राफरस फोटूतुलनु बापथ।

“तोहय छिव मे वारयाह जिठ्य? तोहय हयेकिव मे प्यठ नॅर थॅविथ”। तमि दयुत असान असान मश्वर।

पनुनिस सफेद मसुकलस कुन इशारु करान द्राव तसंजि जेवि।

“पोज्ज वोनव ?” मे ज्ञन छे नु बुनि पनुन्य वुमर कांह ठोर बासान। खूबसूरती छे मे बुनि ति पानस कुन कॅशिष करान।

यि बूजिथ वुछ तमि शर्मि सुत्य ब्वन कुन। ज्ञन ऑसुख स्व चूरि रँटमुच। फोटोग्राफरन तुल फोटू।



मनी पलांट

रूप कृष्ण भट

म्यानि गुरुचि डबि प्यठु ऑस हीरा लाल निस मकानस कुन सेदि स्योद नज़र। ल्वकुट म्वकुट बंगलि चालि मकानु। ब्रॉंटुकनि सर सबुज लान। लानस अँद्य अँद्य पोशि डूर्य। दरवज्जस नखु वरंडाहस प्यठ गंवलस मंज लगावनु आमुत मनी पलांट। यैम्युक जहार ब्रूंथय लबि अंदु वंदु फॅहल्योमुत ओस।

येलि ति बु डबि प्यठ नेरहा म्यॉन्य नज़र ऑस सारी ब्रौंह अथ मनी पलांटस प्यठय चैवान, यैम्युक सर सबुज पन अँछन तरावथ बखशान ओस। मे ओस मथ गछान ज़ि बु अनु अमिच अख लँड चॅटिथ तु लागु पनुनिस बोड रूमस मंज। हीरा लाल ओस सुबहन गॅंडिथ पॉर्ट्य पूजा वॅरिथ नेरमल अँथ्य गंवलस मंज त्रावान तु तसुंज आशेन्य शांता जी ऑस प्रथ द्वहु शामन पयपि सुत्य अथ सग दिवान। मनी पलांटकिस पनस ऑस कणि पोन्य छकान युथ अथ प्यठ हेनु आमुच गुरुद छलनु यियिहे। लेहाज्ञा ओस पन सर सबुज तु नपु नपु करान।

येलि ति बु शामन बॉग्य दफतरु प्यठु यिमु हा, हीरा लालुन्य बॉच जु ऑस्य अकसर लानस मंज सफेद कुरसियन प्यठ बिहिथ आसान। युथुय बु डबि प्यठ नीरिथ तिमन नमस्कार करुहा, तिम ऑस्य असान असान मे नमस्कारस जवाब दिथ बडि बडि ऑही करान तु इशारव सुत्य पानस निश बुलावान। बु ओसुस यि वॅनिथ जि बुन्य कयन नु बु यिम जरूर बैयि कुनि सातु, तिमन निश गछुन टालान। वजह ओस नु बैयि कांह बॅल्यकि फकत म्योन आलुछ तु म्यॉन्य मनहूसयत। मे ऑस्य लग बग शे रैथ गॉमुत्य दिलि प्यठु जोम तबदील गॉमतिस, मगर यिमन शेन रेतन मंज ओसुस सिर्फ अकि फिरि तिहुंद गुर गोमुत। मगर डबि किन्य ओसुस लग बग द्वहय यिहुंद दर्शन करान। हरगाह कुनि द्वह उछुहाख नु मे ऑस तिहुंज कल रोजान।

दरअसुल ओसुस बु दिलि हुंद्य लयफ सिटायलन मिशीन ह्युव बनोवमुत तु इनसानन हुंज स्वहबथ तु बुकथ ऑसुम मॅशथुय गॉमुच। बस सिर्फ पनुन पान तु बैयि नु

कैह। हालांकि जेमि ऑस वखतस वारयाह बागनय तु ओर योरयुन गछुन ओस स्यठा सहल तु ॲकिस गंटस मंज़ यियिहे इनसान अकि अंदु प्यठु बैयिस अंदस जेमिस छठ वैडिथ। मगर खबर मे क्वसु शिकस ऑस आमुच्च बु ओसुस पॉट्य कयेष्य सुन्दय पॉट्य पनुनिसुय आडंबरस वलनु आमुत।

हीरा लालस ओस कुनुय नैचुव, सु ओसुस पॅत्य म्यव दँहव वैर्ययव प्यठु अमरीकाहस मंज़ रोजान। ग्वडनिक्यन वैर्यन ओस प्रथ वैरियि गरु यिवान, मगर खांदरु पतु येलि तस पनुन परिवार बड्योव तसुन्द देस युन गव कम। व्वन्य ऑस्य हीरा लालुन्य बौच्च ज़ु वैर्यस मंज़ शेन रेतन अमरीका गछान तु शेन रेतन ऑस्य जेमि रोजान। अलबतु पॅत्यम्य द्वयव त्रेयव वैर्यव प्यठु ओस ओर योर यिनुक गछुनुक सिललिसु कम गोमुत। मे ओस दिल करान बु गछु तिमन निश तु करु खुलु पॉट्य कथा बाथा मगर खबर क्याज़ि ऑसुम नु अथ वथय यिवान।

केंचि कॉल्य प्यव मे द्वन रेतन हुंजि ट्रेनिंग बापथ दिलि गछुन। बु येलि वापस जोम आस हसबि मोमूल द्रास पनुनि डबि प्यठ तु त्रॉगुम हीरा लालनिस मकानस कुन नजर। मे गैयि अछ रूजिथ। मकानुक नखशय ओस बदल्योमुत। मनी पलांट ओस नु कुनी बूदय। वरंडाहचि यथ लबि प्यठ तस्युक जहार ओस तथ आसु लेदरि रंगु नपु नपु करवनि ट्यलु लॉगिथ। यथ लानस मंज़ हीरा लालुन्य बौच्च ज़ु अकसर कुरसियन प्यठ बिहिथ ऑस्य आसान तथ ओस ज्वजुर फयूरमुत। मे गैयि अकलि बकल ज़ि यथ क्या गव यि।

कुनी टुकि वोथुस ब्वन तु दवान दवान गोस तिहुंदिस गेट्स निश। तथ बुछुम बोड कुलुफ वैरिथ। बु गोस हयबुंग हयुव रूजिथ ज़ि गवय तु गव क्या। बु ओसुस यिमन्य ग्वतन ज़ि ओरु आव सोन ब्याख हमसाय प्रथवी नाथ। दोपुन क्या छुख गेट्स वुछान, हीरा लालनि अचानक गुज्जरनि पतु आव तसुन्द नैचुव अमरीकाह प्यठु। मॉलिस चूरमि दुहुक क्रया करम वैरिथ, लागनाव्यन सॉर्यसुय मकानस अँदर नैबरु ट्यलु। दोपुन स्व कस छे फुरसथ युस अथ वाति।

मनी पलांटुच जरदेमुच लँडा अख अथस क्यथ तुलिथ वोथ प्रथवी नाथ, “पता छ्या पनुनि ज़िंगांगी हुंदय 35 (पाच्त्रुह) वैरी सरकारस अरपन वैरिथ येलि हीरा लाल रिटायर गव यि मनी पलांट ओसुस पनुन्यन सॉथ्यव पारटिंग गिफ्ट द्युतमुत। अम्युक ओसुस बडु मारु मोत, सख रॉछ ओसुस करान। दपान ओस यि छु म्यानि खॉतरु यादगाँरी तोहफु। तस्युक काठ न्युव राथुय बाकुय मलबस सुत्य म्यूनसपलटी वाल्यव तुलिथ। हाय

इनसानस नु कांह कथा पानस ताम । मॅनी पलांटचि लंजि दूर नालि कुन कश कडान तु
ज्यूठ व्वशा त्रावान वोन प्रथवी नाथन तु द्राव ।

बु गोस रोबूद हयुव । किहींय फूरुम नु । सॉरी सवाल श्रेष्ठेम मनस मंजुय । आरुकच्चव
चेश्मव त्रॉवुम हीरा लालनिस मकानस कुन हेरु घ्युठ ब्बन ताम नजर तु यीय सॉचान ज़ि
कंह कथा नु इनसानस पानस ताम, द्रास फुटमित्यव कवट्यव गरु कुन ।

ललु वाख

लतन हुंद माज्ज लारयोम वतन,
अँकिय हॉवनम अकिचिय वथ ।
यिम-यिम बोज्जन तिम कोनु मतन,
ललि बूज शतन कुनिय कथ ॥

ललु वाख

स्वयि कुल नो द्वदु सृत्य सॅगिजि,
सर्पिनि ढूलन दिजि नो फाह ।
स्येकि शाठस फल नो वॅविजि
रावॅरिजि नु कोम-याजन तील ॥



यिम छि नु तिम

देबा नज़ीर

बु आँसुस अज रॉत्य रातस हुश्यार। लरि फिरुन्य दिवान। सुबह फवलनस प्रारान तिक्याजि अज आँस आथवार। मे ओस मातामाल गछुन। अपारि प्यठु लॉय ममी क्रख जल जल लाग पलव पतु गछि चेर। मे आव नु ज्यचन नाल अथि। मे लॉग्य नॅव्य पलव। आँगुन्य दरवाजु येलि द्राँय नेबुर्य सम्खयोव अख हमसाय। कोत साँ सुबहाँय सुबहाँय, मे वोनुस बडि हटि मातामाल। यि मातामाल छु मोदुर तु म्यूठ पॅज्य पॉट्य आसान। अँम्य वोन खोशी सान।

मे आँस ममी अकसर पनुनि माजि हुंज कथु वनान। दपान आँस म्याँन्य मोज हरगाह बोजिहे मे छे कोरि कूर ज्ञामुच। पतु क्या खानु माजर करिहे स्व। तिक्याजि स्व आँस नाहकुक्य शुर्य रधान। सानि गरि ओस मुसॉफिर ति ख्यथ चेथ नेरान। वन्य आँस नु पनुन्यन हुंज कथुय। स्व आँस हमसायन हुंज राजु मासु। वति लॅज मे ममी वनुनि यिनु तति खॅरिल करख। मे वोनुस नु बु बैहमु ल्वति पॉट्य। तति आँस्य मामु सुंदय शुर्य मे ओस तिमन सुत्य ख्वश गछान गिंदुन।

तु खॉर वॉत्य। बरस ओस तोर बुथि। मे कोर ज्ञोर ठुक ठुक। ओहो ओहो। कुस सॉ छुव? अति द्रयि म्याँन्य मामुन्य। वारय छिव। किथु पॉट्य आयिव? यूर्य प्यठ छिव आमुत्य? अँस्य द्रायि। असि छु चकरस गछुन। यिनु बोह वॅर्यजिहे फोन? ममी वोनुस अदु बाकुय छिना? असि छु सारिनुय गछुन। ग्वडु गछि नु आथवारि दोह कुन गछुन। आथवार छे सारिनुय छुटी दोह आसान। अँम्य न्युव अँकसुय शहस मंज सोरुय वॅनिथ। यि छे नु असि अंदर अचनु बापथ ति वनान। अँस्य चायि पानय बीट्य ब्रांदस प्यठ। कोड थख। ओरु द्रायि यि कुलुफ हैथ। म्यानि माजि वॅर मे अथस थफ। सडकि प्यठ समखेयि तस्स हमसायि बाय। दोपनस तुन्यय आयख तु द्रायख क्याजि? म्यानि माजि वोनुस। पनुन मोल मोज आसान सलाम उस्तुय गुलाम। अमि सातु तोर नु मे अँम्यसुंद वनुन फिकरि। तिक्याजि मे ओस नु अम्युक तजरुब।

वति छि पकान म्यॉनिस अथस प्यठ प्यव आबु टयोक । मै दिच्च हयोर कुन नज्जर
अति ऑस म्यॉन्य मोज वदान । मै दोपुस चु क्याजि वदान ? दोपुन मै ओस मॅशिथ गोमुत
यिम छि नु तिम यिम मै पनुन्य ऑस्य ।

ललु वाख

लॉराह लॉज्जुम मंज़ मॉदानस,
अँद्य अँद्य कॅरिमिस तॉकियु तु गाह ।
स्व रौज़ि यॅत्य तय ब्ब गछु पानस,
वोन्य गछि वानस फालव दिथ ॥

ललु वाख

ब्बथ, रॉन्य अर्दुन सखर,
अथि अलपल वखुर ह्यथ ।
योदवय ज्ञानख परम पद,
अक्षर हि शीखर खेय शीखर ह्यथ ॥



बु तु चु (नजुम)

मजरुह रशीद

समयि टेच अख रोटु गाँमुच
 शिन्लिय सहराँव्य फिज़हस मंज़
 हेरिथ पेमुच छे यथ मंज़
 वावु रंग ताम
 चै क्या
 चु छख पानस दिवन अँद्य अँद्य
 दवहय गथ
 समय बासान छुय अख सायि बाना
 मँछयुल शैहजार हनि हनि छुय चै प्रेडान
 चैवान छिय रब्ब स्वनुहैर्य चौन्य रुमरुम
 मै कुन वुछ, वारु वुछ, नजरन तॉर्य मुचराव
 अतय बासीय बु किथु छुस थानि गोमुत
 अतय चैनख बु किथु छुस लीन गोमुत
 यिथिस वॉर्न्य फिज़हस मंज़
 अतय बासी बु मा छुस अज़ ति
 प्रॉन्य पॉठय
 स्वन छारान तु ग्वन रावान

प्रज्ञनथ

रतन लाल जवहर

मै मँशरोव यामथ
 बु कुस छुस
 कत्युक छुस

क्या नाव छुम
क्राम क्वसु छम मे असली
तामथ वुडव नियि शोवूरन
तरफाथ छँडिथ आव

स्व फरदुय मे मनसाँव
यथ पैठ दर्ज ओस
गुथुर म्योन, अज्जुल ता अबुद म्योन
राजरव नसुब आलमुक नॉल्य त्रोवुम
नोवुय ज्ञनुम प्रोवुम
मगर एतिकादन ब्रोकुस बैयि
दिलस बार त्रॉविथ तु जज्जबॉत्य बनॉविथ
जंगल लोरि चँड
विहय कदमुच सपुदय रॉस्य

गजुल

प्रेम नाथ शाद

ख्यालन मंज दृहय म्यान्यन वज्जान छख
लछन सासन अंदर छम चाँरमुच अख
कसम हॉविथ वनय चुय छख स्व चुय छख
नैरल नाज्जल तु नोजुख नूर पैयकर
नज्जर रूज्जिथ गॅयम यामथ चु वुछमख
चै छुय स्वगाथ हुसनुक बागि आमुत
रुहस राहथ बशाशथ छख बिला शख
यि वथ दुशवार सफर प्राटन स्यठा सख
अमी आशायि प्रारान रोज़ वातख
पॅज्जिस लिलस ख्डौरी ख्वश दपान तीय
सकूनुक फवलि सहर योद वादु पालख
थवुख फलि फलि चु वहरॉविथ वतन शाद
हुरी रवल तेलि पनस येलि म्वखतु तारख

मज्जाहोय टुख

प्रेम नाथ शाद

अथु दॉरिथ असि रुदा मौंग
 असमान खोत ओबुक लोंग
 ग्वडु गैयि बुज्जमल पतु गगराय
 अफताबन हैच लेफ तु श्वंग

○

नॉविद काका मै ति कास मस
 मै गछुन शामन छुम सालस
 बु अनय नाटि फोल चानि बापथ
 व्वलु सा ग्वडु चुय कुर्सी खस

○

काका जियन कोर टी वी आन
 अति आयि काजोल शहरुख खान
 बुड्य बबस नज्जर पैयि तँम्य वचि अँछ
 नानि दिच्च बडि क्रख त्राहि भगवान

गज़ल

राजंदर आगोश

मेन्य कथ मैशराँवुन व्वन्य
 हनि बलनुय मंज सॉवन व्वन्य
 अथ कथि मा वोथ जांह पुर ग्वाश
 होन्यन अथि यि खॅवुन व्वन्य
 मंज आमस बस नेथु नॅन्य रुज्ज
 जचि पचि चॅट्य थुय त्राँवुन व्वन्य
 रैह वॅछ यादन मंज वछसुय
 नारुक ताव हुमुनाँवुन व्वन्य
 छवकनुय त्रोवनस फैकि फैकि नून
 गनि कर्यथुय कत्राँवुन व्वन्य

मैं सती मिलुवन्य जहरि हिलाल
प्यालन बैरय बैरय चॉवुन वन्य
कथि हुंद अंद मा लोबुथ आगोश
पचि फयुर वैरथ्य बॉथुय बॉवुन वन्य

गजुल

आगाज असुल ओस वेहय अंजाम गलत गव
यि कुन ओस संगलात मगर बाम गलत गव
मैचि बानु दयुतुन प्यखतु करुन तोग नु पयुन मे
कमि बुथि बु हावस पान चकि शुद खाम गलत गव
कति जँन्य फरख गॉफिलव आबस तु शराबस
छि प्यालु मोतुनदामु चेवान जाम गलत गव
इनसॉन्यत तहखानु तु शहमार वैरिथ रॉछ
शेतान सजद हैथ नचान सरि आम गलत गव
दय आसि पछतावान बनाँवुम क्याजि आदम्य जात
बुत रॉच प्यठ प्रथ तरफु छु कवहराम गलत गव
गोहर अँदीबव दृहय वौन प्रज्ञनथ छि बचावन्य
बूजिथ ति वैरथ औन अमलि मंज़ पॉगाम गलत गव

जु गजुल

सुनीता रैना पंडित

१

ग्रकु आगरनि रफतार गोछ
येमि आवलुनि मंजु तार गोछ
अख शाम फुरसच हुंद गोछ
बेयि चानि जेवि यकरार गोछ
हरफन नज्ञाकथ चॉन्य हिश
सौंथस घ्यहय अनुहार गोछ

छस खून हारान अँछ वैटिथ
 म्युल नय तु अख दीदार गोछ
 मे छु रास युथ आमुत कुन्यर
 येमि शोर शव घ्वकजार गोछ
 येमि नार यिनु पेयि त्वळ वैसिथ
 आमि नार मंजु गुलजार गोछ

२

पैंजि न गरु, नय कांह ठिकाना समखुहव
 समखनुक ति नु कांह बहाना समखुहव
 बोनि शेहजारुक न गुफतारुक मिज्जाज
 नोट नु हटि क्या खसि तराना समखुहव
 वाव डोल, असुन तसुंद च्यूनुम येती
 शेष थेवन कुनि जायिजाना समखुहव
 समखनस छा वार वावस रवख छु क्रूठ
 ज़ेव छे कथि कथि बनि बयाना समखुहव
 पोत नज्जर दिथ वुनि जुवान च्युह च्यह अँच्युक
 नार चापान गव ज़माना समखुहव
 दूरि बथ, वतु गथ ति हेनु आमुत्य खुर्यव
 छवपु वैरिथ दयब यिम छि दाना समखुहव

गजुल

अशोक गवहर

मैहरबानु चोनुय करम यूथ नु राव्यम
 तुलिथ चानि नावुच अलम युथ नु रायम
 स्यठा जितनु वैर्य वैर्य ओनुम लयि सु सातय
 चु प्यालन बैरिथ जाम जम युथ नु राव्यम
 अँधव नय वयछुम ज़ाँह मगर खाबु डयूंतुम
 दिलस मंज्ज बैसिथ छुम सनम युथ नु रायम

गुलम मंज बखशान गरन गाशिरावान
 बुठव प्यठु सु इसमे अज्जम युथ नु राव्यम
 शहन हुँजि पि सख वस दिलुक दुब छु तँम्यसुनद
 बैसिथ मंज वोजूदस सु दम युथ नु राव्यम
 बुछिथ हुसनि आलम मुदस यिनु मश्यम जाँह
 छु अपजुयिय चम खम कदम युथ नु राव्यम
 फुटान दिल अबादथ करान मोम संगदिल
 मैहर चाँन्य बरनस हलम यिथ नु राव्यम
 अछर गवहरुन पर करुस सर बुलंदी
 रँहम कर मै काकुद कलम युथ नु राव्यम

ग़ज़ल

मोती लाल मसरूफ

न छि रंग हब्खुच न बहारस युन ।
 न छु मागचि कवाछि मंज हारस युन ॥
 छुनु बुनि पि तखयुल त्युथ प्रजुल ।
 छुनु ज़ख्प पयठु अबु मव्ख शारस युन ॥
 बस चशमन मंज अख याद फवजम ।
 छु पि शायद मा लक्खारस युन ॥
 सिंगन्यारय नोन छुनु यारु बलन ।
 पय पतु छुनु छा क्खल तारस युन ॥
 न्यनेद्राव छु दामन पॅहलॉविथ ।
 सॅमि शकलि वैन्य पययि व्यव्हारस युन ॥
 मसरूफु लग्यम यिनु ग्राय ऑनस ।
 वख शायद होय्युन करारस युन ॥

गज़ल

अशोक कुमार धर 'गोहर'

हैकहा तु चीरिथ हावहय शुम्शान वछस मंज़ ।
लेंश्य जन छेय दज्जान आरु कुश्य अरमान वछस मंज़ ॥
सासव दिलासव शौगि नु चान्यव यादु वोतुर मयोन ।
मैं छु बुनि ति रवां रातकुय तूफान वछस मंज़ ॥
स्यमि तहुर सलामथ छे बस जयि मयेहर आदुम्य जात ।
अरसातु मंजु नतु कॉसि छा इनसान वछस मंज़ ॥
तेजाब बन्योमुत छु लुकन आब अँचन हुंद ।
येति कॉसि बापथ कॉसि छुनि येहसान वछस मंज़ ॥
छु छ्यनु छदौयी हुंद खता जहानस तु ज़मानस ।
इनसानुनयु रोछ नफरतुक शयतान वछस मंज़ ॥
जरु जोरु अमल हयि नु कांह मॅल्य सपदि खरस नर ।
गाटुल छु सुय येम्य रँछ्य पनन्यु पहचान वछस मंज़ ॥
प्रथ सातु कयामथ छे मंगान चोन अमानथ ।
चॉनी तु च़येय कित्य गोहरन रँछ्य प्रान वछस मंज़ ॥

आलव

रतन लाल जोहर

म्योन आलव फयूर तर्फातन
तु वोत वापस बैयि मे निश तसला गॅछिथ
न द्राव शी कैरिथ त्रनि पांचालस
न फ्रटु लद गो व्यतसतायि बॅट्य दिवान डाल
न सर्घन कुन
न गामन कुन
न मंदरन आसतांनन कुन
नियन छाल आसमानस कुन

पकान रुद ओबरु डयंगयन सृत्य
सपुद वुज मलु तु ग्गरायन अंदर जम

म्योन आलव फयूर तर्फातन
तु वोत बैयि वापस मै निश
शाहु छोकिथ
फयमु लद पशयमान
क्याजि द्रायाव ऑसु म्याने होशु रोसुतय जोशि लद
यस यि बोजुन ओस
सु आमुत हयनु तु खाबन मंज गोमुत गीर
क्रालु मैत्य खच्च ज़वॉयी यछ खयॉली

अगर चु यीहख

शाद रमज्जान

अगर चु यीहख
वछवा छव वथ वुछान बु रोज्जय
गुलालु दिल हयथ बैयि स्वख अमारुक
रहयल तम्ना तु बौठ सोज्जय
कदम कदम मोख गूलाब फवलयम
नज्जर नज्जर सोख शब शोलयम
सेकुल मकदर ति नाग वुज्जिहयम
क्रहुन सयाह वख ति गाश फोलयम
अच़ख तु ब्रांदस दॅछन्य तु खोवर्य
सरव सनोबर
नेमेन तु पादन चय बोसु दय हन
खसख तु पायन अनॉर्य यावुन
चय माँज लागन अथन तु खोरन
दीवान खानस अंदर प्रसता
ग्रजन तु साज्जन सरव दोद लसन

वनख तु साज्जन तु वगसन
गयवान तु मयोनय सु बॉथ गयवान
अगर चु यीहख
दपख तु वालख बु ज्ञोन तारख
वसन तु व्वल्सन तु शोलि आंगन
गंडन तु टोगजन अंदर गंडन दँर्य
विसन तु हकचन अंदर करन रव
शयक शयता तु सोन आंगन
नेक नेसता तु सोन आंगन
चु वार प्पठु छख नज्जारु छावान
बु आंगनस मंज नज्जर रलावान
समय छु व्वलसा
छे होरु रकसा
जमा मकानुक शमा छु प्रज्जला
प्रछन तु प्रछय तन
लुकन छु प्रछय
यि कुस छु आमुत
बंजर ज्मीनस बहार ज्ञामुत
यंबरज्जलन ताम छु गाश आमुत
कोबन कुलयन ति छु वाश द्रामुत
छु वक ति नाज्ञा, गचर फोलुम गाह
छु बख ति व्वलसा, डयकस चैजिम द्रह
प्रछन तु यिकवटु प्रछन मे सॉरी
यि कस छु बख अज बेदार गोमुत
मे अंदरु अंदरी
रबाब वज्जिल
गोलाब नज्जर्न फोलन तु शोकस ग्रजन समंदर
शबाब शोलेम
तु हुसनु बागस फोलेम त्वसम
चय शोख दिल योद प्रछी तु वन्यज्जेस

अमार छुम बेशुमार चोनय
अगर चु यी हख
बु नालु रटहथ
तु याद पावय
सु बालु पांन गुलालु मोसम
शुहल तु शबंम
छु बाग बागस अंदर कुलिस तल
चये चोंठ वोलथ मै ऑस दोरय
मै चोव शबता अँछव
तु दिल श्रोप शराब ख्सयन
चु चाख मेनिस रोहस अंदर रोह
शहन शहन मंजु चये शह गो बोवय
कहस कहस मंज़ हिसाब रोवय
रमस रमस शह अमार व्वलयव
अंगस अंगस रयह खमार व्वशलोव
चये प्रज्जनोवथ जनो शोकस
मै प्रजुनोवुम स्कून लोलस
हुसन छु नाजा तु पा मोलवा
अशक छु रकसा तु पा अबसा
मै गो कंन अख सदा उतर गोव
मै दोप ख्दाया... सुबह छु फोलमुत
वनय तु वनु कस छु वख ति डोलमुत
चये बाग त्वावन सपदय परेशान
गुलालु सीनस बु दाग ल्लवान
बु तँथ्य कुलिस तल छसय प्रारान
अगर चु यी हख

नज़म

ब्रज नाथ बेताब

तिय छु चोन मरुन
रावान
चु आख तैलि ति मारनि
चु यिख अज़ ति मारनि
चु यिख दोहय मारनि
वन्य गो राम येयि नु
प्रथ विजि
योद करनि चये सुत्य
यथ यवगस मंज़ छु
राम सुंद युन मुशिकल
यि युग छुना
रावन चोनुय
हालाकि
सीता हरन स्पदिथ ति क्याज़ि छुन
रामस गॉरथ यिवान
ब छुस सोंच्य सोंच्य रावान
ब छुस यि सोंच्य सोंच्य ति रावान
जि अज़ मा छु चानि बदलि सीतायि मरुन
अज़ मा छु सीतायि बदलु राम हरन सपदुन
अगर राम हरन सपुद
लखनस मा छु खराद बनुन
भर्तस मा नीयतस चूर चासुत
तैलि मा ओस राम तु रावुन
अज़ छि भरत तु लखमन रोबूद
अज़ मा छु तहुंदय मरुन तय
तिम मरन
तु चु बचखाह रावन
सवाल छु ति

गज़ल

जगर नाथ सागर

हयेतुम पाम गम खेटथि थावुन मे गो दामानु सर्य पानस
दोपन "पोशान छु कस यावुन" मे गो दामानु सर्य पानस
मे वुछ गुफतार वॅटस्य गोमुत यिमन सनान कोचन मंज़
खबर कस क्या छु वेतरावुन मे गो दामानु सर्य पानस
लेखिथ ओसुख कन्नयन थोवमुत यपॉर्य यिन सॉ पकवि कांह
तवय पयोम युन अपॉर्य त्रावुन मे गो दामानु सर्य पानस
अज़व कर चुय खदाया बार गोब छुम फेक्य मे छिम कमज़ोर
छुसय मा बयु ज़हर खयावुन मे गो दामानु सर्य पानस
सँदुर व्वलेव नियन दव दिथ खबर कोत सॉचि स्वोथ्य सॉरी
अॅमिस ओस जोर अज़मावुन मे गो दामानु सर्य पानस
शहर असु वुन्य, रंबु वुन्य दोह, मँछल्य तिम शाम, तारख नब
युथुय यी याद हयोतुम पावुन मे गो दामानु सर्य पानस
अतुर पानय कोरुम सर्गनय बँल्य तकदीर अज़मोवुम
अँछव किन प्योम छँटुन शरावुन मय गव दामानु सर्य पानस

गज़ल

वली असीर कशतवाडी

जमानुक रवख तु बोयि रफतार बदल्योव
ब्रंजन मंज़ दोस्तन किरदार बदल्योव
थोकन अथु यिम दारान आँस्य योताम
तिमन हुंद लहजु तय गुफतार बदल्योव
फिरिथ बुथ वथ चटुन्य हॅयच ज़ॉकारो
मे गोव अहसास व्वन्य पनुन्यार बदल्योव
छि लाशव सत्य बँर्य बँर्य वुनु ति जंगल
च़ये वॅम्य दोपने ज़ि मोतुक कार बदल्योव

हु हरुदुन वाव वॉरॉनी केंरिथ गो
 हरिथ पेयि गुल तु बैयि गुलज्जार बदल्योव
 अकुय गोव लरजु आसमानंस ज़मीनस
 अकुय पयाम तु कुल आकार बदल्योव
 खबर बूजिथ नयबर द्रायि लुख वुछने
 यि किथ्य वॅन्य इकतारुक यार बदल्योव
 तमिस ॲसय करुन्य आज्ञामॉयश
 मै बास्योव यारु सुंद इशारु बदल्योव
 लुकव निशि शॉयरी दूर त्रॉवख
 शकल बदलेयु तु सोरुय शार बदल्योव
 यि छुय कर्तब सोंचुक नतु यि छा पौज्ज
 यि वकतुक रंग तय अंहार बदल्योव
 सु सुबहुक वाव वुज्जनॉविथ वनान गो
 असीरव ताफ़ पोव शहजार बदल्योव

जु मज्जहाँयु नज्जमु

ओमकार नाथ शब्नम

१

कुनि किन्य नु दुह बॅल्य नार
 कति जोम तु कति गुप्कार
 गरु ओस बोड बब जा
 लारुक्य हसॉ लॅग्य दार
 वुछ तन यि कक्कर मोर
 तलु पत्य छि छटान नार
 थोवुख हु कुनुय ज़ब्न
 गोनि रव्व सब्न दस्तार
 कति नव्श तु कति शब्नगि कूर
 शब्नम ति प्रहेयज्ज गार

अमि खोतु कुस गटु कार
 अमि खोतु कुस गटु कार
 यॅति व्वन्य छु रिफूजी
 यिति गव अजब गटु कार
 ॲथ्य मंजु मॅय रब्नु ज़ब्नु कोर
 अमि खोतु क्या गटु कार
 नवशि तय नध्यवि कोड बयोन
 अमि खोतु कुस गटु कार
 आशयन्य ति रयुनसि दूर
 अमि खोतु कुस गटु कार

ज़ंग

२

मालिन्य प्रछन्दनय दपन बतस
 दाह त्रह पंचाह गरकी यिमव
 हयतसि दिलस असि छुनु रोशनी
 हव्हवुरुय त्रावन चंदस लछाह
 सो कति बनान हयन्ज्य वाजयन्य
 डिस्को डानुस वानुस करव
 वयशनव बतस प्यठु मा पजय
 नान वयज्य सन्य हन दह वुह रनव
 डिमांड विमांड ति मह करव
 चक्रुय हरगह दिचुन रटव
 तुंबख नारयन प्यठ मा खसय
 असु वुन शब्नम्य शारुय वनव

देंज्जयख असि कोर रिफारम
 तथ क्या करव सो गयि ज़ंग
 कनि वाजि वैटसि पोशयम ना
 तथ क्या करव सो गयि ज़ंग
 सु कति अनव कयनज्य खोस
 तथ क्या करव सो गयि ज़ंग
 जिजाजी यस करुन साल
 तथ क्या करव सो गयि ज़ंग
 कोरय मॉलिस पनुन हुब
 तथ क्या करव सो गयि ज़ंग
 फलिमी गान्न हुंदुय सोज़
 तथ क्या करव सो गय ज़ंग

गजुल

ओमकार नाथ शब्नम

लसुनुच व्वन्य मह रोजिम बाथ
 वसलुक रोवुम अख अख साथ
 चाँन्ची द्रय यनु वतु गयि बंद
 रयतु वादन छयनु सक्वान राख
 वुट्य वुट्य लयखुन यम्य सयु तोग
 नासमजव वोन तत्त्य गोनमाथ
 बु ति दिमु हा नतु सीनस चाख
 राव्यम मह पनुनुय अवकाथ
 पोञ्ज पेंज्जोविथ ज़हुरक जाम
 वष्ठि वॉलनजि गव चयथ सेकराथ
 बचि कुस लसि कुस ब्रोंतुस ताम

मैय छम लॅजमुच अँज्य वॅहराथ
बॉथाह लयखुहा मानय दार
वरदार शारव प्यट्य पेयि राथ
मच्चरस प्यठ यलि शबनम आव
तस द्राव पतु पतु लुकि अरसाथ

ललु वाख

सुहनि हुन्द शिकार पॉऱ्ज कव ज्ञाने,
हाँठ कव ज्ञाने पोतरु दोद।
शमहुच क़दुर लॅश कति ज्ञाने,
मँछ कति ज्ञाने पोंपुर्य गथ ॥

ललु वाख

दोद क्या ज्ञानि यस नो बने,
गमुक्य जामु हा वॅलिथ तने।
गरु-गरु फीरुस पेयम कने,
ड्यूंदुम नु कांह ति पननि कने ॥



હાંગુલ તુ તોંમ્યસુંજ છાય

તર્જમુઃ શાખ્મુ નાથ ભડુ 'હલીમ'

અખ ઓસ વાંદર પાદશાહ | સુ ઓસ બિજ્ઝાતી બદ જાત | સુ ઓસ વાંદરન હુંજિ અંકિસ જમ્મોચ્ચ પેઠ હકૂમત કરાન | તોંમ્ય ચ્છોપ્ય સતુ જાવ બચુ યુથ નુ તિમ તસુંદ તખ્તય બુલ્ટાવન | યિ વુછિથ ચેંજ તસુંજ અખ બેરુચ રોની | પનુન નોવ જેનુ વોલ બચિ બચાવનુ ખોત્તર |

કેંહ કાલ ગુજરાયોવ | અકિ દોહ યોછ રાની હુંદ્ય નોચિવ્ય પનુનિસ માંલિસ સમખુન | માંજ વેંછુસ ખોચાન-ખોચાન, "પોતર, સુ છુનિય મારિથ" | નોચિવ્ય વોનુસ, "માંજ, ખોચુ મુ" | બહરહાલ મોનુસ માજિ |

વાંદર પાદશાહ ઓસ નુ તિમન ખોશ | મગર ખોશ આસનુક હીથ કેરિથ રોટ તોંમ્ય પનુન નોચુવ નાલ મતિ | વારુ-વારુ હ્યોતુન તસ ત્યુથ ચીર દ્યુન યુથ તસ જુવ નેરિ | મગર જવાન વાંદરન તિ કોરુસ સંગીનુ પોંદ્ય નાલ મોત |

અમિ પતુ આવ વાંદર બાદશાહસ અખ કોફલ દૈમાગસ મંજ તુ વોનુન નોચિવિસ, "પોતિ, મે છુ તય કોરમુત બુ બનાવથ ચુ તાજદાર | મે છિ ચાનિ તાજપૂણી ખોત્તર ખાસ પોશ બકાર | ગછુખ ના ચુ નજદીકી સરસ પેઠ તુ અનખ જલ-જલ | નોચિવ્ય કોરુસ આંકાર, "અદુ ક્યાહ" |

જવાન વાંદરન વુછ સરસ મંજ પોશ | મગર તોંમ્ય ચુચ્ચ યિતિ જિ સરસ કુન યિમ પેંદ્ય ગછાન છિ, યિમવ મંજ છુનુ કાંહ તિ વાપસ યિવાન | સુ ગવ ગોતન, "ક્યાતામ વકાનુ છુ!" તસ પેયિ તિથુય સરુકિસ અંકિસ તંગ હિસસ કુન નજર | યોત તામ સુ આસોની સાન વોટિ ઓર યોર તોરિથ હેકિહે | યિથુ પોંદ્ય સોંબરરોંવ્ય તોંમ્ય આબુ સુત્ય અંદરનુ વરોય પોશ |

જલદુય વુછ સુ આબુ દૈવન, યોમ્ય સર નેબર નીરિથ તસ વોન, " ચોંચ્ય ગાટુજારન તુ હૈમુચ બચોવુખ ચુ મ્યાનિ બયાયિ નિશિ | ચે કથ છિય યિમ પોશ બકાર?" વાંદરન વેર આબુ દૈવસ સોંરુય બાવથ |

ખોશ ગંધિથ અંચ્ય આબુ દૈવન જવાન વાંદરસ પોશ તુ આસ પતુ-પતુ | વાંદર પાદશાહન યુથુય તિમ યિવાન વુછુય તોંમ્ય વોનુ 'મે ઓસ ખયાલ યિ ગછિ માર | દૈવ છુ તસુંદ

नोकर बन्योमुत।" अथय परेशाँनी मंज गव सु मैरिथ। नवजवान वांदुर बन्योव पादशाह तु कोर तँम्य राजा ताजा जान पॉट्य।

सबक : हैसु रोजनस छु रुत फल।

त्रे गाडु

'हलीम'

ऑकिस गामस नखु ओस ल्वकुट आबु सर। तथ मंज आसु वारयाह गाडु। तिमन मंज आसु त्रे बजि गाडु ति। ऑकिस ओस नाव दूर अंदेश, दोयिमि ओस नाव हॉजिर जवाब, तु त्रेयेमि ऑस्य वनान नसीबु।

दूर अंदेश गाडु ऑस सेठा गाटुज। हॉजिर जवाब गाडि ओस मोकु विजि अकलि हुंद चोंग दज्जान। नसीबु ऑस नु हलु बलु करनुच सोथुय। अकि दोह द्रायि गाडु हाँज जोराह अमि तलावु किन्य। तिमव मंज वौन ऑक्य, "अलॉय यीचु गाडु। तुछ गाडु मारनुच किछु जाय छे यि।" व्याख गाडु हाँज वोथुस, "आ, पगाह सुबहॉय यिमव ऑस्य यूरय पनुन्य ज्ञाल हेथ।"

तेहंजु कथु बूजिथ वौन दूर अंदेश गाडि, "वेसव, बूजवु यिम क्या ऑस्य वनान। असि पजि गाडु हाँजन हुंदि पगाह सुबहन योर यिनु ब्रोंठ यि सर त्रॉविथ चलुन।" नॅ नॅ बु रोजु यती, येलि तिम योर यिन तमि सातु सोंचु बु कांह वथ।" यि वौन हॉजिर जवाब गाडि।

नसीबु गाँड वॅचुख दमा दिथु "बु नय त्रावु यि सर हर्गिज्ज ति। दूर अंदरश गाडि ज्ञोन यिमु बोज्जन नु म्योन कैह। ल्यहाज्जा द्रायि स्व कुनी अमि सरु पेठु।

बैयि दोहु सुबहॉय आयि गाडु हाँज ज्ञाल हेथ तु त्रॉविख अथ सरस। हॉजिर जवाब गाडि ह्योत फोरन यड ह्योर कुन वॅरिथ आबु पैट्य पान यिरनावुन। गाडु हाँजव समुज यि छे मोमुच्च तु तिमव दिच्च स्व ज्ञालु मंजु नेवर दॉरिथ। नसीबु गाडि करेयि पान बचावनु खाँतरु सरु किस चँकिस ताम डुंग दिनुच कूशिश मगर अफस्सुस स्व लॅज यकदम वोलु वाशास।

कॉशिर ज्ञान छे सॉन्य प्रज्ञनथ, यि प्रज्ञनथ थॅविव बरकरार।

कॉशिर ज्ञान छे सॉन्य दौलत, अथ दियिव वुसजार।



वाह्य, ओमकारजिया, चः कोत गोख !!!

रतन लाल शान्त

वाह्य, ओमकारजिया, चः कोत गोख !!!

सुबचि साडु चौर बजे आसहन। मे गव दरवाज्जस ज्ञोर टुक टुक। बु गाबर्योस तु गोस दवान बर मुचावनि। अति छुसन वुछान कुस ताम बटुसॉबा खडा। सफेद कुरतु पॉजामा लॉगिथ कलस दस्तारा गॅडिथ तु ख्वरन बाटा चपुन्य छुनिथ। अँछन गागल तु अथस वयथ बैग। अमा यि कुस ज्ञन तु वुन्य रेलवे स्टेशनु प्यठु स्योदुय मे निश आमुत? कॉसि रिशदारस यारस दोस्तस ति ओसुम नु वातुन। यि ओस बासान ज्ञन तु यूपी या बिहारकिस कस ताम ग्रीस्य बॉयिस गछुँन कोत ताम ओस तु वॉतिथ प्यव मे निश। मगर अॅमिस ओस नु गोंछि लोवा नस्ति तल कनि कैह अलोंद, तवु किन्य गोम शाख खबर यि गछि नु कांह ग्रूस वूस आसुन। यि ज्ञन छु कुस ताम ज्ञॉन्यकार। मे वुछ वारु। मे च़जेयि क्रख नीरिथ-हे यि वक्स साँ वनन छि महारा तुहुंद्यन बखॉलन गॉमुच? यि ओस नु बैयि कांह, यि ओस साख्याथ पॅडिथ स्वखानंद उरफि स्वखजुव। मगर ऑसु मंजु द्रायि नु मे आवाज़।

मे गव आश्वर। यि ओस बाजॉबितु स्वखानंद। बरस प्यठु खडा। न वनान कैह न अचान अंदर। शायद प्रारान बु वयाह वनु या करु तस वुष्ठिथ।

युथुय मे पकु व्यशवास गव यि छु स्वखानंद, रख बदलॉविथ ड्रामा करान तु मे इम्पस करनुच कूशिश करान, मे ति आव मनस मंज़ जि यि छु अज़ सुबहॉय गिंदन मूडस मंज़। अॅमिस गव योरु ति ड्रामा करुनु। अदु क्याह, मतु वनतस किंही। करतस नरि थफ तु चानतन गरस अंदर।

मगर स्वखानंद ओस नु गिंदन मूडस मंज़ बिलकुल। बल्कि सु ओस बडु सीरियस। बुथिस ओसुस नु सु शंगरफ कुनी युस बुजरगी बावजूद अॅमिस पशपान आसान ओस। कलस प्यठु दस्तारु बावजूद ओसुस बुमव प्यठु ज्ञन तु गम पशपान। सु ओस मे कुन तिथु कॅन्य वुछान ज्ञन तु पननि ड्रामाबॉज़ी प्यठु शरमंदगी ऑसुस नु, बल्कि म्यानि शुर्यलॉज़ी प्यठु आर यिवान ओसुस।

मै ऑस्स्य अॅमिस वारियाह सवाल प्रिछुन्य। मगर ऑस्य सुंजु चॉरिथ बुम वुछिथ दोप मे –पाना, लोत कर। यि वनि सॉरुय दलील पानय।

न्यॅबरु ओस व्वन्य बोड गाश आमुत तु गरमी हुंद प्रचंड ओस म्यॅनिस पॅतिमिस कुठिस बूं बूं करान। बु गोस तु कर्यम तति बर तु दारि बंद। द्वयि गंटु पतु अचि ताफ यथ कुठिस ति। पतु गॅयि ग्वडु न्यॅबुर्य चिकु वालानि, पतु अँदुर्य परदु वाहरावुन्य। द्वहस अनिगटि कुठिस मंज़ चूरन हुंद्य पॉर्च्य ख्वखुत म्वखुत वॅरिथ बिहुन। तु यि वुछितन, ऑस्य छु अज दस्तारु गौंडमुत तु मोम्लु ख्वतु ज़्यादु पलव लॉगिमुत्य। योहोय जोकर ह्यू बन्योमुत।

ऑती बास्यव ज्ञन तु खामूशी मंज़ बोड टास गव, तिछुय क्रख दिव स्वखानंदन। जन तु वुनिस ताम दमवॅरिथ ज़ोर तु शोर सॉबरावान ओस तु व्वन्य फाटुवुन बम। वोनुन-तॉजुब छु चुं छुख वुनि बिहिथ्य। चै बूजुथ ना ओमकार कोलन त्रॉव्य प्रान राथ शामनस? मै दोप चै आसी बूजमुत तु च ति आसख नेरनुच तयोरी करान। मगर च छुख क्याहताम पनुन्यनुय हॉरिसातन।

मै छु नु युथ रोब अज्ञताम कॉसि कोरमुत, यीचि थज़ि आवाज़ि मंज़ नु कथ ति कॉसि वॅरमुच। न छु मै जांह स्वखानंदुय यिथुवॅन्य क्रकु दिवान वुछमुत।

मै गव दम। अँदर्युम शाह अंदर तु न्यबरुम न्यबर। ... क्याह द्रावा सोन टोठ जानानु ऑंखुर यि असोर समसार त्रॉविथ? दयुता ऑंखरस म्यॅनिस टॉठिस व्वमजियिन्य अत्माहन असि जवाब? हतसॉ, बु द्रासव, बस व्वन्य लडु नु बु। मै त्रॉव्यमव हथियार...।

बूजिथ गॅयि मै कोर्च्य तती बिहिथ। शरीरस ज्ञन तु जुव कॅडिथ न्यूख। ... नतु ऑस ना मै पताह यि छु सपदन वोल? नतु ओसुस ना बु ज़ॉनिथ यि गॅरयियि बेशूंक पॉर्च्य तमि विज़ि, यैलि नु बु अमि खाँतरु बिलकुल तयार आसु।...

..... सिरिफ अख र्यथ ब्रॉंठ फरवरीयस मंज़ समख्योम दिलि सडकि प्यठ, मंडी हवुस म्यट्रो सिटेशनस न्यबर कनि, कस ताम मशहूर प्रोफेसरस सुल्य ओस तेज तेज पकान। मै प्यव कदम तेज़रावुन। आलव कोरमस तु यखदम रुक्यव, मंदुछ मंदुछ ह्यू असान कोरुन नमस्कार। यैमि ब्रॉंठ ज़ि बु कुरहॉ तस वुछिथ खुशी ज़ॉहिर, बु ओसुस कैह र्यथ ब्रॉंठअॅमिस गरु खबरि गोमुत, तेलि ओस स्यठाह कमज़ोर हालांकि असि करि तसुंदि दादि वराँय प्रथ सबजक्टस प्यठ कथु। हमेशुक्य पॉर्य रुद सु ल्वति बोलान तु मँज्य ठढु मखोल करान तु पनुन्य वुठ गुमनावान। मै सुल्य ऑस्य मजरूह तु तलॉशी सॉब

ति। असि ति द्युत नु तँमिस बास ज़ि अँस्य क्याह छि तसुंदि नाकार दादि किन्य परेशान। तसुंज बेआरॉमी ऑस तसुंदि बुथि प्यठय पशपान।

तमि दवहु पतु अज़ सडकि पकान बुछिथ आयि नु मै पछुय।

सु वोथ मै तोरय ल्वति पॉट्य- बु महारा ओसुस साहित्य अकादमी आमुत। त्वहि आसि तोरमुत फिकरि कथ सिलसिलस मंज़।... तु तोह्य ?

मै ति छे अँत्य मिटिंग।—मैति वोनमस राजदाँरी सान। असि करि नु ज्यादु कथु तु तँम्य ह्योत मै नेरनु खॉतर गुल्य ज़ गॉडिथ इजाज़थ।

अमि मुलाकातु पतु वॅर असि वारियाहि फिरि फोनस प्यठ कथ।

ओमकार रुद बराबर लेखान तु परान, हालांकि स्यहत ओस नु अँमिस यीच म्यहनथ करनुक इजाज़थ दिवान। ‘वाख’ ति रुद लगातार कडान। तँम्य ओस प्वख्तु इरादु कोरमुत मोतस सुत्य लॅडिथ ख्योन, ऑखरी शाहस तान्य.. मगर सु क्याज़ि गव? ओमकारजिया चै क्याज़ि त्रॉविथ हथियार?

बु ओसुस सोंचान तु खबर म्यॉनिस बुथिस प्यठ कम भाव तु भावनायि आसहन व्वतलान तु ब्बडान। मै छु सिरिफ यूतुय एहसास ज़ि बुथ ओस मै अशि सुत्य बैरिथ तु आवाज़ ऑसुम खँज्च फुट्य गॉमुच। मै ओस ब्रौह कनि बिहिथ स्वखानंद मॅशिथुय गोमुत.. शायद ओस मै पनुन पान ति मॅशिथुय गोमुत..

न वॅर मै दुबार क्रख-व्वन्य क्याह चै छुयि यिथय वॅन्य पछतावान बिहुन किनु दिलि नेरनुक कांह संज़ करुन ?

बु फ्यूरुस ह्यसु। मै पैयि व्वन्य पानस कुन नज्जर। बु ओसुस बिसतर मंज़ु यि देंप्यज़ि ति व्वठ लॉयिथ स्योदुय दरवाज़ु टासान स्वखानंदस बुथि द्रामुत। नॉल्य ओसुम अंडर शॉट तु कछु।

स्वखानंद सुंज़ि क्रैकि कोरुस बु बेदार। फुट्यमत्यवुय क्वच्यव चास ब्यडरुम तु रछा शॉयिस्तु पलव लॉगिथ आस। मगर अँमिस क्याह जवाब दिमु, ति तोगुम नु बोजुन।

तँम्य देंररोव बैयि पनुन सवाल- चृ क्याह बैयि ब्यूठखु ?

बु छुस तस हांगुल ह्यू बुछान? सु किथु वॅन्य छु लठ तु पठ चॉरिथ आमुत, तिति छुस बुछान। पज्जर गव यि कि रचि खंडि गव मै ऑच्छन ब्रौह कनि अनि गोट ह्यू। बु ओसुस यकदम ज्जन तु दुगॉशिस मंज़ दॉरिथ दिनु आमुत। अकि तरफु ऑस मै ओम जियिनि गुजरनुच दिलदोज्ज खबर दिन आमच, बैयि तरफ ओस पॅडिथ स्वखानंद मै ब्रौंठ कनि प्रारान ज़ि व्वथ मै

सुत्य पख नेर। पथ ब्रोंठ वुछनु बगौर। पॅडितन्य तयाँरी ति छुस वुछान। अमा यि ड्रस लॉगिथ
छा ऑमिस महाराजस सुत्य गछुन? ऑमिस बुडस माछि मगुज़ डॅल्युमुत्य!

शायद वुछुस बु ताँम्य छ्वपु कॅरिथ ऊर्य न यूर्य द्यमाँगी हालतस मंज़। शायद ओस सु
यि ति चेनान ज़ गैर गैर छि गछान तु पतु बनि नु कांह सवॉर्य ति।

बांबरि तु सदमु सुत्य अगरय बु कांह फॉसलु कॅरिथ ओसुस नु ह्यकान, मगर मनस
ओस स्वखानंदस वुछिथ वुबोदुर व्यथान जि ऑम्य छु यि अख रस्सी वाकु बनोवमुत। व्यन्य
प्यव मे अमिस प्रुछनुय, मगर तोह्य नय ऑसिवु जांह दस्तार गंडान। मे छिमव नु जांह
कलस दस्तार क्या टूप्य दिथ ति वुछिमुत्य ... गर्मी म्वखय अगर तु तोलि दीतव ठोपि हना।
थॅविव दस्तार तुलिथ येत्य। बु दिमोवु नॅव टूप्य पनुन्य।

म्योन युतुय योत वनुन, तॅमिस खोत वुछान बुथिस व्यशलुन, कनु फ्यछु ताम
व्यज्जलेयस। कलु ह्योतुन गिलनावुन दॅछनुन तु खोवुर। जन तु छांडान ओस क्याहतान्य।
डंडु या लूर मा ओस वुछान कुनि मा छे, द्यौवु मे मार द्युन ओसुस। मे छु वुछान जन तु
नज्जरव सुती सूर करि। मे वोट ऑस यकदम। अमा मे क्याह गलती ऑस कॅरमुच?

‘चे क्याह बूजुथ, बु गछा डाक्टर ओमकारनाथ कोल सुंदिस दाह संस्कारस प्यठ
आम बटन हुंद्य पॉर्क्य? मे क्याह सु ऑशनाव ओसा, किनु यार? बु ओससा तस जांह
समख्योमुत ति? सु जन आव ति जोम कुच्चि फिरि, साहिता मिटिंगु कर्यन, ल्यक्चर
दिनिन, बाक्य प्रोग्राम कॅरिन या तोहि अदबी, साहिता- फन-कलाकारव वगौरु वगौरु
वाल्यव करि मिटिंगु तु सेमिनार तु बेयि ख्यबर क्याह क्याह। बु छुस प्रथ कुनि मुतलक
अखबारस मंज़ परान। मगर मे वनता बु कर बुलोवहस यिथिस कुनि जलसस मंज़? च्रय वन
पननिस दिलस प्यठ अथु थॅविथ चु ह्य छुख प्रथ जायि वातान; चे वोनथा मे जांह पख सॉ मे
सुत्य? चे ऑसुय ख्यबर मे कोताह चुक तु अमार छु यिथ्यन नफरन मेलनुक आसान, यिम
हकीकतन सानि समाजिक्य चीन्य छि? लीडरव ख्वतु पज्जि असि यिमन यज्जथ तु एहतिराम
करुन। लीडर गछन मशरफु किस सॅनिस द्वबस मंज़ गॉब ति क्याजि सियासत बदलि। ऑजिच
सियासत बनि पगाह बेमाने, पगहुच कॉलिक्यथ। मगर अँदीब सुंद ल्यखुत रोज़ि हमेशि खॉतरु
मूजूद। खॉर, यि गव ति गव। बु ह्योकुस नु ओमकार कोल सॉबस जिंदगी मंज़ समखिथ, मगर
अज़ दिमु बु तॅमिस ऑखरी सलॉम्य तु शुकरिया ति करस तु मॉफी ति ह्यमस।

स्वखानंदनि ज्ञेठि तकरीरु सुत्य गॅयि मे छ्वपु। दोपुम मॉफी ह्यमस.. मगर अख
इलजामा ओसा मे खसान..। मे दोप अमा शुकरिया तय तु मॉफी क्याज्जि? मगर तॅम्य द्युत

म्यानि प्रुछनु ब्रोंठुय पानय मे जवाब ।

थख वैँडिथ ओसुन सु बैयि बोलुन ह्योतमुत-

‘ बु गछु तोर अंकिस आम बटु सुंदिस हैंसियतस मंज़ । माँफी ह्यमस जि असि कोरुय नु चॉनिस कारस कदुर । असि परि नु चानि तिमु किताबु, यिमन दुनियाहन कदुर कैर । मगर शुकरिया ति करस्स जि चे वातनाँवथन सॉन्य ज़बान बड्यन कुतुबखानन तु बड्यन ऑलिमन हुंद्यन मेज़न प्यठ, सोन नाव नेशनोवुथ, चे आसी मूख्य तु परमदामस मंज़ जाय’ ।

पनन्यव द्वृशवुय अथव सुत्य कलस प्यठ दस्तारु शेरान वोथ स्वखानंद थोद । मे त्राँवुन हचरलद नज़रा तु द्राव ॥

मे बास्यव पॅञ्ज्य पॉर्ड्य छु स्वखानंदस अंदर वुन्यकिस कॉशिरिस बटु सुंद सासु बद्यन वैरियन हुंद इतिहास बैयि अकि लटि पनुन प्रामणिक यानी आथैटिक ताकथ ह्यथ पॉदु गोमुत । यि छु.... वुन्य क्यनस तम्युक तर्जमान बैनिथ मे ब्रोंठुकनि । मे कोर तस कुन, तथ दिशायि कुन गुल्य ज़ु गंडिथ प्रणाम, येमि दिशायि सु द्रामुत ओस ।

कॉशिर ज़बान छे सॉन्य प्रज्ञनथ,

यि प्रज्ञनथ थैविव बरकरार ।

कॉशिर ज़बान छे सॉन्य दौलत,

अथ दियिव वुसजार ।



डा.रूप कृष्ण भट सुंज ताजु तसनीफ :

अख नेव वुछन त्राय

डा.रतन तलाशी

शॉयिर यां कांह ति तखलीककार नॅ छु मुबलिग आसान तु नॅ छे तसुंज कॉम समाज सुदारुक डोल वायान। बॅल्यकि तसुंज कॉम छे पनुन्यव तखलीकी तजरुबव सुत्य ज़मानु मकानु किस काठकरस मंज मुकीद ज़िंदगी हुंद चोक मोदुर वेत्रावन वॉलिस इनसानुसुंद सूरतहाल दीद मान करुन युथ इनसॉनी ज़िंदगी हुंद कांह नतु कांह सिर सवेर आशकारु सपदि। मगर अमि बावजूद हयेकव नु अदबुकि समाँजी रोलु निशि इनकार वैरिथ। तखलीककार सुंज तखलीक काँचाह ति ज़ॉती नॅव्यतुच ऑस्यतन मगर ति वैरिथ ति छे यि मसबत समाँजी तु इनसॉनी कदरन अकि नतु बैयि रंगु सगुवान। यि कथ छे कॉशरिस अदबस मुतलक ति सही तु सान्यव मुखतॅलिफ शॉयरव छि हुबल वतनी, इनसॉनी लोलुक्य तु मसावतुक्य तु खास पाँठ्य मज़हैबी रवादौरी हुंदय नगमु ग्येवमुत्य। योदवय जन कुलहम काँशरिस अदबस या इनफिरॉदी तखलीककारन मुतलक यिमन मोजूहन हुंदि हवालु मुखतलिफ कॉशर्यव अदबी ऑल्मव मुखतॅलिफ ज़बानन मंज येति होति कैह मज़मून तु मकालु तहरीर कर्यमित्य छि मगर यिथिस मोजूहस मुतलक तु खासकर "कॉशरिस अदबस मंज मज़हैबी रवादौरी" मोजूहस प्यठ ऑस वुन्युस ताम अख मुकमल तसनीफ शायद अनका। अज्ज कोर डा.रूपकृष्ण भट सॉबन यि छर्यर पूरु। डा. भट छि मॉहिरि लिसॉन्यात ,कॉशरि ज़बॉन्य तु अदबुक्य व्सताद, तरजमुकार तु अख जोनमुत मोनमुत अफसानु निगार ति। मगर अज्ज छि यिम बहसयति म्वहकिक असि ब्रॉहकुन आमुत्य। डा. भट सॉबुन्य यि तसनीफ छे तसुंजि दवन वरयन हुंदि सब्रु आज़मा मुतालुच तु मैहनतुक नॅतीजि। किताब छे अलु पलु दवन हतन सफन प्यठ मुशतमिल तु योदवय अम्युक असुल मोजू "कॉशरिस अदबस मंज फिरकुवारानु हमआहंगी" हुंज निशान देही छे मगर तमि बावजूद छे यि कॉशरि ज़बॉन्य, तॅहजीब तु अदबी रेवायच हुंदयन मुखतॅलिफ गोशन प्यठ मयित। यथ मंज वैशीरि हुंदि डेगजल तॅहजीबी पथ कालुच तसवीर ति व्सतलावनु आमुच छे तु अज्जकालुचि तमि सयाँसी व्लुहैरशि हुंज

જિકિર તિ છે યોમિ કિન્ય મૂજૂદ જ્ઞમાનસ મંજ વૅંશીરિ હુંજ સદી વાદન હુંજ તેહજીબી કદરુ નહનાવનુ છે આમચ્ચ | બાસાન છુ કિતાબ તેહરીર કરનસ પસિ પરદુ છુ મુસનિફ સુંદ સોચ જિ સેહતમંદ સમાજકિ તોમીર બાપથ છુ જોર્ખરી જિ પનુનિ પથ કાંલ્ય તેહજીબક્ય અનસર ગછન નવિ સરુ દેર્યાફત કરનુ યિન્ય યુથ યિમ અસરી મસલુ અંજરાવનુ બાપથ નોવ જુવ જેતુ સાન દુબાર કાડ કડન |

કિતાબિ હુંદ ખાકુ છુ તમિ આયિ તશકીલ દિનુ આમુત જિ યિ છે નુ અસુલ મોજૂહસ તામુય મહદૂદ રૂજમુચ બૅલ્યકિ છે જ્ઞાન, અદબ તુ તહજીબસ મુતલક જ્ઞાનકારી હુંદ પિટાર બનેમુચ | કાંશિર જ્ઞાન તુ અદબી રેવાયચ્ચ હુંદિસ મુફસિલ તારુફસ પ્યઠ મુશતમિલ તારફુ અલાવુ છિ યથ કિતાબિ સથ બાબ | ગવડનિક્ય જુ બાબ છિ અસુલ મોજૂહસ પસિ મંજર તિ અતા કરાન તુ મુસનિક સુંદ પનુનિસ મોજૂહસ નેસબત જ્યાંબ્યધિ નજર તિ મુશખ્સ કરાન | ગવડનિકસ બાબસ મંજ છુ મુખતોલિપ જેલી અનવાનન તહત જ્ઞાન, અમિચ માહિયત, અંલિમિ લિસાયનયાતુચ વજાહત આલમી લિસોની ખાનદાનન હુંદ તજકરુ, હેંદુસ્તાનુક લિસોની મનજર નામુ તુ ખાસ પૉટ્ય કાંશારિ જાબોન્ચ હુંદ આગુર તુ ઇરતિકા બેતરિ વૈછનાવનુ આમુત | દોયમિસ બાબસ મંજ છુ હેંદુસ્તાનકિ તેહજીબી વિરયિક્યન જુજ્યાતન હુંદિસ તજકરસ અલાવુ વૅંશીરિ હુંદિ તેહજીબી તુ સકાફતી ઇરતિ કાહસ સૂત્ય સૂત્ય વૅંશીરિ હુંદ મિલુમિશ તેહજીબી તવારીખુક અખ મ્વખસસર જોયજુ પેશ કરનુ આમુત | અમિ અલાવુ છે હેંદુસતોન્ચ તેહજીબુચ કસરતસ મંજ વહદત જેરિ બહસ અનિથ તિમન રૂહાંની તુ માંદી તહરીખન હુંદ તજકરુ તિ કરનુ આમુત યિમ હેંદુસતાનકિસ સતુ સ્ય તેસ્ઝીબસ મંજ હમ અહંગી પાંડુ કરાન છિ | મુસનિફન છિ કાંશારિ તેહજીબી સરમાયિચ મ્વલ વન વૅંથિ તિમન અનસરન હુંજ નિશ્ચાનદેહી તિ વૅંશ્રમુચ યિમ કાંશરિસ તેહજીબસ મુલકી સોથરિસ પ્યઠ હેંદુસતોન્ચ તેહજીબસ સૂત્ય હમ આહંગ કરાન છિ |

કિતાબિ હુંદયન બાકુય પાંચન બાબન મંજ છિ અલગ અલગ પૉટ્ય ગવડુકાલચિ શોયરી, સ્ફૂરી દોર, વુહમિસદી હુંજ શોયરી, કાંશુર અફસાનવી નસુર તુ નમતુ પેતિમ કાંશુર અદબ મજહબી રેવાદારી હુંદિ હવાલુ જેરિ મુતાલુ અનુનુ આમુત | ગવડુકાલચિ સિરી તુ અમિ પતુચિ સૂફી ત્રાયિ હુંજિ શોયરી મુતલક છુ મુસનિફ સુંદ યિ વનુન સહી જિ સયોસી ગાર્ય યકીની તુ ગાર્ય કાંશ્રયન હુકુમરાનન હુંજિ અદમ દિલચ્સ્પી સબબુ યેતિ આમ લુખ બદ જ્વન સપુદ્ય તતિ રૂદ કાંશરયન શોયરન તિ પનુનિ જ્ઞમાનુક એહસાસ | યિમન શોયરન નિશ ઓસ ઔલા હકીકતુક ઇરફાન ન સિર્ક મકસદિ જ્ઞાત બૅલકિ મકસદિ હ્યાત તિ | મગર યિ મંજિલ પ્રાવનુ ખોતરુ આંસ્ય જ્ઞાત તુ જ્ઞમાનુક્ય મસનૂયી દયાર મિસમાર કરુન્ય સ્યઠા જ્રસ્રરી | અમિ વૅંબીલક્યન શોયરન નેંજ્યદીખ છુ નુ મજહબી તફરીક યા સમ્જોજી

ज्ञाँच बंदी हुंद कांह माने। इनसाँनी मोहबतु ईश्वर तु अलाह सुंज वहदत तु ज्ञात हकीकयुक उरफान छु अमि शॉयरी हुंद हरतर। यथ निश मज्जहबी तु समाँजी तफरुक अबस छि। बकोलि मुसनिफ यवदवय अमि त्रापि हुङ्जि शॉयरी मंज मज्जहबी, मिल-चारुच कथ बुलंद बाँग पाठ्य आमुच छे नु अमा पोज्ज हयातस लोल कांछुन वाजनि अमि शॉयरी हुंद मंजलि मकसूद छु वरगु वॉट्य यीय।

मुसनिफन छे येमि पज्जरुच ति निशानदेही वॉरमुच जि वुहमि सदी हुंदिस ग्वडनिकिस नेसफस दोरान किथु पॉट्य वॉरय मॅहजूरन तु आज्ञादन तिम नगमु तखलीक यिमव सूत्य कॉशर्यन पनुनि पथ कालकि अज्जमतुक ऐहसास सपुद तु तिम सपुदय वाँसि वादन प्यठ पॅहलिथ मज्जहबी रेवादीरी तु इनसान शॉयरन हुंद यकसाँन्यतुक तु आलमि इनसान सुंदि पानन्यारुक दरस नुमायान वॉरिथ यिमन शॉयरन हुंज वॉशीरि हुंदिस मज्जहबी मिलचारस नेसबत यिमन हुंज कोलुहाँरी ति गाशारॉवमुच। किताबि हुंद औंखरी बाब छु नमतु पॅत्यमिस अदबस मुतलक यथ मंज मुसनिफन कुनि रवय रेवॉयती वरॉय तिमन महरकातन हुंज निशानदही वॉरमुच छे यिम सानि मज्जहबी रेवायति हमअहंगि हुंजन कदरन हुंदय नहवनकार बनेयि तु यिम व्वन्य अदबस मंज महज अकि अरिज्जोयकिस सूरतस मंज ब्रोहकुन यिवान छि।

मजमोयी तोर छि किताबि हुंज खूबी यि जि मुसनिपन छे नु महज बयान बाँजी वॉरमुच बॉलकि हवालु तु हॉशयन हुंद तहकीकी तरीकुकार वरतॉवित छे प्रथकंह कथ दावाँलीलि सान पेश करनु आमुच। येमि किताबि हुंज अहमियत छे यिजि असरी सयाक सबाक लेहाजु छे यि बरवखत तु बर महल। मोज्जु लेहाजु ति तु मकसद लहाजु ति। नतु छु वुनकेनस यि फॉशिन बन्योमुत जी येमिस ति अथस मंज कलम तुलुन तगान छु सु छु मखसूस सिरी शॉयरस मुतलक फिरय फिरय दवहरावनु अमचु कथु यिकवटु वॉरिथ फकथ ज्बाँन्य तु लफजन हुंद हुलिय बदलॉविथ किताब थुरान। मगर डा.भट छि पॅज्जीरॉयि हुंदय मुसतहिक जि येमि किताबि ज्जॉरियि छे यिमव कॉशरिस अदबस अकि सॉदरवार च्वकतु निगह किन्य नज्जर त्रॉवमुच। मै छे व्वमेद जि सॉदरवार मुतालास प्यठ मुबनी यि किताब करि परन वाल्यन पनुनि अदबुकि बैयि अकि पॅहलू निश रोशनास तु कॉशरि अदबकिस अथ पॅहलूहस सूत्य दिलचसपी थावन वाल्यन आॅल्यमन हुंदि बापथ बनि बॅहसि तॅहरीक।



पादि कमलन तल

वेष्णु राजदान

पादि कमलन तल बु आसय
 मूक्ष दिम बोड़ वर्गु दिम
 गोम न्यैतरन खून जॉरी
 बास प्रेत्यक्ष व्वन्य कास खॉरि
 चानि आशायि योत बु आसय
 या मे वर दिम मूक्ष दामुक
 लोलु बाग्स पोश फोल्यमुत्य
 शेरि लागय बावु कोसम
 कया वनय अँस्य मंदुछेमुत्य
 कर दया व्वन्य वुछ मु तथ कुन
 चॉन्य ग्वन वेसतारनुक ताक्रथ
 छुय चै जय जय शामु स्वंदरी
 म्यानु दाता मूक्ष दाता
 ही भवॉनी कर मे वॉनी
 पज्जि मनु युस बॅक्ति चॉनी
 क्या छु संशय तसुंदि बापथ
 चॉन्य ग्वन छुस बो वेचारान
 अबसनुक्य वर दब्न कुनुय कर
 सर्व व्यापख छेख च्वपॉरी
 व्वन्य चै रोस कुस बोज्जि जॉरी
 कर्म हीनन दरमु हीनन
 डाल स्योद अथु कर्मु लॉनिस

करनि चॉनी असत्वती
 ही बर्गशेखा भगवती।
 छुस चै कुन जॉरी करान
 अँस्य छि पापव वॅल्यमुत्ती।
 नाव्वमेद नेरय नु जांह
 नतु छुसय प्रारान येती।
 वेरि चाने चॉर्य चॉर्य
 शोलुवुन्य कारेपती।
 चंदु छेन्य सोदा करान
 शरामि सुत्य अँस्य गॅल्यमुत्ती।
 अनी कुस कस वनी
 जामु शूबान छी छेती।
 छेख ज्ञगत माता चु छेख
 स्यद म्वखस दिम सरस्वती।
 करि निश्कल राथ द्यन
 मूक्ष दामुक्य बर वॅथी।
 पन ओमुक्य खारान बु छुस
 नतु छु आछुर वॅल्य वॅत्ती।
 अँस्य छि शॉरी क्या वुछव
 हाव म्वख पैठ्य परबैती।
 कर्तव्यन सान्यन मु वुछ
 प्रक्रमस चॉनिस खॅत्ती।

वीलु जँरी बोज्ज 'वेष्णस'
छेख चु रोशन छुस बु तोशन
पादि कमलन तल बु आसय
मूक्ष दिम बोड वर्ग दिम

रोज्ज संतुष्ट सर्वदा
चुय मे बखशख थेज्ज गंती।
करनि चॉनी असत्वती
ही बर्गुशेखा भगवती।

ललु वाख

हहु निशि हाह द्राव शाह क्या गव,
हहस तु हाहस शाह चुय ज्ञान।
रुह निशि मोर द्राव क्याह वुछुय,
क्याह रुद बाकुय क्याह गव फ़ान॥

ललु वाख

संसारस मंजबाग कथ शायि रोज्य,
वेज्जि परम शिव शम्भू अघूर।
त्वलि मंजबाग बोय ललुनावन,
जिमरस मंजबाग करस गूर-गूर॥



चु माता कासतम गम

वेणु राजदान

चु माता कासतम गम
 दितम दर्शन चळ्यम गम
 मै मॉजी आश चॉन्य छम
 दया दृष्टि मे करतम
 बु मा वोतुस चे निश जांह
 तवय शरमंदगी मे छम
 चु. दीवी क्याजि रुठुख
 दितम दर्शन चळ्यम गम.
 गवडन्य स्यद कर मे वॉनी
 त्रैयिम त्रैयलूकि मंज सम
 कोरुथ च्वन वीदनुय अंद
 शेयिम शिव रूप, बासतम
 सॅतिम बासतम मे सतरूप
 चे डींशिथ दीर चलि यम
 दज्ञान छुय दूप कोफूर
 नगारो साज मदहम
 यिवान छिय त्रेश्य इत्यादेक
 बेदर रुजिथ छि सरखम
 नेथुर चॉन्य पदम वॅथुर
 छु तथ निर्वाणुक थम
 चु अष्टा दशब्वज्ञा छख
 चे दीवी क्या गढी कम
 छु बोड दरबार चोनुय
 शोलु मारान छु व्यलकम

बु लागय भावु कोसम
 बु लागय भावु कोसम ॥
 बु लागय भावु कोसम ॥
 बु लागय भावु कोसम ॥
 मे वॅरमय नु पाठ पूजाह
 बु लागय भावु कोसम ॥
 खेटिथ कथ जायि बीठुख
 बु लागय भावु कोसम ॥
 दौयिम दिम पॉर्यज्ञॉनी
 बु लागय भावु कोसम ॥
 छु पूचिम परमु आनंद
 बु लागय भावु कोसम ॥
 दज्ञम अँदरु ग्यानुक दुप
 बु लागय भावु कोसम ॥
 वज्ञान छुय साज्ज संतूर
 बु लागय भावु कोसम ॥
 करान दर्शन छि सन्वख
 बु लागय भावु कोसम ॥
 कलस प्यठ म्वखतु छेंथुर
 बु लागय भावु कोसम ॥
 मे तेय भोगा चु सोज्ञुहख
 बु लागय भावु कोसम ॥
 वंदहय क्रबीलु क्रोनुय
 बु लागय भावु कोसम ॥

वैहरिथ छु मायायि ज्ञाल
 अम्युक व्यस्तार बनतम
 नचान छी चंड तय मंड
 प्यठय त्रावुख निरालम
 चु छख शक्ति शिवस सुत्य
 तम्युक मंत्र छु शम दम
 छु ऑठम द्वह चोनुय
 मै सायस तल चु रछतम
 वनान छुय वेष्णु राजदान
 दया दृष्टि मै करतम
 मै माँजी आश चॉन्य छम
 दितम दर्शुन चळ्यम गम

मूहन मै वोलमुत नाल
 बु लागय भावु कोसम ॥
 तिमन दितु पानय दड
 बु लागय भावु कोसम ॥
 छे यिछ अँगनस अंदर ज्यूत्य
 बु लागय भावु कोसम ॥
 बोज्जि पैर्ययाद म्योनुय
 बु लागय भावु कोसम ॥
 चु माँजय छख दया वान
 बु लागय भावु कोसम ॥
 बु लागय भावु कोसम ।
 बु लागय भावु कोसम ॥

ललु वाख

साहेब छु बिहिथ पानय वानस,
 सॉरिय मंगान कैछाह दि।
 रोट नो काँसि हुंद रॉछ नो वानस,
 यि चे गछिय ति पानय नि ॥



यि छु संसार सोपनु माया

वेणु राजदान

यि छु संसार सोपनु माया
ज्योन तु मरुन युन तु गछुन
त्रुय तु संतान छी चै बासान
यावनस मंज छ्वह छिद्यावान
दृख छिरावन्य दृख छिप्रावन्य
दिव्य त्यागु विजि सूत्य मा दिनम
वृद अवस्था येलि छियिवान
शुर्य शुर्यन पनुन्यन वनान
बचपनस मंज अँम्य बोरमुत
वन्य दपव लाचार आसिहे
छुन नु जनमस जांह ति कोरमुत
त्रेश योदवय योर मंगुहाख
ज्ञोर सूरिथ ज्ञोर फोरिमा
कवठि प्योमुत शोर करिहे
जामुतुर्य छिपामु सोज्ञान
जांह ति कोरुना खूब साला
कोरि वातन वॉरिव्यव प्यठु
असि किथव कन्य चोलुख त्रॉविथ
बाकि अंदर बोज्ञानवन
यश हावान ख्वश छिगछान
बस छिख्यावन्य साल तिथी
यश करुन छुकठ छिमारन्य
चाय तलखुय गछि चावन्य
ताज्ञ गरुम वाजुवानाह

मा छु नेरान सोरये
अतु गथ ओरु योरुये ॥
हमद्रुद गमखार बोज्ञ
मतलबुक परिवार बोज्ञ ॥
दृख छु अमिकुय सार बोज्ञ
प्रोन काँगरि खोरये ॥
तैलि दिवान दकु दॉल्यये ।
ओस फॉतिर मोलुये ॥
छुन जांह असि लोलये
ओस आसन वोलये ॥
कॉसि सूती वोरये
ज्ञोर आलव मा खसान ॥
तोरु फीरिथ छिम असान
कुस करय्स तथ गोरये ॥
बोज्ञानवान छी लुकन
आसुहव बुनि सुय थेकान ॥
जोरु लायन बाख बोज्ञ
राज्ञ यैंदरु काख बोज्ञ
कोताह बोड ओस काख
बूजिथ मॅजिम्य यॉर्यये ॥
युथनु म्यादस वठ गछ्यख
खश गछ्यख या फ्रठ गछ्यख
साल ख्यथ यिनु सेठ गछ्यख
ऑस्य बॉगरान गोरये ॥

यि छु संसार ब्रम तु बॉज्यगार
 मूर्खन छिय बोज्जुनावान
 ख्वठ वैचारव कटु मारव
 क्रतु वेद वॅर काख बेशख
 कर तु वेचार कथ बकार छुय
 यी चै येति कोरमुत आस्यथ
 चित्र गुप्तन आसि ल्यूखमुत
 राज्जदानस ग्यानुवानस
 अल्पब्बज्जु किन्य युथ नु खारख
 यि छु संसार सोपनु माया

सृत्य काँह कैह छा निवान
 बोज्जु नॉविथ पछ अनान
 सृत्य मुक्ति छा लबान
 स्वर्गु मंडलस खोरये ॥
 परिवारुक यश चैय
 ती यियी दरपेश चैय
 तथ गछ्या कम पेश कैह
 शेर खानस छा हिशर
 पॉन्य पानस बोरये ॥
 मा छु नेरान सोरये ॥

ललु वाख

कुस बब तय क्वस मॉजी,
 वॅमी लॉजी बॉजीबठ ।

कॉल्य गछ्ख कांह ना बब कांह नो मॉजी,
 ज़ॉनिथ कव लॉजिथ बॉजीबठ ॥

ललु वाख

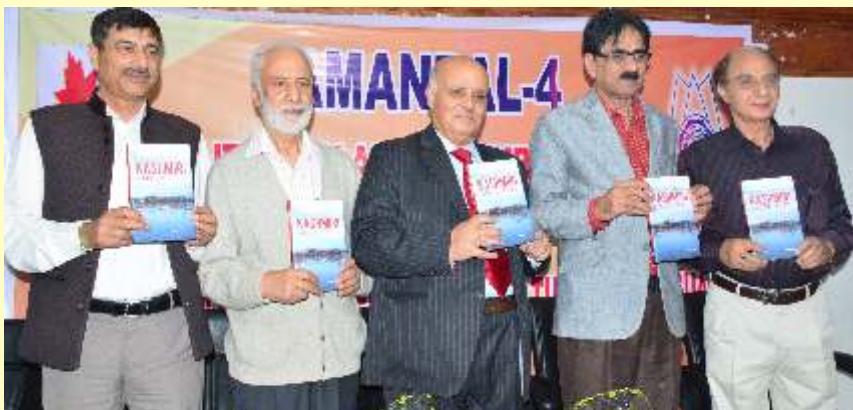
आँचारय बिचाँर्य व्यचार वोनुम,
 प्रान तु रुहन द्ययिव मा ।
 प्रानस बॉजिथ मज्जा चुहुन,
 नदुर्य छिवु तु द्ययिव मा ।



लेखन वॉल्य

- डॉ० रतन लाल शान्ति M-201, Royal Palm Flats, Akhnoor Road, Jammu 180005.(09419684914) rlshant201@gmail.com
- स्व. श्री मोती लाल क्यमू, अपना विहार, जम्मू।
- श्री ओमकारनाथ शबनम, वैशाली, गाज़ियाबाद।
- डा०रुपकृष्णभट, A-19, कैलाश अपार्टमेंट्स, सेक्टर 4, द्वारका, दिल्ली-110078. (9868555535)
- श्री शंभुनाथ भट्ट 'हलीम', आई-1, कश्मीरी अपार्टमेंट्स, पीतमपुरा, दिल्ली।
- श्रीमती सुनीता रैना पंडित, नौयडा।
- प्रोफ. मजरुह रशीद, श्रीनगर।
- श्री प्रेमनाथ शाद, जम्मू।
- श्रीमती देबा नज़ीर, श्रीनगर।
- श्री रतन लाल जवहर, जम्मू।
- श्री ब्रिजनाथ बेताब, जम्मू।
- श्री राजनंदर आगोश, जम्मू।
- डा०रतन तलाशी, श्रीनगर।
- श्री मोती लाल मसरुफ, जम्मू।
- प्रोफशाद रमज़ान, श्रीनगर।
- श्री अशोक गवहर, जगती, जम्मू।
- श्री जगननाथ सागर, जम्मू।
- श्री असीर किशतवाडी, जम्मू।
- स्व वैष्णु राजदान।

SAMANBAL 4 ORGANISED AT JAMMU



बावु पोश



Prof. Omkar N Koul

7th January, 1941 - 3rd May, 2018

Printed & Published by All India Kashmiri Samaj

from D-90, Sarojni Nagar, New Delhi - 110 023 Ph. : 24677114 E-mail : aiksnr@rediffmail.com

Printed by : Print Orbit Ph. : 9810625082 Email : pranavkoul@gmail.com

Editor : Omkar Koul

Price : ₹ 50/-